

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 79 । पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 18 नवम्बर 2026 (बुधवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

आजम खान को 426 करोड़ रुपये के धनशोधन मामले में अंतरिम जमानत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ/प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को इलाहाबाद उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। न्यायालय ने जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े 426 करोड़ रुपये के धनशोधन मामले में मंगलवार को उन्हें अंतरिम जमानत दे दी। आवश्यक जमानत संबंधी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद बुधवार को उनकी जेल से रिहाई हो सकती है। आजम खान करीब एक साल बाद जेल से बाहर आएंगे। उन्हें पैन कार्ड से जुड़े मामले में 17 नवंबर 2025 को रामपुर जेल भेजा गया था। न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता और न्यायमूर्ति देवेंद्र सिंह की पीठ ने प्रवर्तन निदेशालय की गिरफ्तारी की प्रक्रिया पर सवाल उठाए। न्यायालय के अनुसार, 31 अक्टूबर को पैन कार्ड मामले में जमानत मिलने के बाद शाम 7 बजकर 10 मिनट पर आजम खान को जेल के द्वार पर ही गिरफ्तार कर लिया गया था। अदालत ने प्रथम दृष्टया इस कार्रवाई को दुर्भावनापूर्ण बताया। न्यायालय ने यह भी कहा कि गिरफ्तारी के समय आजम खान को लिखित रूप में गिरफ्तारी के आधार नहीं बताए गए थे। गिरफ्तारी पत्र में स्थान, तारीख और समय का विवरण भी खाली था। अदालत के अनुसार, 31 अक्टूबर की रात 9 बजकर 10 मिनट पर उनकी बहन को संदेश भेजा गया और 9 बजकर 19 मिनट पर ई-मेल किया गया, लेकिन दोनों के साथ गिरफ्तारी के आधार से संबंधित दस्तावेज नहीं भेजे गए।



धोनी का आईपीएल से संन्यास, चेन्नई ने बनाया टीम का मार्गदर्शक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चेन्नई। महेंद्र सिंह धोनी ने खिलाड़ी के रूप में इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास ले लिया है। चेन्नई सुपर किंग्स ने मंगलवार को उन्हें वर्ष 2027 के सत्र के लिए टीम का मार्गदर्शक नियुक्त किया। धोनी ने 19 वर्षों तक आईपीएल में हिस्सा लिया, जिसमें 17 सत्र चेन्नई के साथ बिताए। वर्ष 2016 और 2017 में चेन्नई पर प्रतिबंध के कारण वे राइजिंग पुणे सुपरजायंट की ओर से खेले थे। धोनी ने आईपीएल में कुल 278 मुकाबले खेले और 5,439 रन बनाए। उनकी कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने पांच बार आईपीएल और दो बार चैंपियंस लीग टी-20 का खिताब जीता। चेन्नई की सह-मालकिन रूपा गुरुनाथ ने बताया कि वर्ष 2027 के लिए खिलाड़ियों को टीम से मुक्त करने की सूची तैयार की जा रही थी। इसी दौरान धोनी ने वीडियो बातचीत में शांत अंदाज में कहा कि सूची में उनका नाम भी जोड़ दिया जाए। इस तरह धोनी ने अपने फैसले का संकेत दिया।



इस्कॉन ब्रिज हादसा मामला: तथ्य पटेल के पांचों दोस्त अदालत में अपने बयान से मुकर गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के चर्चित इस्कॉन ब्रिज हादसा मामले में सुनवाई के दौरान नया मोड़ सामने आया है। हादसे के समय मुख्य आरोपित तथ्य पटेल के साथ जगुआर कार में सवार उसके पांचों दोस्त अदालत में अपने पूर्व बयानों से मुकर गए। पुलिस जांच के दौरान इन दोस्तों ने कार तेज गति और लापरवाही से चलाए जाने की बात कही थी, लेकिन अदालत में उन्होंने कार की गति के बारे में जानकारी नहीं होने की बात कही। इसके बाद सरकारी पक्ष ने पांचों गवाहों को पक्षद्रोही घोषित कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसे की रात तथ्य पटेल के साथ कार में मौजूद पांचों दोस्तों ने पुलिस को दिए अपने बयानों में बताया था कि वह तेज गति से कार चला रहा था। इस दुर्घटना में नौ लोगों की जान चली गई थी। मामले की सुनवाई के दौरान जब इन दोस्तों की गवाही हुई तो उन्होंने पुलिस के सामने दिए गए बयानों से अलग रुख अपनाया। अदालत में उन्होंने कहा कि उन्हें कार की वास्तविक गति के बारे में जानकारी नहीं थी। पांचों गवाहों के इस बदले हुए रुख के बाद सरकारी पक्ष ने उन्हें पक्षद्रोही घोषित कर दिया। अब इस घटनाक्रम ने मामले की सुनवाई को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के लिए भी गवाहों का इस तरह बयान बदलना निराशाजनक माना जा रहा है। इस घटनाक्रम के बाद सवाल उठ रहे हैं कि पुलिस जांच के दौरान दिए गए बयान और अदालत में दी गई गवाही में इतना अंतर क्यों आया? क्या गवाहों पर किसी तरह का दबाव था या उन्होंने किसी अन्य कारण से अपना बयान बदला? फिलहाल इन सवालों के जवाब सामने नहीं आए हैं। हालांकि, पांचों गवाहों के मुकरने के बावजूद मामले में अन्य साक्ष्यों की भूमिका महत्वपूर्ण बनी हुई है। सीसीटीवी दृश्य, विधि विज्ञान प्रयोगशाला की रिपोर्ट और अन्य तकनीकी साक्ष्य सुनवाई में अहम साबित हो सकते हैं। अब अदालत में आगे होने वाली कार्यवाही और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की दिशा तय होगी। नौ लोगों की जान लेने वाले इस हादसे में पीड़ित परिवारों को न्याय मिलने की उम्मीद अब अदालत में पेश होने वाले साक्ष्यों और आगे की सुनवाई पर टिकी है।

पाटीदार आंदोलन के पुराने साथियों के बीच नए पॉलिटिकल समीकरण के संकेत...

दिनेश बांभणिया ने हार्दिक पटेल का नाम लिए बिना उत्तर प्रदेश जाकर आनंदीबेन पटेल से माफी मांगने की तैयारी दिखाई!

अल्पेश कथीरिया और वरुण पटेल समेत नेताओं के साथ मिलकर पुरानी कड़वाहट दूर करने की पहल: पाटीदार आरक्षण आंदोलन की घटनाओं और मौजूदा पॉलिटिकल हालात के बीच दिनेश बांभणिया के बयान ने गुजरात की पॉलिटिक्स में नई चर्चा छेड़ दी है

महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिव

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद/गांधीनगर। गुजरात की पॉलिटिक्स और खासकर पाटीदार समुदाय के नेताओं के बीच चल रही पॉलिटिकल गतिविधियों के बीच, पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति के पूर्व कन्वीनर दिनेश बांभणिया के एक अहम बयान ने नई चर्चा छेड़ दी है। मीडिया रिपोर्ट्स और पॉलिटिकल गलियारों में चर्चाओं के मुताबिक, दिनेश बांभणिया ने कहा है कि वह, अल्पेश कथीरिया और वरुण पटेल समेत दूसरे साथी नेताओं के साथ, गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा उत्तर प्रदेश की गवर्नर आनंदीबेन पटेल से माफी मांगने के लिए उत्तर प्रदेश जाने को तैयार हैं। हालांकि, इस पूरे बयान की सबसे खास बात यह है कि बांभणिया ने आंदोलन के मुख्य चेहरे और मौजूदा MLA हार्दिक पटेल का नाम लेने से परहेज किया।

बयान की खास बातें और राजनीतिक संदर्भ

मिली जानकारी के मुताबिक, 2015 में गुजरात में पाटीदार आरक्षण आंदोलन के दौरान, उस समय की मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल की सरकार के खिलाफ आंदोलनकारियों ने हिंसक प्रदर्शन किए थे। इस आंदोलन की वजह से राज्य की राजनीति में बड़े बदलाव देखने को मिले और आनंदीबेन पटेल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। हाल ही में दिनेश बांभणिया ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आंदोलन के दौरान जो कुछ भी हुआ, वह हालात की वजह से हुआ, लेकिन अगर समाज और बड़ों के प्रति कोई कड़वाहट है, तो वह उसे दूर करने की पहल करने को तैयार हैं। बांभणिया के मुताबिक, वह अल्पेश कथीरिया, वरुण पटेल और आंदोलन से जुड़े दूसरे साथियों के साथ उत्तर प्रदेश जाकर आनंदीबेन पटेल से पर्सनली मिलने और माफी मांगने को भी तैयार हैं।

हार्दिक पटेल को न बुलाने और अंदरूनी मतभेदों की चर्चा

पॉलिटिकल एनालिस्ट के मुताबिक, दिनेश बंभानिया के इस बयान में अल्पेश कथीरिया और वरुण पटेल का ज़िक्र, लेकिन हार्दिक पटेल का नाम न लेना, पाटीदार आंदोलन के पुराने साथियों के बीच अंदरूनी समीकरणों और मतभेदों की ओर इशारा करता है। गौरतलब है कि आंदोलन के बाद हार्दिक पटेल, अल्पेश कथीरिया और वरुण पटेल समेत ज़्यादातर नेता भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं, फिर भी अलग-अलग ग्रुप और इन नेताओं के बीच राजनीतिक मतभेदों की चर्चा अक्सर होती रहती है।

अलग-अलग पार्टियों और समाज से मिली प्रतिक्रियाएँ:

बुलेट सामाजिक नज़रिया: पाटीदार समुदाय के कुछ नेताओं का मानना ??है कि समुदाय के बड़ों और पूर्व मुख्यमंत्री का सम्मान करना और पुराने झगड़ों को खत्म करना एक अच्छा कदम हो सकता है।

बुलेट राजनीतिक नज़रिया: दूसरी ओर, राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि पाटीदार नेता आने वाले लोकल बॉडी चुनावों और संगठनात्मक बदलावों से पहले पार्टी लीडरशिप और बड़ों के करीब जाने के लिए ऐसे बयान दे रहे हैं। यह भी माना जा रहा है कि हार्दिक पटेल का नाम न लेने के पीछे पुरानी राजनीतिक टेंशन भी ज़िम्मेदार है। फिलहाल गुजरात का पूरा पॉलिटिकल माहौल इस बात पर फोकस है कि दिनेश बंभानिया के इस बयान के बाद अल्पेश कथीरिया, वरुण पटेल या खुद हार्दिक पटेल का क्या रिएक्शन होगा और क्या ये नेता सच में उत्तर प्रदेश जाकर आनंदीबेन पटेल से मिलेंगे।

वडोदरा में ढाई महीने से लापता 35 वर्षीय युवक, परिवार की उम्मीदें बरकरार

मांजुलपुर के जिग्नेश शाह का अब तक नहीं मिला कोई सुराग; वृद्ध माता-पिता, पत्नी और मासूम बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल, जानकारी देने वाले को उचित इनाम देने की घोषणा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा शहर के मांजुलपुर क्षेत्र से 35 वर्षीय युवक के रहस्यमय ढंग से लापता होने का मामला सामने आया है। जिग्नेश श्रीकांतभाई शाह 26 अगस्त से लापता हैं। ढाई महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। परिवार और पुलिस की ओर से तलाश के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। परिजनों के अनुसार, 26 अगस्त को जिग्नेश अचानक लापता हो गए थे। काफी तलाश करने के बाद परिवार ने मांजुलपुर पुलिस थाने में उनकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की, लेकिन लंबे समय बाद भी जिग्नेश का पता नहीं चल सका है। उनके अचानक गायब होने से परिवार गहरे संकट और चिंता में है। जिग्नेश के लापता होने से उनके वृद्ध माता-पिता, पत्नी और छोटे बच्चों की स्थिति बेहद कठिन हो गई है। परिवार को अब भी उनके सुरक्षित लौटने की उम्मीद है। घर के सदस्य लगातार उनकी तलाश में जुटे हैं और लोगों से भी मदद की अपील कर रहे हैं। परिवार ने जिग्नेश की पहचान के लिए उनका शारीरिक विवरण साझा किया है। उनकी उम्र 35 वर्ष, लंबाई लगभग छह फीट है। उनके दोनों हाथों पर गुदने बने हुए हैं और वे चश्मा पहनते हैं। जिग्नेश की बहन और अन्य परिजनों ने वडोदरा के नागरिकों से



अपील की है कि यदि किसी को उनके बारे में कोई जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस या परिवार को सूचित करें। परिवार ने घोषणा की है कि जिग्नेश की सही जानकारी देने अथवा उन्हें तलाशने में मदद करने वाले व्यक्ति को उचित इनाम दिया जाएगा। ढाई महीने से अधिक समय बीतने के बाद भी परिवार की निगाहें उनके लौटने की राह देख रही हैं।

डीजीपी के नाम से फर्जी सरकारी आदेश बनाने का गंभीर मामला, कार्रवाई पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/अहमदाबाद। गुजरात में राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के नाम और हस्ताक्षर का कथित दुरुपयोग कर फर्जी सरकारी आदेश तैयार किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ शातिर लोगों ने उच्च पुलिस अधिकारियों के हस्ताक्षर और सरकारी मुहर का इस्तेमाल कर नकली आदेश तैयार किया। मामला सामने आने के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं होने की चर्चा ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुछ लोगों ने गुजरात के पुलिस महानिदेशक के नाम, हस्ताक्षर और मुहर का दुरुपयोग करते हुए कथित तौर पर एक फर्जी सरकारी आदेश तैयार किया था। इस आदेश के माध्यम से पुलिस विभाग या सरकारी प्रशासन में अपने हित के काम करवाने, किसी को गलत तरीके से फंसाने अथवा किसी को बचाने की कोशिश किए जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, इस कथित जालसाजी के पीछे किसका हाथ था और फर्जी आदेश का इस्तेमाल किन उद्देश्यों के लिए किया गया, इसे लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। बताया जा रहा है कि फर्जी आदेश का मामला उजागर होने के बाद इसे उच्च स्तर तक पहुंचाया गया था। ऐसे गंभीर मामले में संबंधित लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की अपेक्षा थी, लेकिन आरोप है कि मामला आगे बढ़ने के बजाय ठंडे बस्ते में चला गया। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर अब कई सवाल उठ रहे हैं। राज्य के पुलिस प्रमुख के नाम और आधिकारिक अधिकारों का कथित दुरुपयोग होना अपने आप में गंभीर विषय है। यदि सरकारी आदेशों पर अधिकारियों के हस्ताक्षर और मुहर की नकल कर उनका इस्तेमाल किया जा सकता है, तो इससे प्रशासनिक व्यवस्था की विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। ऐसे मामलों में निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी मानी जाती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि फर्जी आदेश तैयार करने वालों की पहचान हुई या नहीं? यदि मामला सामने आ चुका था, तो जांच किस स्तर तक पहुंची और कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या इस प्रकरण में किसी प्रभावशाली व्यक्ति का दबाव था या फिर प्रशासनिक स्तर पर लापरवाही बरती गई? फिलहाल इन सवालों के स्पष्ट जवाब सामने नहीं आए हैं। इस मामले में पुलिस प्रशासन की ओर से आधिकारिक स्पष्टीकरण और जांच की स्थिति सार्वजनिक होना जरूरी है, ताकि डीजीपी के नाम पर कथित जालसाजी के पूरे घटनाक्रम का सच सामने आ सके और लोगों का कानून-व्यवस्था पर भरोसा बना रहे।

रामायण फिल्म में रावण के महिमामंडन और धार्मिक प्रसंगों से छेड़छाड़ के आरोप, हिंदू जनजागृति समिति ने जताया विरोध

दूसरे भाग में भी कथानक से बदलाव किए जाने पर देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी;

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/मुंबई। महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण की मूल कथा से छेड़छाड़ और रावण के महिमामंडन के आरोपों को लेकर हिंदू जनजागृति समिति ने विवादित फिल्म के विरुद्ध कड़ा विरोध जताया है। मुंबई में आयोजित पत्रकार वार्ता में समिति के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि फिल्म में रामायण के कई प्रसंगों को मूल ग्रंथ से अलग तरीके से प्रस्तुत किया गया है। इससे करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। समिति ने इसे कथित रूप से वामपंथी विचारधारा को बढ़ावा देने का प्रयास बताते हुए निर्माताओं और सेंसर बोर्ड की भूमिका पर भी सवाल उठाए। मुंबई मराठी पत्रकार संघ में आयोजित पत्रकार वार्ता में हिंदू जनजागृति समिति के महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ राज्य समन्वयक सुनील घनवट, सनातन संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय वर्तक और हिंदू जनजागृति समिति के मुंबई प्रवक्ता सतीश कोचरेकर उपस्थित रहे। वक्ताओं ने फिल्म में दिखाए गए कई दृश्यों पर आपत्ति जताते हुए कहा कि धार्मिक ग्रंथों के प्रसंगों को बदलकर प्रस्तुत करना उचित नहीं है। समिति ने फिल्म को लेकर सात प्रमुख आपत्तियां उठाईं। उसका आरोप है कि फिल्म में रावण को गरीबों को सोने के घर देने वाला और शोषितों का रक्षक दिखाया गया है, जबकि वाल्मीकि रामायण में उसका चित्रण अत्याचारी और ऋषि-मुनियों के आश्रमों को नष्ट करने वाले पात्र के रूप में मिलता है। समिति ने रावण को महिला सम्मान का रक्षक दिखाने पर भी सवाल उठाया। उसका कहना है कि सीता का अपहरण करने वाले रावण को इस रूप में प्रस्तुत करना मूल कथा के विपरीत है। समिति ने शूर्पणखा और लक्ष्मण से जुड़े प्रसंग को भी विवादास्पद बताया। आरोप है कि फिल्म में लक्ष्मण द्वारा शूर्पणखा की नाक काटने के प्रसंग पर भगवान श्रीराम को खर-दूषण के सामने क्षमा मांगते हुए दिखाया गया है, जबकि समिति इसे मूल रामायण से अलग प्रस्तुति मानती है। इसके अलावा ताड़का और राक्षसों से युद्ध के दौरान श्रीराम और लक्ष्मण की सेना को पीछे हटते दिखाने, लक्ष्मण के व्यक्तित्व को हल्के और उग्र स्वभाव वाले पात्र के रूप में प्रस्तुत करने तथा माता सीता के चरित्र से जुड़े दृश्यों पर भी आपत्ति जताई गई। समिति ने सीता स्वयंवर के प्रसंग में रावण को शामिल नहीं किए जाने पर भी सवाल उठाया। उसका दावा है कि मूल कथा के अनुसार रावण शिवधनुष उठाने में असफल रहा था, लेकिन फिल्म में इस प्रसंग को अलग तरीके से प्रस्तुत किया गया है। पत्रकार वार्ता में अभय वर्तक ने सेंसर बोर्ड की भूमिका पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि अन्य धर्मों से जुड़े मामलों में आपत्तियों पर तत्काल कार्रवाई होती है, जबकि हिंदू धार्मिक भावनाओं से जुड़े विषयों पर अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखाई जाती। उन्होंने कहा कि धार्मिक ग्रंथों और उनके ऐतिहासिक प्रसंगों को बदलकर प्रस्तुत करने के मामले में जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि फिल्म के दूसरे भाग में भी इसी तरह के बदलाव किए गए तो देशभर में विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। समिति की मांग है कि दूसरा भाग प्रदर्शित करने से पहले निर्माताओं को फिल्म हिंदू संतों और रामायण के विद्वानों को दिखानी चाहिए, ताकि धार्मिक प्रसंगों को लेकर उठ रही आपत्तियों पर विचार किया जा सके।



राहुल गांधी ने शिव-पार्वती की तस्वीर साझा कर आलोचकों को दिया जवाब, हिमंत बिस्व सरमा ने फिर साधा निशाना



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने माता-पिता के रिश्ते पर सुनाए गए बचपन के एक प्रसंग को लेकर हो रही आलोचना के बीच मंगलवार को भगवान शिव और माता पार्वती की तस्वीर साझा की। इसके साथ उन्होंने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समर्थकों पर निशाना साधते हुए कहा कि डर, क्रोध और नफरत ने उनके दिलों में ऐसा जाल बुन दिया है, जो उन्हें प्रेम महसूस करने और उसे व्यक्त करने से रोकता है। राहुल ने कहा कि एक सच्चे हिंदू के नाते उनका कर्तव्य है कि वे लोगों को इस जाल से बाहर निकालें, ताकि वे प्रेम और अपनत्व की सुंदरता तथा आनंद को महसूस कर सकें। तस्वीर में माता पार्वती भगवान शिव की गोद में बैठी दिखाई दे रही हैं। दरअसल, यह विवाद सोमवार को सोनिया गांधी की पुस्तक के विमोचन समारोह में राहुल गांधी द्वारा सुनाए गए बचपन के एक प्रसंग से शुरू हुआ। राहुल ने बताया था कि भोजन के समय उनके पिता राजीव गांधी बैठते थे और मां सोनिया गांधी उनकी गोद में बैठा करती थीं। बचपन में उन्हें यह सामान्य लगता था, लेकिन दोस्तों के घर जाकर जब वे ऐसा नहीं देखते तो उनसे पूछते थे कि उनकी मां उनके पिता की गोद में क्यों नहीं बैठतीं। राहुल के इस बयान पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि साधारण मनुष्यों को शिव और पार्वती के रूप में दिखाना भक्ति नहीं, बल्कि अहंकार है। उनके अनुसार, जब कोई व्यक्ति ईश्वर के सामने नतमस्तक होने के बजाय स्वयं को दिव्य रूप में प्रस्तुत करने लगता है तो उसका पतन शुरू हो जाता है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी राहुल को परिवार के वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक मंच पर निजी पारिवारिक प्रसंग साझा करते समय मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए। इस पूरे मामले पर सामाजिक माध्यमों पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग सार्वजनिक कार्यक्रम में निजी पारिवारिक प्रसंग साझा करने को अनुचित बता रहे हैं, जबकि राहुल के समर्थकों का कहना है कि उन्होंने माता-पिता के बीच प्रेम और अपनत्व की एक सहज याद साझा की थी। इस तरह एक पारिवारिक प्रसंग अब राजनीतिक बयानबाजी और सार्वजनिक बहस का विषय बन गया है।

सचिन पुलिस थाने के पास खुलेआम चल रहे शराब के अवैध अड्डे

'व्यवस्थापक' की कथित मिलीभगत से शराब के कारोबार को संरक्षण मिलने के आरोप; सूरत के उच्च पुलिस अधिकारियों से निष्पक्ष जांच और तत्काल कार्रवाई की मांग

पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

सूरत। गुजरात में शराबबंदी के बावजूद सूरत के सचिन क्षेत्र में कथित रूप से अवैध शराब के अड्डे खुलेआम संचालित होने का मामला सामने आया है। आरोप है कि सचिन पुलिस थाने से कुछ ही दूरी पर शराब का अवैध कारोबार चल रहा है, लेकिन इसके बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही। इस स्थिति ने स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सचिन पुलिस थाना क्षेत्र में कुछ असामाजिक तत्वों और शराब कारोबारियों द्वारा कथित रूप से अवैध शराब के अड्डे संचालित किए जा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि इन गतिविधियों के बावजूद पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि पुलिस थाने के इतने नजदीक यह कारोबार कैसे जारी है और संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी क्यों नहीं मिल रही?

'व्यवस्थापक' की कथित भूमिका पर संदेह

सूत्रों के हवाले से आरोप लगाए जा रहे हैं कि क्षेत्र में चल रहे शराब के अवैध कारोबार को पुलिस विभाग के कुछ कथित व्यवस्थापकों की मिलीभगत या संरक्षण प्राप्त है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यदि किसी कर्मचारी या अधिकारी की संलिप्तता सामने आती है, तो उसके खिलाफ निष्पक्ष जांच कर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। स्थानीय नागरिकों का सवाल है कि आम लोगों और छोटे व्यापारियों के खिलाफ कानून का सख्ती से पालन कराने वाली पुलिस अवैध शराब कारोबारियों के मामले में प्रभावी कदम क्यों नहीं उठा रही है। क्या नियमित निगरानी की कमी के कारण ऐसे अड्डे चल रहे हैं या फिर किसी स्तर पर जानबूझकर अनदेखी की जा रही है? इन सवालों का जवाब जांच के बाद ही सामने आ सकता है।

उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच की मांग

मामले को लेकर मांग उठ रही है कि सूरत के पुलिस आयुक्त और वरिष्ठ अधिकारी सचिन क्षेत्र में चल रहे कथित अवैध शराब कारोबार की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराएं। पुलिस थाने के आसपास संचालित अड्डों की पहचान कर तत्काल छापेमारी की जाए और यदि किसी पुलिसकर्मी की मिलीभगत सामने आए तो उसके खिलाफ भी विभागीय तथा कानूनी कार्रवाई हो। शराबबंदी वाले राज्य में पुलिस थाने के नजदीक कथित रूप से अवैध शराब का कारोबार जारी रहने के आरोप पुलिस प्रशासन के लिए गंभीर चुनौती हैं। अब देखना यह है कि वरिष्ठ अधिकारी इन शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेते हैं और सचिन क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के लिए क्या कदम उठाते हैं। महानगर मेट्रो के माध्यम से मांग है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि अवैध कारोबार को संरक्षण देने वाले किसी भी व्यक्ति की भूमिका सामने आ सके और कानून का समान रूप से पालन सुनिश्चित हो।

गुजरात में अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में युवाओं को मिलेगा अवसर, अंतरिक्ष तकनीक नवाचार प्रतियोगिता-2026 की घोषणा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात सरकार ने अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में नए अनुसंधान और नवाचार आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए 'अंतरिक्ष तकनीक नवाचार प्रतियोगिता-2026' की घोषणा की है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने इसकी घोषणा करते हुए राज्य के युवा शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों, नवाचारकर्ताओं और नए उद्यमों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। प्रतियोगिता में नए विचार और तकनीकी समाधान प्रस्तुत करने वाली टीमों के लिए कुल 56 लाख रुपये के पुरस्कार रखे गए हैं। प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 5 लाख रुपये और दूसरा स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 3 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य केवल तकनीक से जुड़े नए विचार सामने लाना नहीं, बल्कि उपग्रहों से प्राप्त आंकड़ों और अंतरिक्ष तकनीक के माध्यम से वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान खोजना भी है। इस प्रतियोगिता में मुख्य रूप से कृषि, समुद्री सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और वन संरक्षण जैसे क्षेत्रों की चुनौतियों पर काम किया जाएगा। इन क्षेत्रों में उपग्रहों से प्राप्त आंकड़ों और अंतरिक्ष तकनीक का उपयोग करके नए समाधान विकसित करने पर विशेष जोर रहेगा। मंत्री अर्जुन मोढवाडिया के अनुसार, वैज्ञानिकों, नवाचारकर्ताओं, उद्यमियों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर वास्तविक समस्याओं के तकनीकी समाधान तलाशना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है। मंत्री ने बताया कि गुजरात सरकार ने अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में निवेश और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए अलग से गुजरात अंतरिक्ष तकनीक नीति बनाई है। इसके साथ ही साणंद के निकट गुजरात अंतरिक्ष पार्क भी विकसित किया गया है। यहां उपग्रहों सहित अन्य अंतरिक्ष उपकरणों के निर्माण और परीक्षण के लिए आधुनिक साझा परीक्षण सुविधा तैयार की गई है। इससे अंतरिक्ष तकनीक से जुड़े उद्योगों को एक ही स्थान पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी उद्यमियों, वैज्ञानिकों और निवेशकों के लिए खोलकर इस क्षेत्र में नए अवसर पैदा किए हैं।

गांधीनगर के देहगाम में शराब तस्करों का भंडाफोड़, गुप्त तहखाने से 14.72 लाख रुपये की विदेशी शराब जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। जिले के देहगाम पुलिस थाना क्षेत्र में शराब तस्करी का मामला सामने आया है। नांदोल गांव की सीमा में स्थानीय अपराध शाखा की टीम ने आधी रात को छापा मारकर एक कमरे में बनाए गए गुप्त तहखाने से विदेशी शराब और बीयर का बड़ा जखीरा बरामद किया। जब्त शराब की कुल कीमत 14 लाख 72 हजार 8 रुपये बताई गई है। पुलिस ने इस मामले में दो कथित शराब तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। गांधीनगर जिले के देहगाम क्षेत्र में पहले भी विदेशी और देशी शराब के अवैध कारोबार को लेकर कार्रवाई हो चुकी है। पूर्व में राज्य निगरानी प्रकोष्ठ की टीम ने यहां छापा मारकर बड़ी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की थी। इसके अलावा देशी शराब के सेवन से कथित रूप से हुई एक मौत को लेकर भी गंभीर आरोप सामने आए थे। क्षेत्र में शराब के अवैध कारोबार की गतिविधियों पर जिला पुलिस अधीक्षक रवि तेजा वासम शेट्टी ने भी संज्ञान लिया था। कुछ समय तक इस कारोबार पर अंकुश रहने के बाद एक बार फिर तस्करों के सक्रिय होने का खुलासा स्थानीय अपराध शाखा की कार्रवाई में हुआ है। जानकारी के अनुसार, गांधीनगर स्थानीय अपराध शाखा के प्रभारी पुलिस निरीक्षक के.जे. राठौड़ के निर्देश पर अपराध शाखा की पहली टीम ग्रामीण क्षेत्रों में निजी वाहन से गश्त कर रही थी। इसी दौरान देहगाम बस स्टैंड के पास टीम को सूचना मिली कि देहगाम तहसील के नांदोल गांव की सीमा में नीलकंठ महादेव के छापरा क्षेत्र में रहने वाले नरेश उर्फ टीनाजी सरदारसिंह ठाकोर और रणजीतसिंह दिनेशजी ठाकोर मिलकर विदेशी शराब का अवैध कारोबार चला रहे हैं।

गांधीनगर में मां-बेटी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता, 10 वर्षीय बेटी के साथ विवाहिता के गायब होने पर अपहरण की शिकायत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। जिले के मानसा तहसील के एक गांव से 36 वर्षीय महिला अपनी 10 वर्षीय बेटी के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। घटना के बाद परिवार में चिंता का माहौल है। महिला के पति ने अहमदाबाद के नरोडा क्षेत्र में रहने वाले एक युवक पर पत्नी और बेटी को बहला-फुसलाकर या जबरन अपने साथ ले जाने की आशंका जताई है। इस संबंध में मानसा पुलिस थाने में अपहरण की शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता मूल रूप से मानसा तहसील का निवासी है और वर्तमान में अहमदाबाद के नरोडा क्षेत्र में रहकर हार्डवेयर का कारोबार करता है। उसकी शादी को करीब 16 वर्ष हो चुके हैं और उसके दो बच्चे हैं। जानकारी के अनुसार, 16 नवंबर की सुबह वह अपने बेटे को साथ लेकर अहमदाबाद जाने के लिए घर से निकला था। उस समय उसकी पत्नी और बेटी घर पर ही थीं। इसी दौरान करीब 11 बजे शिकायतकर्ता की मां ने फोन कर बताया कि घर में बहू और पोती मौजूद नहीं हैं। सूचना मिलते ही परिवार के लोग घर पहुंचे और आसपास के इलाकों के साथ रिश्तेदारों के यहां भी दोनों की तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। परिवार ने महिला के मोबाइल फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उसका फोन बंद मिला। घर से निकलते समय महिला ने मेहंदी रंग का कपड़ा पहना हुआ था, जबकि उसकी बेटी काली पैंट और टी-शर्ट पहने हुए थी। महिला के पति ने अहमदाबाद के नरोडा क्षेत्र में रहने वाले मयंक प्रवीणसिंह झाला पर संदेह जताया है। उसका आरोप है कि मयंक उसकी पत्नी और बेटी को बहला-फुसलाकर या जबरन अपने साथ ले गया है। मानसा पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू कर दी है। मामले की आगे जांच की जा रही है।

कांग्रेस ने पाल आंबलिया को उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए सौंपी अहम जिम्मेदारी, उम्मीदवारों के चयन वाली समिति में मिली जगह

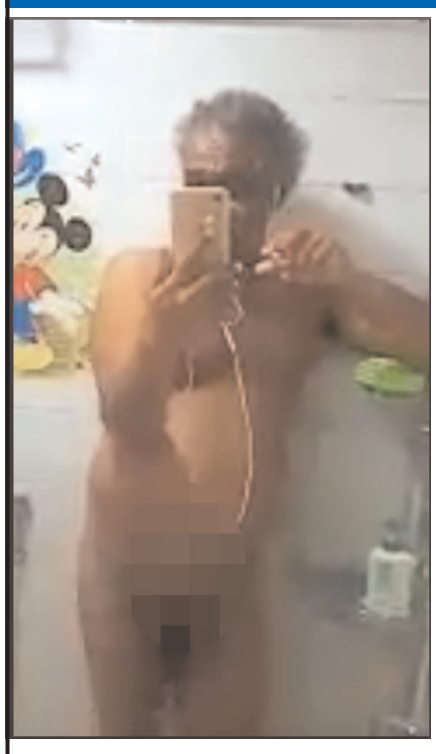
महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात में किसानों के मुद्दों को लेकर लगातार आवाज उठाने वाले कांग्रेस नेता पाल आंबलिया को उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। कांग्रेस हाईकमान ने उन्हें उम्मीदवारों के चयन के लिए गठित स्क्रीनिंग कमेटी में शामिल किया है। यह समिति उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव लड़ने वाले संभावित उम्मीदवारों के नामों की जांच करेगी और योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिए अपनी सिफारिशें देगी। इस नियुक्ति को लेकर एक समाचार माध्यम से टेलीफोन पर बातचीत में पाल आंबलिया ने कहा कि एक सामान्य व्यक्ति को सीधे पूरे राज्य के उम्मीदवारों के चयन की जिम्मेदारी मिलना उनके लिए बड़े गौरव की बात है। उन्होंने बताया कि उनका कोई राजनीतिक पारिवारिक पृष्ठभूमि नहीं है। वे लगातार किसानों के मुद्दों को लेकर संघर्ष करते रहे हैं और उनके काम पर केंद्रीय स्तर पर भी ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी गुजरात में कहकर गए थे कि दौड़ में शामिल घोड़ों में से अलग पहचान रखने वालों को आगे लाया जाएगा। उनके अनुसार, उनकी नियुक्ति इसी बात को साबित करती है।

जैन मुनि सागरचंद्रसागर के घृणित कृत्यों का भयानक पर्दाफाश

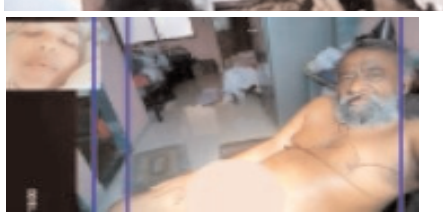
धर्म के पवित्र मुखौटे के पीछे संयम की धज्जियां उड़ाने वाले पाखंडी के खिलाफ समस्त जैन समाज का सिंहगर्जनात्मक बहिष्कार!

पवित्रता और महाव्रतों के सौदागर की 'कामलीलाएं' और रंगीन कांड जगजाहिर



महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन





गांधीनगर/अहमदाबाद। गुजरात की पवित्र धरती पर जैन शासन और जैन मुनियों के आचार-विचार की पवित्रता हमेशा अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और उच्च नैतिक मूल्यों का सर्वोच्च प्रतीक रही है। हजारों वर्षों से त्याग और तपस्या के बल पर जैन संतों ने पूरी दुनिया को सही रास्ता दिखाया है। लेकिन जब इसी महान और गौरवशाली परंपरा को अंदर से खोखला करने और कलंकित करने के लिए कोई पाखंडी तत्व मैदान में आते हैं, तब समाज का रोष आग उगलती ज्वाला बनकर फूट पड़ता है। जैन मुनि सागरचंद्रसागर महाराज से जुड़े अत्यंत शर्मनाक, वासना से भरपूर और विवादास्पद घोटालों ने पूरे गुजरात और जैन धार्मिक जगत में भूचाल ला दिया है। संयम के कठोर मार्ग पर चलने का दावा करने वाले इस शख्स ने अपने भोग-विलासिता और लालसा के लिए धर्म के पवित्र आसन को जिस तरह से लज्जित किया है, उसके कारण आज समस्त जैन समाज में अग्नि जैसा प्रचंड आग फैल गया है। परिस्थिति की गंभीरता और श्रद्धालुओं की भावनाओं को पहुँची ठेस को देखते हुए जैन समाज के अग्रणियों, युवाओं और श्रद्धालुओं ने कड़ा कदम उठाते हुए सागरचंद्रसागर का खुलेआम संपूर्ण बहिष्कार कर दिया है! समाज ने स्पष्ट और कठोर संदेश दे दिया है कि पाखंड, व्यभिचार और अधर्मी आचरण करने वालों के लिए जैन संघ या उपाश्रयों में कोई स्थान नहीं है।

संयम के नाम पर रंगरेलियां, भोग-विलास और काली करतूतों का चिट्ठा:

जिस साधु को जीवनभर अणुव्रतों और पंचमहाव्रतों का कठोर पालन करना हो, सभी प्रकार की वासना और मोह-माया का त्याग करके इंद्रियों पर काबू रखना हो, उसी सागरचंद्रसागर ने अपनी पवित्रता और साधुपन को ताक पर रखकर भोग-विलास और रंगीन कांड रचने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अंदरखाने चल रही इन काली 'कामलीलाओं' के प्रमाण और विवरण सामने आते ही लाखों श्रद्धालुओं की श्रद्धा धूल-धूसरित हो गई है। दिन के उजाले में ज्ञान, वैराग्य और त्याग के बड़े-बड़े उपदेश देने वाले ऐसे बहरूपिए परदे के पीछे कैसे घृणित खेल खेलते थे, उसका असली चेहरा अब जनता के सामने पूरी तरह नग्न हो चुका है। भोली जनता और श्रद्धालुओं की आस्था का गलत फायदा उठाकर, धर्म के नाम पर अपने व्यक्तिगत मौज-शौक और विकृत इच्छाएं पूरी करने वाले ऐसे नकली संतों ने गुरु-शिष्य की पवित्र परंपरा पर गहरा घात किया है। समाज के जागरूक नागरिक पूछ रहे हैं कि जो व्यक्ति अपने मन और इंद्रियों पर काबू नहीं रख सकता, उसे साधु के पवित्र वेश में रहने का क्या अधिकार है?

सच्चे संतों की प्रतिष्ठा पर लगा दाग और संघों में हड़कंप:

समाज में जब ऐसे विकृत मानसिकता वाले पात्र खड़े होते हैं, तब उसकी सबसे मारक असर उन हजारों सच्चे, निष्ठावान और कठोर तपस्या करने वाले संतों-साध्वीजीओं पर पड़ती है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन धर्म की सेवा में समर्पित कर दिया है। एक सड़ी हुई मछली पूरे तालाब को गंदा करती है, वैसे ही सागरचंद्रसागर जैसे तत्वों की करतूतों के कारण पूरे साधु समाज की तरफ लोग शंका की नजर से देखने लगे हैं। यही वजह है कि जैन समाज के युवा, महिला मंडल और बुजुर्ग अब एकजुट होकर ऐसे तत्वों के खिलाफ कानूनी और सामाजिक हुंकार भर रहे हैं।

जैन समाज का सिंहगर्जनात्मक बहिष्कार: अब कोई माफी या समझौता नहीं!

सागरचंद्रसागर की इन घृणित हरकतों और चरित्रहीनता के खिलाफ रोष से भरे जैन समाज द्वारा उसका कड़े शब्दों में बहिष्कार किया गया है। विभिन्न जैन संघों और समाज के अग्रणियों ने कड़े शब्दों में ऐलान किया है कि ऐसे पतित और धर्मभ्रष्ट इंसानों को किसी भी उपाश्रय, देरासर, संघ या धार्मिक कार्यक्रम में कदम नहीं रखने दिया जाएगा। इतना ही नहीं, समाज के किसी भी परिवार ने ऐसे पाखंडियों को आश्रय नहीं देना चाहिए और न ही उन्हें गोचरी (भोजन) वगोहरानी चाहिए, ऐसी कड़ी ताकीद भी दी जा रही है। जिसने धर्म के पवित्र श्वेत वस्त्रों को दाग लगाया है, उसे समाज कभी माफ करने के मूड में नहीं है।

तंत्र और कानून के सामने भी सुलगते सवाल:

इस पूरे प्रकरण में केवल सामाजिक बहिष्कार काफी नहीं है, बल्कि कानूनी कार्रवाई की मांग भी प्रखर बन चुकी है। आस्था के नाम पर लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने और परदे के पीछे अनैतिक गतिविधियां चलाने वाले ऐसे तत्वों के सामने पुलिस और प्रशासनिक तंत्र क्यों मौन है? क्या धर्म के नाम पर चलने वाले ऐसे गोरखधंधों की गहरी जांच नहीं होगी? 'महानगर मेट्रो न्यूज़' के माध्यम से हमारी अत्यंत घातक, निर्भय और स्पष्ट आवाज है कि, आस्था के व्यापारियों और धर्म के नाम पर कलंक बने ऐसे हवसखोर पाखंडियों के खिलाफ केवल बहिष्कार पर बात नहीं रुकनी चाहिए, बल्कि उनकी सभी संदिग्ध और अवैध गतिविधियों की निष्पक्ष जांच करके उन्हें कानूनी कठघरे में खड़ा किया जाना चाहिए! जनता और समस्त जैन समाज का आक्रोश अब विस्फोटक रूप धारण कर चुका है, और जब तक ऐसे तत्वों का पूरी तरह सफाया नहीं होता, तब तक यह लड़ाई नहीं रुकेगी!

अहमदाबाद में पुराने विवाद की रंजिश में 17 वर्षीय किशोर का अपहरण, सार्वजनिक स्थान पर की मारपीट

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। शहर के दाणीलीमडा क्षेत्र में पिता के साथ हुए पुराने विवाद की रंजिश में 17 वर्षीय किशोर का अपहरण कर उसके साथ मारपीट करने की घटना सामने आई है। चार आरोपियों ने 14 नवंबर की रात चाकू दिखाकर किशोर को डराया और दोपहिया वाहन पर बीच में बैठाकर गोमतीपुर फव्वारा क्षेत्र में ले गए। वहां सार्वजनिक सड़क पर उसके साथ मारपीट की गई और पुलिस में शिकायत करने पर उसे तथा उसके पिता को जान से मारने की धमकी दी गई। इस मामले में किशोर की मां ने दाणीलीमडा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है।मिली जानकारी के अनुसार, फल का कारोबार करने वाले एक व्यापारी का बेटा 12वीं कक्षा में पढ़ता है। 14 नवंबर की रात करीब 10 बजे वह अपने दोस्तों के साथ हरियालीनगर के नाके पर खड़ा था। इसी दौरान चार अज्ञात व्यक्ति दोपहिया वाहन लेकर वहां पहुंचे। आरोपियों ने किशोर के पिता के साथ पुराने विवाद की रंजिश रखते हुए उसे चाकू दिखाकर डराया और जबरन अपने वाहन पर बीच में बैठाकर वहां से ले गए।

सूरत में 13 शराबबंदी मामलों में शामिल महिला तस्कर गिरफ्तार, कठोरगाम से पकड़ी गई जीनत सैयद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। शहर में शराब के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चौक बाजार पुलिस थाने की निगरानी टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार महिला शराब तस्कर जीनत सैयद को गिरफ्तार किया है। लालगेट पुलिस थाने में दर्ज शराबबंदी के मामले में वांछित जीनत को पुलिस ने सूचना के आधार पर कठोरगाम से पकड़ा। उसके खिलाफ सूरत शहर के अलग-अलग पुलिस थानों में शराबबंदी से जुड़े 13 मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। जानकारी के अनुसार, चौक बाजार पुलिस थाने की निगरानी टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी और फरार आरोपियों की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिरों और अन्य सूचना स्रोतों से पता चला कि लालगेट पुलिस थाने के शराबबंदी मामले में वांछित महिला आरोपी जीनत, पत्नी मोहम्मद रहमान सैयद, उम्र 36 वर्ष, कठोरगाम में अपने निवास स्थान पर मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कठोरगाम में घेराबंदी की और जीनत को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले की शुरुआत राज्य निगरानी प्रकोष्ठ, गांधीनगर की टीम द्वारा सूरत के वरियावी बाजार क्षेत्र में की गई कार्रवाई से हुई थी। वहां छापा मारकर पुलिस ने विदेशी शराब का बड़ा जखीरा जब्त किया था। इस संबंध में लालगेट पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया था।



अहमदाबाद के भाईपुरा-हाटकेश्वर वार्ड में पेयजल पाइपलाइन टूटी, हजारों लीटर पानी नाली में बहा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। शहर के पूर्वी क्षेत्र स्थित भाईपुरा-हाटकेश्वर वार्ड में पेयजल की मुख्य पाइपलाइन टूटने से हजारों लीटर शुद्ध पानी व्यर्थ बह गया। धीरजावसिंग की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर पाइपलाइन में रिसाव होने के कारण करीब दो घंटे तक सड़क पर पानी बहता रहा। इससे सड़क पर पानी का तेज बहाव दिखाई दिया और वाहन चालकों तथा पैदल राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद संबंधित विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मरम्मत के लिए मौके पर नहीं पहुंचे। जानकारी के अनुसार, सुबह जलापूर्ति शुरू होने के दौरान मुख्य पाइपलाइन अचानक टूट गई। इसके बाद लगातार करीब दो घंटे तक पानी सड़क पर फैलता रहा। सुबह 8 बजे पानी की आपूर्ति बंद होने के बाद भी पाइपलाइन से पानी का रिसाव जारी रहा और शुद्ध पेयजल सीधे पास की नाली में बहता रहा। एक ओर पानी की कमी की समस्या बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर हजारों लीटर पीने योग्य पानी बर्बाद होने से स्थानीय लोगों में नाराजगी है। मुख्य मार्ग पर पानी भरने के कारण धीरजावसिंग की ओर आने-जाने वाले वाहन चालकों और राहगीरों को भी आवागमन में काफी परेशानी हुई। सड़क पर पानी फैलने से स्थानीय निवासियों की मुश्किलें बढ़ गईं। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि उन्होंने अहमदाबाद नगर निगम के भाईपुरा-हाटकेश्वर वार्ड के जल विभाग को पाइपलाइन टूटने और पानी के रिसाव की सूचना दी थी।

अहमदाबाद में पति के जेल से लौटने पर विवाहिता ने प्रेमी से तोड़ा संबंध, आठ लाख रुपये लौटाने का दबाव बनाने पर दी निजी तस्वीरें प्रसारित करने की धमकी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के वस्त्रापुर क्षेत्र में एक विवाहिता को प्रेम संबंध समाप्त करने पर कथित रूप से ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। महिला का पति चार साल बाद जेल से रिहा होकर घर लौटा तो उसने अपने परिवार को बचाने के लिए प्रेमी से संबंध तोड़ लिए। इससे नाराज युवक ने पिछले चार वर्षों में महिला पर खर्च किए गए आठ लाख रुपये वापस मांगने शुरू कर दिए। साथ ही निजी तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर प्रसारित करने की धमकी दी। इस दबाव और बदनामी के डर से महिला ने आत्महत्या का प्रयास किया। उसकी सहेली की सूचना पर 181 अभयम हेल्पलाइन की टीम मौके पर पहुंची और महिला को सहायता उपलब्ध कराई। जानकारी के अनुसार, वस्त्रापुर क्षेत्र में रहने वाली 27 वर्षीय विवाहिता के पति को चार साल पहले एक मामले में पुलिस ने गिरफ्तार किया था, जिसके बाद वह जेल चला गया था। पति के जेल में रहने के दौरान महिला की पहचान एक युवक से हुई। धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए। पिछले चार वर्षों में दोनों कई बार साथ बाहर घूमने गए। इस दौरान युवक महिला पर काफी रुपये खर्च करता रहा। हाल ही में कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद महिला का पति जेल से रिहा होकर घर लौट आया। इसके बाद महिला ने अपने परिवार और वैवाहिक जीवन को बचाने का फैसला करते हुए युवक से सभी संबंध समाप्त कर लिए और उससे बातचीत भी बंद कर दी। महिला के अचानक संबंध तोड़ने से युवक नाराज हो गया और उसने बीते चार वर्षों के खर्च का हिसाब मांगना शुरू कर दिया। आरोप है कि युवक ने एक कागज पर महिला पर खर्च की गई रकम का ब्योरा तैयार किया और कुल आठ लाख रुपये वापस करने का दबाव बनाया। महिला ने इतनी बड़ी रकम लौटाने से इनकार कर दिया। इसके बाद युवक ने उसके साथ बिताए निजी पलों की तस्वीरें और वीडियो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित कर बदनाम करने की धमकी दी। लगातार दबाव और ब्लैकमेलिंग से परेशान महिला ने आत्महत्या का प्रयास किया। घटना की जानकारी मिलने पर उसकी सहेली ने तुरंत 181 अभयम हेल्पलाइन पर संपर्क किया। सूचना मिलते ही अभयम की टीम मौके पर पहुंची और महिला को प्राथमिक उपचार दिलाने के साथ उसका मनोबल बढ़ाया। इसके बाद टीम ने संबंधित युवक को भी मौके पर बुलाकर समझाइश दी। अभयम टीम ने उसे चेतावनी दी कि किसी महिला को ब्लैकमेल करना, निजी तस्वीरें और वीडियो प्रसारित करने की धमकी देना या किसी भी प्रकार का दबाव बनाना गंभीर अपराध है। ऐसा करने पर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सकती है। समझाइश और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी के बाद युवक ने अपनी गलती स्वीकार की।

गांधीनगर के देहगाम में नवजात बच्ची की हत्या का खुलासा, प्रेम संबंध छिपाने के आरोप में मां और उसका प्रेमी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। देहगाम तहसील के अंगुथला गांव की सीमा में चार दिन पहले झाड़ियों के बीच लावारिस हालत में मिली नवजात बच्ची की मौत के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि कथित रूप से विवाहेतर संबंध से जन्मी बच्ची की गला दबाकर हत्या करने के बाद उसे झाड़ियों में छोड़ दिया गया था। इस मामले में पुलिस ने 21 वर्षीय विवाहित महिला कल्पा और उसके 32 वर्षीय विवाहित प्रेमी कालाजी सोलंकी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों के बीच करीब चार वर्ष पहले प्रेम संबंध शुरू हुआ था। महिला का अपने पति के साथ मनमुटाव था और वह पिछले डेढ़ वर्ष से अपने मायके में रह रही थी। वहीं, कालाजी भी अपनी पत्नी से अलग रह रहा था। जांच में सामने आया कि इससे पहले भी महिला दो बार गर्भवती हुई थी और दोनों ने मिलकर उन गर्भों को समाप्त कराया था। तीसरी बार गर्भ ठहरने पर महिला को इसकी जानकारी तब हुई, जब गर्भावस्था काफी आगे बढ़ चुकी थी।14 नवंबर की सुबह करीब साढ़े आठ बजे अंगुथला गांव के रामाजी का मुवाड़ा क्षेत्र में रहने वाले किसान शशांक हिम्मतसिंह सोलंकी अपने घर के पीछे स्थित चरागाह में गए थे। इसी दौरान उन्हें झाड़ियों की ओर से बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी।किसान ने तुरंत गांव के सरपंच जितेंद्रसिंह झाला को इसकी सूचना दी। सरपंच मौके पर पहुंचे और बच्ची की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे 108 एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भिजवाया। प्राथमिक उपचार के बाद बच्ची को आगे के उपचार के लिए गांधीनगर सिविल अस्पताल के नवजात शिशु गहन चिकित्सा विभाग में भर्ती कराया गया। हालांकि, उसी दिन शाम करीब सात बजे बच्ची की मौत हो गई।

अहमदाबाद के नगरदेवी मां भद्रकाली मंदिर में नए रसोईघर का शुभारंभ, अब व्यवस्थित रूप से तैयार होगा नित्य थाल और राजभोग



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात की ऐतिहासिक नगरी अहमदाबाद की आराध्य देवी और नगरदेवी मां भद्रकाली के मंदिर परिसर में भक्तों और मंदिर की व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए एक नई सुविधा की शुरुआत की गई है। माता के प्रतिदिन तैयार होने वाले थाल और राजभोग को अधिक व्यवस्थित, स्वच्छ और पवित्र वातावरण में तैयार करने के उद्देश्य से मंदिर परिसर में नवनिर्मित रसोईघर का विधि-विधान और भक्तिभाव के साथ शुभारंभ किया गया। इस शुभ अवसर पर अहमदाबाद के महापौर हितेश बारोट, अहमदाबाद महानगरपालिका की स्थायी समिति के अध्यक्ष कमलेश पटेल और दरियापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक कौशिक जैन सहित कई पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी की मौजूदगी में नए रसोईघर का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी गणमान्य लोगों ने नगरदेवी मां भद्रकाली के चरणों में शीश झुकाकर दर्शन किए। इस अवसर पर उन्होंने मां से पूरे अहमदाबाद शहर और यहां के नागरिकों के जीवन में सुख, शांति, अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की। साथ ही मां भद्रकाली की कृपा सदैव पूरे शहर पर बनी रहने की कामना की। मंदिर परिसर में नए रसोईघर की सुविधा शुरू होने से अब माता के दैनिक थाल और विशेष धार्मिक आयोजनों के दौरान तैयार होने वाले राजभोग की व्यवस्था अधिक सुचारु हो सकेगी। इससे प्रसाद तैयार करने की प्रक्रिया में सुविधा मिलने के साथ स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। इस नई व्यवस्था को मंदिर की सुविधाओं में एक महत्वपूर्ण विस्तार के रूप में देखा जा रहा है।

श्रीकृष्ण गौशाला में गोपाष्टमी पर उमड़ा श्रद्धा और आस्था का सैलाब, अन्नकूट महाप्रसादी में हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डोंगरगढ़। धर्म, सेवा, समर्पण और सामाजिक एकता की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए श्रीकृष्ण गौशाला पिंजरापोल कमेटी, डोंगरगढ़ की ओर से प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी गोपाष्टमी का पावन पर्व श्रद्धा, उत्साह और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित अन्नकूट महाप्रसादी में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे आयोजन के दौरान गौशाला परिसर में भक्ति, उत्साह और सेवा भावना का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति ने गौशाला के प्रति नगरवासियों की अटूट आस्था और वर्षों पुरानी धार्मिक परंपरा के प्रति उनके समर्पण को प्रदर्शित किया। गोपाष्टमी के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण और गौमाता की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। मंदिर में विराजित भगवान को भोग अर्पित करने के बाद श्रद्धालुओं के लिए अन्नकूट महाप्रसादी की व्यवस्था की गई। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था और दोपहर तक पूरा परिसर भक्तों से भर गया। समिति के सदस्यों और सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने पूरी तत्परता से व्यवस्थाएं संभाली तथा श्रद्धालुओं को सम्मानपूर्वक महाप्रसादी ग्रहण कराई। समिति के अध्यक्ष गोविंद चोपड़ा एवं मंत्री श्रेयस भैया ने बताया कि श्रीकृष्ण गौशाला में गोपाष्टमी के अवसर पर अन्नकूट महाप्रसादी का आयोजन वर्षों से निरंतर किया जा रहा है। यह आयोजन केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि डोंगरगढ़ नगर की सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव और सामूहिक सहयोग की मजबूत मिसाल बन चुका है। इसमें मारवाड़ी समाज के साथ नगर के सभी समाजों के प्रतिनिधियों और नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रहती है।



अहमदाबाद में पांच महीने से फरार कुख्यात आरोपी 'कालियो उर्फ बच्चन' गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद शहर में फरार और आदतन अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एलसीबी जोन-5 की टीम को बड़ी सफलता मिली है। वटवा पुलिस थाने में दर्ज एक मामले में पिछले पांच महीनों से फरार चल रहे कुख्यात आरोपी समीर उर्फ कालियो उर्फ बच्चन महेबूबभाई सिकलीगर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बच रहा था। पुलिस की प्रेस विज्ञप्ति से प्राप्त जानकारी के अनुसार, एलसीबी जोन-5 की टीम क्षेत्र में गश्त करने के साथ फरार आरोपियों की तलाश कर रही थी। इसी दौरान पुलिस कर्मचारियों को सूचना मिली कि वटवा पुलिस थाने के लंबित मामले में पिछले पांच महीनों से वांछित आरोपी समीर उर्फ कालियो उर्फ बच्चन एक निश्चित इलाके में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने निगरानी शुरू की और 16 नवंबर को घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में आरोपी का पुराना आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ पहले भी चोरी तथा अन्य मामलों सहित कुल तीन आपराधिक प्रकरण दर्ज हो चुके हैं। उसकी आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए वर्ष 2022 में प्रशासन ने उसके खिलाफ पीएएसए कानून के तहत निरोधात्मक कार्रवाई भी की थी।जेल से बाहर आने के बाद भी आरोपी कथित तौर पर आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा और वटवा पुलिस थाने में दर्ज मामले में पिछले पांच महीनों से फरार चल रहा था। आखिरकार एलसीबी जोन-5 की टीम ने सूचना तंत्र की मदद से उसे पकड़ लिया।



अवैध रेत खनन के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध रंग लाया, खनिज विभाग ने हिटाची मशीन और हाइवा ट्रक किए जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदेपुर। गुजरात के छोटा उदेपुर जिले के पावी जेतपुर तालुका के वांकोल गांव में आखिरकार प्रशासन की नींद खुल गई है। गांव में लंबे समय से चल रहे कथित अवैध रेत खनन के खिलाफ ग्रामीणों द्वारा किए गए जोरदार विरोध का असर दिखाई दिया है। तीन दिन पहले ग्रामीणों ने अवैध रेत खनन के खिलाफ आवाज उठाते हुए विरोध प्रदर्शन किया था। इसके बाद मामले की खबर प्रकाशित होने पर खनिज विभाग हरकत में आया और अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंच गई। वांकोल गांव में नदी के तल और आसपास के क्षेत्रों में कथित तौर पर बड़े पैमाने पर अवैध रूप से रेत का उत्खनन किया जा रहा था। इस गतिविधि से



परेशान ग्रामीणों ने तीन दिन पहले जोरदार विरोध दर्ज कराते हुए खनिज चोरी का मामला उजागर किया था। ग्रामीणों के आक्रोश और समाचार में प्रकाशित खबर को गंभीरता से लेते हुए छोटा उदेपुर खनिज विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम तत्काल गांव पहुंची। मौके पर पहुंची खनिज विभाग की टीम ने प्रारंभिक जांच के दौरान अवैध गतिविधियों में इस्तेमाल की जा रही एक हिटाची मशीन और एक हाइवा ट्रक को पकड़कर जब्त कर लिया। विभाग की इस कार्रवाई से कथित खनन कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। जांच के तहत खनिज विभाग की टीम ने पूरे क्षेत्र में विस्तृत माप सर्वेक्षण भी शुरू किया है। विभाग यह पता लगाने में जुटा है कि अब तक कितनी मात्रा में अवैध रूप से रेत का उत्खनन किया गया है। इसके साथ ही सरकारी राजस्व और पर्यावरण को हुए नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है। सर्वेक्षण के माध्यम से अवैध खनन की वास्तविक मात्रा और उससे हुए आर्थिक नुकसान का पता लगाया जाएगा। हालांकि, विभाग की कार्रवाई के बाद ग्रामीणों के बीच कई सवाल भी उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या खनिज विभाग का यह सर्वेक्षण केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित रहेगा या फिर वास्तव में अवैध खनन में शामिल जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी? ग्रामीणों की मांग है कि यदि जांच में बड़े पैमाने पर अवैध खनन की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों पर करोड़ों रुपये का जुर्माना लगाया जाए और कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाए। अब पूरे क्षेत्र के लोगों की नजर खनिज विभाग की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई है। ग्रामीण यह देखना चाहते हैं कि जांच पूरी होने के बाद विभाग दोषियों के खिलाफ कितनी प्रभावी कार्रवाई करता है। फिलहाल हिटाची मशीन और हाइवा ट्रक जब्त होने के बाद अवैध खनन के मामले में प्रशासन की सक्रियता सामने आई है।

अहमदाबाद में रिक्षा में बैठाकर राजस्थान से आए दंपती से 5.55 लाख रुपये की लूट, तीन आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद शहर के पॉश इलाके वस्त्रापुर में बाहर से आए नागरिकों को निशाना बनाकर लूटपाट करने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। राजस्थान से अहमदाबाद आए एक दंपती को रिक्षा में बैठाकर उनकी नजरों से बचते हुए 5 लाख 55 हजार रुपये की नकदी और कीमती सामान लूटने के मामले में वस्त्रापुर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि गिरोह का मुख्य सूत्रधार सहित एक अन्य आरोपी अभी फरार है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजस्थान से अहमदाबाद पहुंचे एक दंपती को वस्त्रापुर इलाके में एक अज्ञात रिक्षा चालक ने अपनी रिक्षा में बैठाया था। रिक्षा में पहले से ही कुछ शातिर लोग मौजूद थे। इन लोगों ने बातचीत के बहाने दंपती को उलझाकर उनका विश्वास जीत लिया। इसके बाद मौका देखकर उनके पास मौजूद नकदी और कीमती सामान सहित कुल 5 लाख 55 हजार रुपये की संपत्ति लूट ली और मौके से फरार हो गए। अचानक



हुई इस घटना से परेशान दंपती ने तत्काल वस्त्रापुर पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अहमदाबाद शहर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर वस्त्रापुर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस टीम ने तकनीकी निगरानी, स्थानीय सूचना तंत्र और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को गिरोह तक पहुंचने में सफलता मिली और तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने इस मामले में साकिर हुसैन शेख उर्फ पेंटर, रहमत खान उर्फ मोसीन पठान और शाहरुख बेलिम को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी कथित तौर पर आदतन अपराधी हैं और इससे पहले भी इस तरह की वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। उनका तरीका बाहर से आने वाले अथवा अनजान लोगों को निशाना बनाकर रिक्षा में यात्रा के दौरान बातचीत के बहाने उलझाना और फिर उनके सामान तथा नकदी पर हाथ साफ करना बताया जा रहा है। इस मामले में अली खान पठान नाम का एक अन्य आरोपी अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। फरार आरोपी को पकड़ने के लिए अलग-अलग पुलिस टीमों को लगाया गया है। वस्त्रापुर पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर लूट की रकम बरामद करने और उनके अन्य आपराधिक मामलों में संलिप्त होने की जानकारी जुटाने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस गिरोह ने इससे पहले किन-किन लोगों को अपना निशाना बनाया है। घटना के बाद पुलिस ने नागरिकों से सार्वजनिक परिवहन और अनजान लोगों के साथ यात्रा करते समय सतर्क रहने की अपील की है।

वडोदरा में पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान को 20.53 करोड़ रुपये की जमीन आवंटित करने की तैयारी, राजनीतिक विवाद गरमाया

14 साल पुराने जमीन विवाद ने फिर पकड़ा जोर, 978 वर्ग मीटर जमीन आवंटित करने की तैयारी पर कांग्रेस ने उठाए सवाल; राजनीतिक समर्थन के बदले सरकारी मेहरबानी के लगाए आरोप।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा में पूर्व भारतीय क्रिकेटर और तृणमूल कांग्रेस के सांसद यूसुफ पठान को करोड़ों रुपये की कीमती जमीन आवंटित करने की तैयारियों को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। करीब 14 साल पुराने जमीन विवाद का मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर सांसद बनने और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के समर्थन में आने के बाद यूसुफ पठान के जमीन संबंधी मामले में सरकार और प्रशासन की सक्रियता बढ़ गई है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, वडोदरा के तांदलजा इलाके में यूसुफ पठान के निवास के बिल्कुल नजदीक नगर योजना-22 के अंतिम भूखंड संख्या 90 की कुल 978 वर्ग मीटर जमीन उन्हें आवंटित करने की तैयारी की जा रही है। इस जमीन का अनुमानित बाजार मूल्य करीब 20.53 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इतनी बड़ी कीमत वाली जमीन के आवंटन की प्रक्रिया को लेकर शहर में राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। जमीन आवंटन की प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार, कुल 978 वर्ग मीटर में से 478 वर्ग मीटर जमीन वडोदरा



शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा वर्तमान बाजार मूल्यांकन या निर्धारित मूल्य के 55 प्रतिशत पर आवंटित किए जाने की तैयारी है। वहीं, शेष 500 वर्ग मीटर जमीन वडोदरा महानगरपालिका द्वारा आवंटित किए जाने की योजना सामने आई है। इस पूरी प्रक्रिया को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं और विपक्ष इसे सार्वजनिक संपत्ति से जुड़ा गंभीर मामला बता रहा है। इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यह उठाया जा रहा है कि जब आम नागरिकों को अपनी छोटी-सी जमीन या मकान से जुड़े कामों के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं, तो एक पूर्व क्रिकेटर और सांसद के मामले में इतनी तेजी क्यों दिखाई जा रही है? बताया जा रहा है कि संबंधित जमीन को लेकर पिछले 14 वर्षों से विवाद चल रहा था और पहले इस क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की चर्चाएं भी हुई थीं। अब अचानक जमीन आवंटन की प्रक्रिया आगे बढ़ने की खबर से राजनीतिक बहस तेज हो गई है। इस मामले को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार और वडोदरा महानगरपालिका की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए हैं। कांग्रेस का आरोप है कि जनता की करोड़ों रुपये की सार्वजनिक संपत्ति को इस तरह आवंटित करना उचित नहीं है। विपक्ष ने सवाल उठाया है कि क्या राजनीतिक समर्थन हासिल करने के लिए सरकारी जमीन से जुड़े फैसलों में विशेष रियायत दी जा रही है? कांग्रेस ने पूरे मामले की पारदर्शिता और जमीन आवंटन की शर्तों को सार्वजनिक करने की मांग उठाई है। फिलहाल इस प्रस्तावित जमीन आवंटन को लेकर शहर में राजनीतिक माहौल गर्म है। अब देखना होगा कि जनता और विपक्ष के विरोध के बीच राज्य सरकार तथा वडोदरा महानगरपालिका इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हैं या फिर पूरे मामले पर दोबारा विचार किया जाता है। जमीन के वास्तविक मूल्य, आवंटन की शर्तों और प्रशासनिक प्रक्रिया को लेकर स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही इस विवाद की पूरी तस्वीर सामने आ सकेगी।

सूरत में कार की आड़ में विदेशी शराब का अवैध कारोबार, सचिन पुलिस ने आरोपी को लाखों के माल के साथ पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। गुजरात के सूरत शहर में शराबबंदी कानून के तहत कार्रवाई करते हुए सचिन पुलिस ने विदेशी शराब की तस्करी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी कार में विदेशी शराब का बड़ा जखीरा भरकर अवैध कारोबार चला रहा था। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 4.52 लाख रुपये की विदेशी शराब, तस्करी में इस्तेमाल की गई कार और मोबाइल फोन सहित कुल 10.67 लाख रुपये का सामान जब्त किया है। इस कार्रवाई से इलाके में अवैध शराब का कारोबार करने वालों में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सचिन पुलिस थाने की टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस निरीक्षक पी.एन. वाघेला और पुलिस उपनिरीक्षक एन.डी. डामोर को सूचना मिली कि एक संदिग्ध चार पहिया वाहन में विदेशी शराब का बड़ा जखीरा भरकर सूरत के विभिन्न रास्तों पर ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने निगरानी बढ़ाई और जीजे-12-एफए-7001 नंबर की संदिग्ध कार को रोककर उसकी तलाशी ली। कार की तलाशी के दौरान पुलिस को अलग-अलग विदेशी ब्रांड की शराब की बोतलें और बीयर के डिब्बे बड़ी मात्रा में मिले। गिनती करने पर कुल 2,352 बोतलें और बीयर के डिब्बे बरामद हुए। इनकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 4 लाख 52 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने शराब के साथ तस्करी में इस्तेमाल की गई करीब 5 लाख रुपये कीमत की कार और 5 हजार रुपये का मोबाइल फोन भी जब्त किया है। इस तरह पुलिस ने कुल 10 लाख 67 हजार रुपये का सामान अपने कब्जे में लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान चिराग प्रहलादभाई परमार (24 वर्ष), निवासी विहतनगर, कडोदरा चार रास्ता, जिला सूरत के रूप में हुई है। सचिन पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गुजरात शराबबंदी कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपी विदेशी शराब कहां से लाया था और इस अवैध कारोबार में उसके साथ अन्य कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं। पुलिस इस नेटवर्क के मुख्य संचालक तक पहुंचने की दिशा में भी जांच कर रही है। यह कार्रवाई पुलिस निरीक्षक पी.एन. वाघेला, पुलिस उपनिरीक्षक एन.डी. डामोर, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक इंद्रजीतसिंह अमरसंग वनार तथा निगरानी शाखा के कर्मचारियों की संयुक्त टीम ने की। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार करने वालों में चिंता का माहौल है।



महालक्ष्मी महोत्सव में छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम 'लहर गंगा' ने बांधा समां,

कुलबीर सिंह छाबड़ा बोले- संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने में युवाओं की अहम भूमिका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। मां लक्ष्मी युवा उत्सव समिति, शक्ति चौक सिंघोला की ओर से विगत दिनों महालक्ष्मी महोत्सव के अवसर पर छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम 'लहर गंगा' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामवासी और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक शामिल हुए। आयोजन के दौरान छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत की मनमोहक झलक देखने को मिली। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा शामिल हुए। उन्होंने सभी ग्रामवासियों को दीपावली पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह हर्ष और गौरव की बात है कि युवा पीढ़ी हमारी संस्कृति, परंपराओं और लोककला को आगे बढ़ाने के लिए इस तरह के आयोजन कर रही है। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को सहेजने और उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। कुलबीर सिंह छाबड़ा ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि आपसी भाईचारे, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक सौहार्द को मजबूत करने का भी काम करते हैं। उन्होंने मां लक्ष्मी से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने की कामना की। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य अंगेश्वर देशमुख, रोशन साहू, प्रतिमा पप्पू चंद्राकर, खुशबू राकेश साहू, सरपंच मुकेश साहू और मोतीलाल साहू सहित योगेन्द्र वैष्णव, दिलीप सोनी, छोटू सिंघोलिया तथा गोपाल यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष खुबलाल साहू, उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र साहू, राकेश साहू, लेखराम, रेखराम, नन्मूलाल और डोमर साहू सहित समिति के सदस्यों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। मंच संचालन टिकेश्वर साहू ने किया। आयोजन में अनिल साहू, विनय साहू, मितेश साहू, राजकुमार साहू, भूपेन्द्र साहू, माखन साहू, मनीष साहू, दिनेश साहू, कमलेश, भागीरथी साहू, यशवंत साहू, त्रिलोकचंद, जितेश्वर, हुलेश्वर, जितेन्द्र यादव, मोहर सिंह, किशन साहू, युवराज, गिरधारी, तेजराम, विजय साहू, सुनील, चुरेन्द्र, पंकज, समीर और हरीश साहू सहित समिति के अन्य सदस्यों एवं ग्रामवासियों का सराहनीय सहयोग रहा।



बिना वैध दस्तावेजों के संचालित क्लिनिक और अस्पताल पर स्वास्थ्य विभाग का शिकंजा, दो संस्थानों को बंद करने के निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खैरागढ़-राजनांदगांव। जिले में बिना वैध पंजीयन एवं आवश्यक दस्तावेजों के संचालित क्लिनिकों और अस्पतालों के विरुद्ध स्वास्थ्य विभाग ने एक बार फिर सख्त कार्रवाई की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) जिला खैरागढ़ छुईखदान-गंडई डॉ. अनिल शुक्ला के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की एनएचए टीम ने ग्राम कुरुभाठ एवं ठेलकाडीह में संचालित चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान संचालन से संबंधित वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर दो चिकित्सा संस्थानों को बंद करने के निर्देश दिए गए। प्राप्त जानकारी



के अनुसार, 16 नवंबर 2026 को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्राम कुरुभाठ में श्री संतोष बैरागी द्वारा संचालित क्लिनिक का निरीक्षण किया। जांच के दौरान क्लिनिक संचालक संचालन से संबंधित वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में स्वास्थ्य विभाग ने संबंधित क्लिनिक को बंद करने के निर्देश जारी किए। इसी क्रम में टीम ने ठेलकाडीह स्थित एसएस हॉस्पिटल का भी निरीक्षण किया। जांच के दौरान अस्पताल प्रबंधन द्वारा भी संस्थान के संचालन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। इसे गंभीर अनियमितता मानते हुए स्वास्थ्य विभाग ने एसएस हॉस्पिटल को भी बंद करने के लिए निर्देशित किया। विभाग की इस कार्रवाई से बिना आवश्यक अनुमति और पंजीयन के चिकित्सा संस्थानों का संचालन करने वालों में हड़कंप मच गया है। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना वैध पंजीयन, आवश्यक अनुमति और निर्धारित दस्तावेजों के किसी भी क्लिनिक अथवा अस्पताल का संचालन नियमानुसार स्वीकार्य नहीं है। आम नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। मरीजों को बेहतर एवं सुरक्षित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में ऐसे चिकित्सा संस्थानों की नियमित जांच की जा रही है और अनियमितताएं पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इस निरीक्षण एवं जांच अभियान में एनएचए के नोडल अधिकारी डॉ. मोहम्मद असलम, डॉ. बोधन परते, जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. एच.एस. साहू एवं डॉ. पंकज वैष्णव उपस्थित रहे। टीम ने संबंधित संस्थानों के दस्तावेजों की जांच कर कार्रवाई की।सीएमएचओ डॉ. अनिल शुक्ला ने स्पष्ट किया है कि आमजन के हितों की रक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि बिना वैध दस्तावेजों और आवश्यक पंजीयन के संचालित चिकित्सा संस्थानों के विरुद्ध जांच एवं नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था को व्यवस्थित बनाना और नागरिकों को सुरक्षित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

गोपाष्टमी पर विहिप ने शुरू किया हितचिंतक अभियान, सिरोही में 10 हजार नए सदस्य बनाने का लक्ष्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। विश्व हिंदू परिषद की ओर से गोपाष्टमी के अवसर पर मंगलवार को सिरोही के माजीसा धाम में हितचिंतक अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और दुर्गा वाहिनी के कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर लोगों से संपर्क करेंगे और उन्हें संगठन से जोड़ेंगे। सिरोही नगर में 10 हजार नए हितचिंतक बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में पंचदशनाम जूना किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर श्रीमाता स्वरूपा भारती विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने अभियान से संबंधित पोस्टर का विमोचन कर इसकी शुरुआत की। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। अभियान के तहत देशभर में एक करोड़ और जोधपुर प्रांत में 10 लाख हितचिंतक बनाने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यकर्ता विभिन्न क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करेंगे और अभियान के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए उन्हें संगठन से जोड़ने का प्रयास करेंगे।

फसल बीमा कंपनियों की गड़बड़ी उजागर, किसानों का नुकसान कम दिखाकर दबाया क्लेम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में किसानों को फसल खराबे का उचित मुआवजा दिलाने के लिए संचालित फसल बीमा योजना में बीमा कंपनियों की गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। राज्य सरकार के मूल्यांकन विभाग की सर्वे रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कुछ बीमा कंपनियों ने जानबूझकर किसानों की फसल का नुकसान कम दर्शाया। इतना ही नहीं, कई मामलों में खराब फसल की वास्तविक स्थिति छिपाने के लिए दूसरी जगह की अच्छी फसल के फोटो तक लगा दिए गए, ताकि किसानों को नुकसान के अनुरूप बीमा राशि का भुगतान नहीं करना पड़े। रिपोर्ट के अनुसार बीमा कंपनियों के कर्मचारी फसल नुकसान के सर्वे के दौरान मनमानी करते हैं। कई बार किसानों को बहलाने और उन पर दबाव बनाने की कोशिश भी की जाती है। इसका सीधा असर किसानों को मिलने वाले मुआवजे पर पड़ता है। कई पात्र किसानों को वास्तविक नुकसान की तुलना में बहुत कम राशि मिलती है, जबकि कुछ मामलों में मिलने वाला मुआवजा उनके द्वारा जमा कराए गए बीमा प्रीमियम से भी कम होता है। मूल्यांकन विभाग ने फसल बीमा योजना की वास्तविक स्थिति जानने के लिए 10 जिलों में रबी और खरीफ दोनों मौसमों में बीमा कराने वाले किसानों का यादृच्छिक सर्वे कराया। इसमें कुल 300 किसानों से सवाल पूछे गए। सर्वे के आधार पर तैयार रिपोर्ट में योजना के क्रियान्वयन और बीमा कंपनियों की कार्यप्रणाली से जुड़ी कई खामियां सामने आईं। सर्वे में चूरू, बाड़मेर, हनुमानगढ़, जोधपुर, सीकर, दौसा, सिरोही, राजसमंद, करौली और धौलपुर जिलों को शामिल किया गया था। रिपोर्ट में सामने आई गड़बड़ियों को दूर करने के लिए विभाग ने कई सुझाव भी दिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कई बार बीमा प्रीमियम पर मिलने वाली सरकारी अनुदान राशि के हस्तांतरण में देरी होती है। इसके चलते बीमा कंपनियां किसानों के दावों का भुगतान समय पर नहीं करतीं। किसानों को लंबे समय तक अपनी बीमा राशि का इंतजार करना पड़ता है। वहीं, जिन किसानों की फसल को भारी नुकसान हुआ है, उन्हें भी कई बार बहुत कम मुआवजा मिलता है। फसल बीमा के लिए ऑनलाइन आवेदन करते समय राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल और मोबाइल अनुप्रयोग में तकनीकी समस्याएं आने की शिकायतें भी सामने आई हैं। कई बार आवेदन के समय ये ठीक से काम नहीं करते। इसके अलावा किसानों के आवेदन प्रायः बैंकों की ओर से भरे जाते हैं। इस दौरान गलत जानकारी दर्ज हो जाने पर उसे सुधारने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। नतीजतन कई किसानों के बीमा दावे निरस्त हो जाते हैं।

15 करोड़ का कारोबार छोड़ जैन साधु बनने जा रहा पूरा परिवार, पत्नी और दो बेटियों के साथ लेंगे दीक्षा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

उदयपुर/सूरत। करोड़ों रुपये का कारोबार, सुख-सुविधाओं से भरा जीवन और समाज में स्थापित पहचान... इन सबका त्याग कर राजस्थान के एक परिवार ने संयम और वैराग्य का मार्ग चुनने का निर्णय किया है। उदयपुर जिले के जसवंतगढ़ गांव से निकलकर सूरत में करीब 15 करोड़ रुपये का सालाना कारोबार खड़ा करने वाले दिलीप भाई भोगर अब अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ सांसारिक जीवन छोड़कर जैन दीक्षा लेने जा रहे हैं। परिवार के चारों सदस्यों की दीक्षा 8 फरवरी 2027 को सूरत के पाल में होगी। दिलीप भाई भोगर (47), उनकी पत्नी ज्योति बेन (45) और बेटियां छवि (22) व चार्वी (14) ने यह निर्णय लिया है। लंबे समय से कपड़ा कारोबार में सक्रिय दिलीप भाई ने जब वैराग्य की भावना महसूस की तो उन्होंने व्यापार को और आगे बढ़ाने के बजाय धीरे-धीरे समेटना शुरू कर दिया। उनके इस निर्णय में पत्नी और दोनों बेटियों ने भी सहमति जताते हुए साथ चलने का संकल्प लिया। दिलीप भाई मूल रूप से उदयपुर जिले के जसवंतगढ़ गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने सूरत के कपड़ा बाजार में एक दुकान से अपना व्यवसाय शुरू किया था। धीरे-धीरे कारोबार बढ़ता गया और उनकी तीन दुकानें हो गईं। उन्होंने व्यापार के लिए कई मशीनें भी लगाईं। इस तरह उनका सालाना कारोबार करीब 15 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। परिवार के रिश्तेदार कुंदन चंडालिया ने बताया कि दिलीप भाई की पहले व्यापार को और आगे बढ़ाने की योजना थी, लेकिन आचार्यश्री के संपर्क में आने के बाद उनका झुकाव धर्म और आध्यात्मिक जीवन की ओर बढ़ने लगा। उन्होंने कारोबार के विस्तार की जगह उसे समेटने का निर्णय लिया। भोगर परिवार की एक बेटी शैली पहले ही सांसारिक जीवन का त्याग कर दीक्षा ले चुकी हैं। वर्ष 2023 में दीक्षा लेने के बाद वे साध्वी दर्शिता के नाम से जानी जाती हैं। बेटी के दीक्षा लेने के बाद दिलीप भाई के जीवन में भी वैराग्य की भावना और प्रबल हुई। इसके बाद उन्होंने व्यापार धीरे-धीरे कम करना शुरू कर दिया। परिवार की दूसरी बेटी छवि ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा को पहचान देते हुए क्रोशिया से कलाकृतियां और उपयोगी वस्तुएं बनाने का व्यवसाय शुरू किया था। वहीं छोटी बेटी चार्वी सूरत में जिला स्तर पर फुटबॉल खेल चुकी हैं। अब दोनों बेटियां भी माता-पिता के साथ संयम का मार्ग अपनाने जा रही हैं। इन दिनों पूरा भोगर परिवार अपने पैतृक गांव जसवंतगढ़ में है। परिवार के इस निर्णय से गांव के साथ आसपास के क्षेत्रों में भी भावनात्मक माहौल है। विभिन्न स्थानों पर परिवार का अभिनंदन किया जा रहा है। दीक्षा से पहले परिवार के सभी सदस्यों ने पैदल यात्रा, आहार-विहार और जैन संतों के जीवन की कठिन दिनचर्या एवं साधना से जुड़ा प्रशिक्षण साथ रहकर लिया है। सांसारिक सुख-सुविधाओं और करोड़ों के कारोबार को छोड़कर संयम का मार्ग चुनने के परिवार के निर्णय की क्षेत्र में चर्चा हो रही है।

गहलोत ने उठाया पूर्व उपराष्ट्रपति के आवास का मुद्दा, प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की मांग

बोले- जगदीप धनखड़ को पूर्व उपराष्ट्रपति के पद की गरिमा के अनुरूप मिलना चाहिए सरकारी बंगला, राजस्थान की सेवा करना ही मेरी प्राथमिकता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुष्कर। जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को सरकारी आवास उपलब्ध कराने का मुद्दा उठाते हुए प्रधानमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति, पूर्व उपराष्ट्रपति और पूर्व प्रधानमंत्री को पद छोड़ने या त्यागपत्र देने के बाद भी सरकारी आवास की सुविधा मिलती है। ऐसे में धनखड़ को भी आठवें स्तर का सरकारी बंगला मिलना चाहिए। दिल्ली से लौटने के बाद जयपुर हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए गहलोत ने कहा कि धनखड़ को पद छोड़े दो साल से अधिक समय हो गया है, लेकिन उनके लिए बंगले को लेकर अब तक कोई हलचल दिखाई नहीं दे रही है। आखिर वे कहां रहेंगे? किसी मित्र के फार्म हाउस में रहना उचित नहीं है। प्रधानमंत्री को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। गहलोत ने कहा कि विदेशों से आने वाले लोग पूर्व राष्ट्रपति, पूर्व उपराष्ट्रपति और पूर्व प्रधानमंत्रियों से मिलना चाहते हैं। प्रवासी भारतीय भी उनसे मुलाकात और चर्चा की इच्छा रखते हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति के पद की अपनी गरिमा होती है और उस गरिमा के अनुरूप ही उन्हें सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि धनखड़ को राज्यपाल और बाद में उपराष्ट्रपति बनाने का निर्णय भी सरकार का ही था। कांग्रेस में कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चाओं पर गहलोत ने कहा कि इस तरह की बातें वे पिछले तीन साल से सुन रहे हैं।



फिलहाल न तो वे राजस्थान में किसी विशेष भूमिका में हैं और न ही दिल्ली में। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्थान के लोगों की सेवा करना उनकी प्राथमिकता है। गहलोत ने कहा कि वे किसी पद पर रहें या नहीं, उनके मन में राजस्थान के लोगों की सेवा करने की भावना हमेशा रहेगी। वे जो भी काम कर रहे हैं, उसमें राजस्थान से दूरी नहीं है। प्रदेश की जनता के लिए काम करना उनके दिल की इच्छा है और आगे भी यही भावना बनी रहेगी। पार्टी में किसी भी जिम्मेदारी को लेकर गहलोत ने कहा कि उनका पूरा राजनीतिक जीवन पार्टी के निर्णयों के अनुसार चला है और आगे भी पार्टी नेतृत्व का फैसला सर्वोपरि रहेगा। जहां उन्हें जो जिम्मेदारी दी जाएगी, उसे निभाने से वे पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी ने 55 वर्षों तक उन पर विश्वास जताया और अलग-अलग पदों पर जिम्मेदारियां सौंपीं, जिन्हें उन्होंने निभाया। ऐसे में पार्टी के लिए क्या कर सकते हैं और किस तरह उपयोगी साबित हो सकते हैं, यह सोचना उनका कर्तव्य है। उनके लिए पार्टी का हित सबसे ऊपर है। गहलोत ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में पार्टी की सेवा करना उनके लिए देश की सेवा करने के समान है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र के सामने चुनौतियां हैं और सभी को इसकी मजबूती के लिए चिंतित होना चाहिए। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की लोकतंत्र के प्रति सोच पर भी सवाल उठाए। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की पुस्तक में अपने उल्लेख को लेकर पूछे गए सवाल पर गहलोत ने कहा कि पुस्तक में उनके बारे में कोई अलग अध्याय नहीं है। सोनिया गांधी ने अपने अनुभव साझा करते हुए उन लोगों का जिक्र किया है, जिन्हें वे पहले से जानती थीं। गहलोत के अनुसार, राजीव गांधी के दौरों के समय सोनिया गांधी भी कई बार साथ आती थीं और इंदिरा गांधी के समय से ही उनकी पहचान थी। बाद में ये लोग प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री जैसे पदों तक पहुंचे। सोनिया गांधी ने अपने अनुभव के आधार पर इन बातों का उल्लेख किया है। इसलिए पुस्तक में किए गए इस उल्लेख का कोई अलग अर्थ निकालने की आवश्यकता नहीं है।

आबूरोड-रेवदर मार्ग पर देर रात दो कारों पर पथराव, श्रद्धालुओं में मची अफरा-तफरी

मुगथला के पास हुई घटना में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त, जामनगर से सुंधा माता के दर्शन कर लौट रहे थे श्रद्धालु

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। आबूरोड-रेवदर मार्ग पर मुगथला के पास बीती रात अज्ञात लोगों ने दो कारों पर पथराव कर दिया। अचानक हुए हमले से कारों में सवार लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पथराव में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए, हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार, गुजरात के जामनगर से सुंधा माता के दर्शन कर आबूरोड लौट रहे श्रद्धालुओं की गुजरात पंजीयन संख्या वाली कार को मुगथला के पास निशाना बनाया गया। इसी दौरान वहां से गुजर रही एक अन्य कार पर भी पथराव किया गया। अचानक हुए हमले के बाद कार में सवार लोगों ने चालक से वाहन तेजी से वहां से निकालने को कहा। चालक कार को लेकर आबूरोड के मानपुर पहुंचा और उसे सुरक्षित स्थान पर खड़ा किया। रास्ते में श्रद्धालुओं को कुछ पुलिसकर्मी मिले। उन्होंने



पुलिसकर्मियों को घटना की जानकारी देकर सहायता मांगी। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने यह कहकर मदद करने से इनकार कर दिया कि घटनास्थल उनके थाने के क्षेत्र में नहीं आता। इस पर श्रद्धालुओं ने नाराजगी जताई। उनका कहना था कि पुलिसकर्मी तत्काल सहायता कर सकते थे और पथराव करने वालों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए कार्रवाई शुरू कर सकते थे। घटना के बाद मार्ग पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठे हैं। आबू पर्वत के पुलिस उपाधीक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी जुटाई जा रही है। घटना से जुड़े तथ्यों की जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आबूरोड में शिव सैनिकों ने मनाई बालासाहेब की पुण्यतिथि



महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। शहर के निकट उमरणी स्थित चामुंडा माता मंदिर में शिव सैनिकों ने बालासाहेब की पुण्यतिथि मनाई। इस अवसर पर शिव सैनिकों ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम में शिवसेना के शहर प्रमुख लालाराम खारवाल और जिला प्रमुख रमेश रावल ने बालासाहेब की तस्वीर पर फूल चढ़ाए। इस दौरान उपस्थित शिव सैनिकों ने 'बालासाहेब अमर रहें' के नारे लगाकर उन्हें याद किया। कार्यक्रम के तहत बच्चों को बिस्किट और गोलियां भी वितरित की गईं। इस अवसर पर जिला प्रमुख रमेश रावल, आबूरोड शहर प्रमुख लालाराम खारवाल, तहसील प्रमुख नरेश लोधी, पिंडवाड़ा तहसील प्रमुख नरेंद्र सिंह भाटी, युवा सेना नगर अध्यक्ष राजू राठौड़, सवाराम राठौर, मधु राणा और आबा काका सहित कई शिव सैनिक मौजूद रहे।

विहिप का राष्ट्रव्यापी हितचिंतक अभियान 17 नवंबर से, जालोर में 25 हजार सदस्य जोड़ने का लक्ष्य

अशोक सिंघल के जन्म शताब्दी वर्ष को समर्पित रहेगा अभियान, कार्यकर्ता घर-घर जाकर करेंगे संपर्क

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। विश्व हिंदू परिषद की ओर से 17 नवंबर से 6 दिसंबर 2026 तक राष्ट्रव्यापी हितचिंतक अभियान चलाया जाएगा। अशोक सिंघल के जन्म शताब्दी वर्ष को समर्पित इस अभियान के तहत जालोर जिले में 25 हजार हितचिंतक बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के दौरान संगठन के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करेंगे और मोबाइल अनुप्रयोग के माध्यम से उन्हें संगठन से जोड़ेंगे। विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष कांतिलाल जैन ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज के बीच व्यापक संपर्क



स्थापित करना और लोगों को धर्म, संस्कृति तथा राष्ट्र के प्रति उनके दायित्वों के प्रति जागरूक करना है। इसके तहत सेवा कार्य, गौरक्षा, सामाजिक समरसता, बहन-बेटियों की सुरक्षा और धर्म जागरण सहित विभिन्न विषयों पर लोगों को जानकारी दी जाएगी। प्रेस वार्ता में जिला अभियान प्रमुख रतनसिंह ने बताया कि अशोक सिंघल ने अपना संपूर्ण जीवन हिंदू समाज के संगठन और श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के लिए समर्पित किया था। उनकी जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर उनके विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। जोधपुर प्रांत के सह मंत्री एवं जालोर विभाग पालक महेंद्रसिंह राजपुरोहित ने बताया कि अभियान के तहत देशभर में एक करोड़ और जोधपुर प्रांत में 10 लाख हितचिंतक बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए महाविद्यालयों, विद्यालयों, औद्योगिक संस्थानों, प्रशिक्षण केंद्रों, गौशालाओं और धार्मिक केंद्रों में भी संपर्क अभियान चलाया जाएगा। अभियान में बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी और मातृशक्ति के कार्यकर्ता भी भाग लेंगे। प्रेस वार्ता के दौरान जिला सेवा प्रमुख ओटाराम, शांतिलाल घांची, जीतू सैन, भरत घांची, अशोक सुन्देशा, नरेश कुमार और पार्थ गुर्जर सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आबू वेलफेयर सोसाइटी ने परिवारों के साथ मनाया दीपावली स्नेह मिलन



महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। शहर की रीको कॉलोनी में आबू वेलफेयर सोसाइटी की ओर से दीपावली स्नेह मिलन एवं स्नेह भोज का आयोजन किया गया। इसमें सोसाइटी के सदस्य अपने परिवारों के साथ शामिल हुए। कार्यक्रम में आपसी मेलजोल, पारिवारिक सौहार्द और भाईचारे का माहौल रहा। सोसाइटी अध्यक्ष प्रहलाद राम चौधरी ने सभी सदस्यों और उनके परिवारों का स्वागत किया। उन्होंने नवरात्रि महोत्सव, दशहरा और गणपति महोत्सव के आयोजन में सदस्यों की ओर से दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही रीको कॉलोनी के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों में भविष्य में भी सक्रिय सहयोग बनाए रखने की अपील की। चौधरी ने कहा कि कार्यकारिणी सदस्यों के सहयोग और मार्गदर्शन से सोसाइटी जनहित के कार्यों को आगे भी निरंतर जारी रखेगी। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और बच्चों के लिए विभिन्न खेलकूद एवं मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें सभी ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन नरपत सिंह, सुरेश सिदल, विशाल गोयल, राहुल अग्रवाल और दीपेश मरडिया ने किया। अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समारोह का समापन आपसी प्रेम, भाईचारे, पारिवारिक सौहार्द और सामाजिक एकता का संदेश देते हुए हुआ।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से 8 वर्षीय बच्ची गंभीर घायल, चालक फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। कांडला राजमार्ग पर मंगलवार शाम तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से सड़क किनारे चल रही आठ वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा सिरोही कोतवाली थाना क्षेत्र में आशापुरा होटल के पास शाम करीब 4 बजे हुआ। घायल बच्ची को सरकारी अस्पताल से ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। डॉक्टरों ने बच्ची की हालत चिंताजनक बताई है। जानकारी के अनुसार बच्ची सड़क किनारे पैदल जा रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे बाइक सवार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बच्ची उछलकर कुछ दूरी पर जा गिरी और बेहोश हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बच्ची को सड़क पर बेहोश पड़ा देखकर परिजन तत्काल उसे उठाकर सरकारी अस्पताल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद उसे ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने जांच में उसके सिर में गंभीर चोट पाई, जिसके बाद उसे भर्ती कर उपचार शुरू किया गया। प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, बच्ची को टक्कर मारने के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी में बाइक चालक के नशे में होने की आशंका भी जताई गई है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हादसे के बाद क्षेत्र में सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

घर के बाड़े में पशु बांध रही महिला पर सूअर का जानलेवा हमला, हाथ फ्रैक्चर और माथे पर कई घाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। जिले के रोहट क्षेत्र में आवारा सूअरों का आतंक लोगों के लिए खतरा बनता जा रहा है। रेवड़ा खुर्द गांव में मंगलवार दोपहर घर के पास बने बाड़े में पशु बांध रही 55 वर्षीय दाकूदेवी पर अचानक सूअर ने हमला कर दिया। सूअर ने उनके हाथ और माथे पर कई जगह काट लिया। हमले में उनका एक हाथ फ्रैक्चर हो गया, जबकि माथे पर भी गंभीर घाव आए हैं। घायल महिला को परिजन उपचार के लिए पाली के बांगड़ अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार दाकूदेवी मंगलवार दोपहर घर के पास स्थित बाड़े में

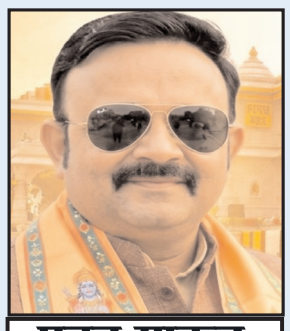


पशुओं को बांध रही थीं। इसी दौरान अचानक एक सूअर वहां पहुंचा और उन पर हमला कर दिया। महिला को संभलने का मौका तक नहीं मिला। सूअर ने उनके हाथ और माथे पर कई जगह काटकर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले के दौरान दाकूदेवी दर्द से जोर-जोर से चिल्लाने लगीं। उनकी चीख सुनकर पति खीमाराम तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने सूअर को वहां से भगाया और घायल पत्नी को संभाला। इसके बाद परिजन उन्हें उपचार के लिए पाली के बांगड़ अस्पताल लेकर पहुंचे। खीमाराम ने बताया कि परिवार रोहट क्षेत्र के रेवड़ा खुर्द गांव के वायद में रहता है। चिकित्सकों के अनुसार सूअर के हमले में दाकूदेवी का एक हाथ फ्रैक्चर हो गया है और माथे पर कई जगह काटने के घाव हैं। अस्पताल में उनका उपचार जारी है। घटना ने गांवों में आवारा सूअरों की बढ़ती समस्या और ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। घर के पास ही पशुओं की देखभाल कर रही महिला पर हुए इस हमले से ग्रामीणों में भय का माहौल है।



सम्पादकीय

गुजरात की राजनीति में चुनाव से पहले हलचल तेज, पाटीदार आंदोलन की चर्चाओं ने फिर बढ़ाई राजनीतिक सरगर्मी



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

गुजरात में आगामी विधानसभा चुनाव में अभी करीब एक वर्ष का समय बाकी है, लेकिन प्रदेश का राजनीतिक माहौल अभी से गर्माने लगा है। राजनीतिक गलियारों से लेकर सामाजिक संगठनों और इंटरनेट माध्यमों तक चुनावी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। गांवों की चौपालों से लेकर शहरों की बैठकों तक राजनीतिक समीकरणों को लेकर चर्चा हो रही है। छोटे मुद्दों से लेकर बड़े राजनीतिक घटनाक्रमों तक पर नेताओं और कार्यकर्ताओं की नजर बनी हुई है। ऐसे में माना जा रहा है कि आने वाले समय में गुजरात की राजनीति में गतिविधियां और तेज हो सकती हैं। इस राजनीतिक हलचल के बीच पाटीदार समाज और पूर्व में हुए पाटीदार आंदोलन की चर्चा एक बार फिर सामने आने लगी है।

गुजरात के राजनीतिक इतिहास में पाटीदार आंदोलन ने सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर व्यापक प्रभाव छोड़ा था। उस आंदोलन के बाद प्रदेश की राजनीति में कई तरह की चर्चाएं और समीकरण सामने आए थे। अब विधानसभा चुनाव का समय नजदीक आने के साथ ही पाटीदार आरक्षण, युवाओं के रोजगार और समाज से जुड़े दूसरे मुद्दों पर फिर चर्चा होने लगी है।

इंटरनेट माध्यमों पर पाटीदार और पाटीदार आंदोलन से जुड़े संदेश तथा चर्चाएं भी दिखाई दे रही हैं। इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या आगामी चुनाव में पाटीदार समाज से जुड़े मुद्दे फिर राजनीतिक बहस का महत्वपूर्ण हिस्सा बनेंगे। राजनीतिक दलों की तैयारियों को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी अपनी विकास संबंधी योजनाओं, संगठनात्मक ढांचे और राजनीतिक पकड़ को बनाए रखने की दिशा में काम कर रही है।

चुनाव से पहले संगठन की स्थिति, स्थानीय स्तर पर जनता की प्रतिक्रिया और संभावित चुनौतियों को समझने के लिए बैठकों तथा आंतरिक समीक्षा की चर्चाएं सामने आ रही हैं। पार्टी के सामने अपने संगठन को सक्रिय बनाए रखने और अलग-अलग सामाजिक वर्गों के बीच संपर्क मजबूत करने की चुनौती रहेगी। वहीं, कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल भी आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए अपनी रणनीति तैयार करने में जुटे हैं। विपक्ष के लिए महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं और स्थानीय स्तर पर जनता से जुड़े मुद्दे प्रमुख हो सकते हैं।

इन विषयों के माध्यम से सरकार को घेरने और जनता के बीच अपनी सक्रियता बढ़ाने की कोशिश की जा सकती है। विपक्षी दलों के सामने संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने और जनता के बीच अपनी बात प्रभावी तरीके से पहुंचाने की चुनौती भी होगी। आगामी चुनाव को देखते हुए युवा मतदाताओं, किसानों और विभिन्न सामाजिक वर्गों की भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राजनीतिक दलों की कोशिश रहेगी कि इन वर्गों से जुड़े मुद्दों को समझकर उनके बीच अपना जनसंपर्क बढ़ाया जाए। पाटीदार समाज सहित प्रभावशाली सामाजिक समूहों के साथ संवाद और बैठकों को लेकर भी राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

हालांकि, अभी चुनाव में समय बाकी है और किसी भी राजनीतिक दल की रणनीति को लेकर अंतिम निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। गुजरात का मतदाता राजनीतिक रूप से जागरूक माना जाता है।

यहां चुनाव के दौरान स्थानीय मुद्दों, सामाजिक समीकरणों, विकास कार्यों और राजनीतिक दलों के प्रदर्शन का प्रभाव चर्चा में रहता है। चुनाव में अभी करीब बारह महीने का समय होने के बावजूद नेताओं के बयान, आरोप-प्रत्यारोप और संभावित दल-बदल को लेकर अटकलें राजनीतिक वातावरण को गर्मा रही हैं। इंटरनेट माध्यमों पर प्रसारित होने वाले संदेशों और चर्चाओं ने भी चुनावी माहौल को लेकर उत्सुकता बढ़ाई है। पाटीदार समाज की भूमिका को लेकर राजनीतिक दलों की दिलचस्पी भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

गुजरात की राजनीति में इस समाज का प्रभाव लंबे समय से महत्वपूर्ण रहा है। पूर्व के आंदोलनों के दौरान सामाजिक मुद्दों ने राजनीतिक बहस को प्रभावित किया था। अब एक बार फिर पाटीदार आरक्षण, युवाओं के रोजगार और समाज की अपेक्षाओं जैसे विषयों पर चर्चा शुरू होने से राजनीतिक दलों के सामने इन मुद्दों को गंभीरता से समझने की चुनौती है। हालांकि, आगामी चुनाव में पाटीदार समाज की भूमिका क्या होगी और मतदाता किन मुद्दों को प्राथमिकता देंगे, यह आने वाले समय में ही स्पष्ट होगा।

चुनाव में अभी समय होने के बावजूद गुजरात में राजनीतिक गतिविधियों का बढ़ना यह संकेत देता है कि सभी दल अपनी तैयारियों को लेकर सतर्क हैं। आने वाले महीनों में राजनीतिक बैठकों, जनसंपर्क अभियानों, नेताओं के बयानों और सामाजिक मुद्दों पर बहस तेज हो सकती है। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि आगामी विधानसभा चुनाव में जनता किन मुद्दों को प्राथमिकता देगी और राजनीतिक दलों के सामने अपनी अपेक्षाएं किस तरह रखेगी। सत्ता में बदलाव होगा या वर्तमान राजनीतिक स्थिति बरकरार रहेगी, इसका फैसला अंततः मतदाता ही करेंगे।

अक्टूबर में महंगाई का बड़ा झटका, पिछले चार वर्षों के रिकॉर्ड टूटे; 12.3 प्रतिशत तक पहुंची महंगाई से आम आदमी का बजट बिगड़ा

देश और राज्य में विकास तथा अर्थव्यवस्था की मजबूती को लेकर लगातार दावे किए जा रहे हैं, लेकिन आम नागरिक की रोजमर्रा की जिंदगी में बढ़ती महंगाई की चुनौती साफ दिखाई दे रही है। अक्टूबर महीने के सामने आए महंगाई के आंकड़ों ने मध्यमवर्गीय परिवारों से लेकर मेहनत-मजदूरी करके जीवनयापन करने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है। दावा किया गया है कि अक्टूबर में महंगाई की दर 12.3 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो पिछले चार वर्षों में सबसे अधिक बताई जा रही है। बढ़ती कीमतों का सीधा असर लोगों की जेब और घरेलू खर्चों पर पड़ रहा है। सीमित आमदनी में परिवारों के लिए जरूरत का सामान खरीदना और महीने का बजट संभालना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। बाजार में खरीदारी करने जाने वाले आम लोगों का कहना है कि पहले जितने पैसों में परिवार के लिए जरूरी सामान खरीदा जा सकता था, अब उतनी ही राशि में कम सामान मिल रहा है। खरीदारी की थैली पहले की तुलना में कम भर रही है, जबकि खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। दाल, खाद्य तेल और सब्जियों जैसी रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने से रसोई का हिसाब बिगड़ गया है। जिन वस्तुओं के बिना घर का भोजन तैयार करना संभव नहीं है, उन्हीं की बढ़ती कीमतों ने परिवारों की परेशानी बढ़ा दी है। आम आदमी के सामने अब यह चुनौती है कि सीमित आय में जरूरी सामान की खरीदारी कैसे की जाए और अन्य घरेलू खर्चों को किस तरह पूरा किया जाए। महंगाई का असर केवल रसोई तक सीमित नहीं रह गया है। घरों में इस्तेमाल होने वाली अन्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी भी परिवारों के खर्च को प्रभावित कर रही है। टेलीविजन और वातानुकूलित यंत्र जैसे घरेलू उपकरण भी महंगे होने की बात सामने आई है। ऐसे में परिवारों को अपनी जरूरतों और उपलब्ध आमदनी के बीच तालमेल बैठाना पड़ रहा है। जिन लोगों ने भविष्य में घरेलू उपकरण खरीदने की योजना बनाई थी, उनके लिए बढ़ती कीमतें अतिरिक्त चिंता का कारण बन सकती हैं। रोजमर्रा की जरूरतों पर अधिक पैसा खर्च होने के कारण दूसरी आवश्यकताओं के लिए बचत करना भी कठिन होता जा रहा है। दालों और खाद्य तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर हर घर की रसोई पर पड़ता है। सब्जियों के दाम बढ़ने से भोजन तैयार करने का खर्च भी बढ़ जाता है। पहले जिन परिवारों के लिए रोजाना बाजार से सब्जियां और अन्य जरूरी सामान खरीदना सामान्य बात थी, अब उन्हें खरीदारी करते समय कीमतों का विशेष ध्यान रखना पड़ रहा है। परिवारों को कई बार अपनी जरूरतों के अनुसार सामान की मात्रा तय करनी पड़ती है। महीने की शुरुआत में तैयार किया गया घरेलू बजट भी बढ़ती कीमतों के कारण बीच में ही गड़बड़ा जाता है। आमदनी में उसी अनुपात में बढ़ोतरी नहीं होने पर महंगाई का बोझ और अधिक महसूस होता है। शहरों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई का असर अधिक गंभीर होने की चिंता भी जताई गई है। ग्रामीण इलाकों में बड़ी संख्या में लोग खेती, खेतिहर मजदूरी और दैनिक श्रम पर निर्भर रहते हैं। ऐसे परिवारों की आमदनी सीमित होने के कारण आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी का असर सीधे उनके घरेलू खर्च पर पड़ता है। गांवों में नियमित और स्थायी आय के साधन सीमित होने के कारण परिवारों के लिए बढ़ते खर्चों को संभालना आसान नहीं है। दाल, तेल, सब्जियों और अन्य जरूरी सामान की कीमतें बढ़ने से ग्रामीण परिवारों के सामने भी घरेलू बजट बनाए रखने की चुनौती खड़ी हो रही है। खेतों में काम करने वाले मजदूरों और रोजाना मेहनत करके कमाई करने वाले लोगों के लिए स्थिति और कठिन हो सकती है। उनकी आमदनी का बड़ा हिस्सा भोजन और घर की दूसरी आवश्यक जरूरतों पर खर्च होता है। ऐसे में कीमतों में बढ़ोतरी होने पर बचत की गुंजाइश कम रह जाती है। ग्रामीण परिवारों के लिए बच्चों की जरूरतें, घरेलू सामान और अन्य खर्च पूरे करना भी चुनौती बन सकता है। महंगाई का असर केवल बाजार में सामान खरीदने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह परिवारों की बचत, भविष्य की योजनाओं और आर्थिक सुरक्षा को भी प्रभावित करता है। बढ़ती महंगाई के बीच विकास के दावों और आम आदमी के घरेलू बजट को लेकर सवाल उठने लगे हैं। लोगों के मन में यह सवाल है कि यदि सामान्य नागरिक के लिए रोजमर्रा की जरूरतों का सामान खरीदना ही मुश्किल होता जा रहा है, तो आर्थिक विकास का लाभ आम परिवारों तक किस तरह पहुंच रहा है।

देश के विकास के दावों के बीच आंगनवाड़ियों की बदहाली पर उठे गंभीर सवाल

देश और राज्य में आधुनिक विकास, बुलेट ट्रेन, गगनचुंबी इमारतों, स्मार्ट शहरों और करोड़ों-अरबों रुपये की परियोजनाओं को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। विकास की इन योजनाओं के बीच समाज के सबसे कमजोर और जरूरतमंद वर्ग से जुड़े एक महत्वपूर्ण विषय पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। यह विषय है देश की आंगनवाड़ी व्यवस्था और वहां आने वाले छोटे बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं को मिलने वाली सुविधाओं का। आंगनवाड़ी केंद्रों को बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और शुरुआती शिक्षा की मजबूत नींव माना जाता है। सरकार की ओर से इन केंद्रों के माध्यम से कुपोषण दूर करने और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जाती हैं, लेकिन कई क्षेत्रों में इन योजनाओं के वास्तविक लाभ और केंद्रों की स्थिति को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आरोप हैं कि अनेक स्थानों पर बच्चों को पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण भोजन नहीं मिल पा रहा है। कहीं बुनियादी सुविधाओं की कमी है तो कहीं भवनों की स्थिति को लेकर शिकायतें सामने आती रहती हैं। ऐसे में विकास के बड़े दावों के बीच आंगनवाड़ियों की वास्तविक स्थिति पर ध्यान देना जरूरी हो गया है। आंगनवाड़ी केंद्रों का मुख्य उद्देश्य छोटे बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना, गर्भवती और धात्री महिलाओं को पोषण संबंधी सहायता देना तथा बच्चों के शुरुआती विकास को प्रोत्साहित करना है। विशेष रूप से गरीब और श्रमिक परिवारों के बच्चों के लिए ये केंद्र काफी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि कई परिवार अपने बच्चों के पोषण और शुरुआती शिक्षा के लिए आंगनवाड़ियों पर निर्भर रहते हैं। ऐसे परिवारों के लिए घर पर हर दिन पर्याप्त और पौष्टिक भोजन की व्यवस्था करना आर्थिक परिस्थितियों के कारण कठिन हो सकता है। इस स्थिति में आंगनवाड़ी केंद्रों से मिलने वाला भोजन बच्चों के पोषण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। लेकिन यदि इन केंद्रों पर भोजन की नियमित उपलब्धता नहीं हो या उसकी गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप न हो, तो पूरी व्यवस्था का उद्देश्य प्रभावित हो सकता है। सरकार की ओर से बच्चों और महिलाओं के पोषण के लिए बजट आवंटित किया जाता है। खाद्यान्न और पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के लिए योजनाएं बनाई जाती हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत बच्चों को उनकी आयु और जरूरत के अनुसार भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था का उद्देश्य रखा गया है। इसके बावजूद कई स्थानों पर भोजन की गुणवत्ता और नियमित वितरण को लेकर शिकायतें उठती रही हैं। आरोप लगाए जाते हैं कि कुछ केंद्रों पर बच्चों को अपेक्षित मात्रा में भोजन नहीं मिल पाता। जिन बच्चों को पौष्टिक आहार, दूध, फल और अन्य पोषणयुक्त खाद्य सामग्री मिलनी चाहिए, उन्हें पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिलने की शिकायतें सामने आती हैं। हालांकि, इन आरोपों की वास्तविक स्थिति का पता संबंधित केंद्रों की जांच और विभागीय आंकड़ों से ही लगाया जा सकता है, लेकिन बच्चों के पोषण से जुड़ी किसी भी शिकायत को गंभीरता से लेना आवश्यक है। पोषण की कमी का असर बच्चों के विकास पर पड़ सकता है। बचपन में शरीर और मस्तिष्क का विकास तेजी से होता है। इस दौरान पर्याप्त भोजन और जरूरी पोषक तत्व मिलना बेहद महत्वपूर्ण होता है। यदि बच्चों को नियमित रूप से संतुलित और पौष्टिक आहार नहीं मिलता, तो उनके स्वास्थ्य और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। कुपोषण केवल भोजन की कमी का विषय नहीं है, बल्कि यह बच्चों के स्वास्थ्य, सीखने की क्षमता और भविष्य से भी जुड़ा हुआ है। इसलिए आंगनवाड़ियों में भोजन की मात्रा के साथ उसकी गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। केवल भोजन वितरित करने की औपचारिकता पूरी करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि बच्चों को वास्तव में निर्धारित पोषण मिल रहा है। गरीब और मेहनत-मजदूरी करके परिवार चलाने वाले लोगों के लिए आंगनवाड़ी केंद्र किसी सहारे से कम नहीं हैं। दैनिक मजदूरी करने वाले परिवारों के पास आय के सीमित साधन होते हैं। ऐसे में घर के खर्च, बच्चों की जरूरतों और भोजन की व्यवस्था के बीच संतुलन बनाना उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहता है। इन परिवारों को उम्मीद होती है कि आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से उनके बच्चों को पौष्टिक भोजन और शुरुआती शिक्षा मिलेगी। यदि केंद्रों पर भी पर्याप्त भोजन उपलब्ध नहीं होता, तो इसका सबसे अधिक असर उन्हीं परिवारों पर पड़ता है, जिन्हें सरकारी योजनाओं की सबसे ज्यादा जरूरत है। ऐसे में यह आवश्यक है कि योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव और बाधा के प्रत्येक पात्र बच्चे तक पहुंचे। आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति को लेकर दूसरा बड़ा सवाल उनके भवनों और बुनियादी सुविधाओं का है। ग्रामीण और दूरदराज के कई क्षेत्रों में केंद्रों के संचालन के लिए उचित भवन उपलब्ध नहीं होने की शिकायतें सामने आती हैं। कुछ स्थानों पर किराये के पुराने भवनों में केंद्र चलाए जाने की बात कही जाती है, जबकि कहीं भवनों की मरम्मत और रखरखाव की आवश्यकता बताई जाती है।

लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ, पदयात्रा में नागदा की भागीदारी, सैकड़ों कार्यकर्ता वाहनों के काफिले के साथ उज्जैन रवाना



भारतीय जनता पार्टी जिला उज्जैन ग्रामीण द्वारा मंगलवार को उज्जैन में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' विशाल पदयात्रा में नागदा नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के सैकड़ों कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने सहभागिता की। पदयात्रा में शामिल होने के लिए सुबह 9 बजे पुरानी नगर पालिका परिसर से चारपहिया वाहनों का काफिला उज्जैन के लिए रवाना हुआ। नगर मंडल की अगुवाई में निकले इस काफिले में बड़ी संख्या में वाहन शामिल रहे। पुराना बस स्टैंड से इंगोरिया मार्ग होते हुए उज्जैन पहुंचे इस काफिले में नगर और ग्रामीण क्षेत्र के सैकड़ों भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सवार थे। काफिले में विधायक डॉ. तेजबहादुर सिंह चौहान, जिलाध्यक्ष राजेश धाकड़, भाजपा जिला महामंत्री राकेश यादव, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र अवाना, नगर मंडल अध्यक्ष विजय पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि ओमप्रकाश गेहलोत, नगर पालिका उपाध्यक्ष सुभाष शर्मा, मंडल अध्यक्ष प्रकाश जैन, गोवर्धन सिंह परिहार, नगर मंडल महामंत्री दौलतराम प्रजापत, सूरज मकवाना, सुबोध स्वामी, बाबूलाल डाबी, निलेश प्रजापत, सीएम अतुल, सुभाष रावल, गौरव यादव, भवानी सिंह देवड़ा, हरिकिशन लोहारवाड़, विनय लकी गुर्जर, भूपेंद्र टाटावत, जाहिद अली, जाकिर गुड्डू, रूपम ठाकुर, एल्डरमैन गिरधारी लाल सोनी, योगेश जोनवाल, लकी परमार, शंकर पप्पू प्रजापत, जितेंद्र मेवाती, श्याम प्रजापत, नंदकिशोर प्रजापत, अमर सोलंकी, युवराज सिंह राणावत और दिनेश मंडोरा सहित नागदा एवं ग्रामीण क्षेत्र के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता शामिल हुए। नगर मंडल अध्यक्ष विजय पटेल एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों ने काफिले की अगवानी की और पदयात्रा में शामिल होने जा रहे कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जयघोष के साथ पदयात्रा में सहभागिता का संकल्प व्यक्त किया। उज्जैन में आयोजित इस पदयात्रा में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य सत्यनारायण जटिया, राज्यसभा सांसद उमेशनाथ महाराज सहित प्रदेश एवं जिले के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, संगठन पदाधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक भी शामिल हुए। पदयात्रा के माध्यम से संगठन की एकजुटता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश देने की बात कही गई। आयोजकों के अनुसार लोकतंत्र की मजबूती संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान, लोकतांत्रिक मर्यादाओं और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता से सुनिश्चित होती है। 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' पदयात्रा को इन्हीं मूल्यों के प्रति जनजागरूकता और संगठनात्मक एकजुटता का माध्यम बताया गया। नागदा नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उत्साह एवं अनुशासन के साथ इसमें भाग लिया। नगर मंडल की ओर से पदयात्रा में शामिल सभी वरिष्ठजनों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। जानकारी नगर मंडल की ओर से मीडिया प्रभारी निलेश मेहता ने दी।

आज का राशिफल

(बुधवार) 18 नवम्बर 2026

मेष — दिन की शुरुआत में कुछ मानसिक उलझनें रहेंगी, लेकिन दोपहर बाद किसी अपने की मदद से स्थिति संभल जाएगी।

वृषभ — व्यापार में पुराना धन मिलने से स्थिति मजबूत होगी, सेहत को लेकर थोड़ी सतर्कता बरतना जरूरी है।

मिथुन — रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी, जीवनसाथी के साथ चल रहा पुराना मतभेद आपसी बातचीत से दूर हो जाएगा।

कर्क — ऑफिस में उच्च अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा, संपत्ति से जुड़ा पुराना विवाद आज आपके पक्ष में हल होगा।

सिंह — सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेने से मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी, प्रेम जीवन में मिठास आएगी और पार्टनर के साथ समय बीतेगा।

कन्या — छात्रों को मेहनत का शानदार फल मिलेगा, बेवजह की भागदौड़ से बचें और अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं।

तुला — आर्थिक निवेश के लिए दिन बहुत अनुकूल है, मित्रों के साथ पुरानी यादें ताजा होने से मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक — सहकर्मियों से अनबन हो सकती है, धैर्य से काम लें और गुस्से पर काबू रखकर स्थिति को आसानी से संभालें।

धनु — व्यापारिक यात्रा आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और शरीर में दिनभर चुस्ती-फुर्ती बनी रहेगी।

मकर — परिवार के सदस्य की सलाह से अटके काम पूरे होंगे, आर्थिक मामलों में पारदर्शिता रखें और किसी को उधार न दें।

कुंभ — नौकरी में प्रमोशन की अच्छी खबर मिल सकती है, शाम के समय दोस्तों के साथ हंसी-मजाक में अच्छा समय बीतेगा।

मीन — मन में सकारात्मक विचार रहेंगे, विद्यार्थियों का पढ़ाई से मन भटक सकता है इसलिए एकाग्रता बनाए रखना बहुत जरूरी है।

मध्यप्रदेश के सभी धर्मस्थलों को तीर्थस्थलों के रूप में विकसित किया जाएगा : मुख्यमंत्री मोहन यादव



मानस भारत स्वस्तिक यात्रा अपने चौथे चरण में सोमवार, 17 नवंबर को अवंतिका नगरी उज्जैन पहुंची। यात्रा महाकाल के श्रीचरणों में पहुंची। उज्जैन द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का पवित्र स्थान होने के साथ ही धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व भी रखता है। मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण, सुदामा और बलराम ने भी इसी नगरी में स्थित गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त की थी। इसी विशेषता के कारण उज्जैन भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। पूज्य मोरारी बापू की कथा यात्रा के क्रम में आयोजित 986वीं मानस भारत स्वस्तिक यात्रा का द्वितीय चरण कुल 4505 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। द्वारका स्थित शारदापीठ से प्रारंभ हुई यह यात्रा जगन्नाथपुरी के गोवर्धनपीठ होते हुए भगवान जगन्नाथ के श्रीचरणों में पहुंचकर विराम लेगी। यात्रा के चौथे चरण में उज्जैन पहुंचने पर बापू ने कथा के दौरान इस नगरी के प्रति अपनी विशेष भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उज्जैन की यात्रा करने का मन बार-बार होता है, क्योंकि यह ऐसी महापुरुषों की भूमि है, जिसका स्मरण करने मात्र से आंखें नम हो जाती हैं। कथा प्रवचन के दौरान बापू ने वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले महाकुंभ को लेकर 'मानस महादेव' महाकुंभ कथा करने की अपनी इच्छा भी व्यक्त की। उन्होंने शरीर और महाकाल के आध्यात्मिक संबंध की व्याख्या करते हुए कहा कि यदि शरीर के ऊपरी और निचले हिस्से को अलग मानकर बीच के धड़ पर विचार किया जाए तो वह महाकाल का स्वरूप है। शरीर का धड़ शिवलिंग के समान है। उन्होंने कहा कि स्नान करते समय संभव हो तो रुद्राष्टक का पाठ करना चाहिए। रुद्राष्टक में आठ छंद हैं और इनमें से एक छंद का भी श्रद्धापूर्वक पाठ करने से शिव की आराधना का पुण्य प्राप्त होता है। बापू ने अपने प्रवचन में शंकराचार्य द्वारा बताए गए चार प्रमुख विषयों भस्म, भिक्षा, भूत और भंजन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इनका स्मरण मंगलकारी होता है। प्रेम के संबंध में अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा कि प्रेम परीक्षा का विषय नहीं, बल्कि प्रतीक्षा का विषय है। जहां परीक्षा होती है, वहां प्रेम नहीं होता। कथा की विशेषता बताते हुए बापू ने कहा कि कथा गंगा के समान स्वरूप है, इसलिए वह नित्य नवीन रहती है और निरंतर प्रवाहित होती रहती है। कथा के अंतिम चरण में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित हुए। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सरकार प्रदेश के सभी धर्मस्थलों को तीर्थस्थलों के रूप में विकसित करने का अभियान चला रही है। इसमें भगवान श्रीकृष्ण, भगवान श्रीराम और भगवान शिव से जुड़े धार्मिक स्थलों का विकास भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गायों के संरक्षण और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार जनकल्याणकारी कार्यक्रम संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि आज मोरारी बापू के दर्शन और आशीर्वाद के साथ वर्ष 2028 में होने वाले कुंभ की तैयारियों का एक तरह से शुभारंभ हो गया है। कथा के क्रम में भगवान शिव द्वारा माता सती को कथा सुनाने, भगवान श्रीराम के महत्व और रामावतार के उद्देश्य पर संवाद हुआ। आगामी 18 नवंबर को नागपुर में राम जन्मोत्सव मनाया जाएगा। यात्रा और कथा के आयोजन में मिराज समूह के मदनलाल पालिवाल तथा इंदौर के रूपेश व्यास की महत्वपूर्ण भूमिका है। आयोजन को अविस्मरणीय बताते हुए इसकी भव्य व्यवस्था की सराहना की गई। सोमवार शाम उज्जैन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर भी संध्याकालीन सभा का आयोजन किया गया।

ग्वालियर का AQI 321 और सिंगरौली में 315 पहुंचा, कई निगरानी केंद्र बंद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। दीपावली का जश्न बीते भले ही एक सप्ताह हो चुका हो, लेकिन मध्य प्रदेश के कई शहरों में आबोहवा की सेहत अभी भी पूरी तरह ठीक नहीं हुई है। हालांकि, राजधानी भोपाल के लिए राहत भरी खबर है, जहां सोमवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (क्कह्ल) गिरकर 154 पर आ गया है, जो मध्यम श्रेणी में आता है। इसके बावजूद राज्य के कई औद्योगिक और बड़े शहरों में प्रदूषण का स्तर अब भी चिंताजनक बना हुआ है।

राज्य के औद्योगिक और प्रमुख शहरों में प्रदूषण की चुनौती बरकरार है। सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, ग्वालियर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 321 और सिंगरौली में 315 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी में आता है। इसके अलावा इंदौर में 242, देवास में 227 और उज्जैन में 206 वायु गुणवत्ता सूचकांक दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी को दर्शाता है। इन शहरों में हवा की गुणवत्ता खराब होने के कारण लोगों को सांस लेने में कठिनाई और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।खरगोन की आबोहवा सबसे साफ एक तरफ जहां प्रदेश के कई शहर प्रदूषण की मार झेल रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ खरगोन की हवा सबसे साफ और शुद्ध पाई गई। सोमवार को खरगोन में वायु गुणवत्ता सूचकांक का स्तर मात्र 42 दर्ज किया गया। इसके अलावा मैहर में 61, सतना में 70, खंडवा में 82 और पन्ना में 97 वायु गुणवत्ता सूचकांक रहा। इन सभी शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 100 से कम दर्ज किया गया, जिसे संतोषजनक श्रेणी माना जाता है।

फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, पत्नी और बेटे की दोषसिद्धि पर भी रोक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा है, जिसमें आजम खान की सजा और दोषसिद्धि पर रोक लगाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दाखिल याचिका खारिज कर दी है। इसके साथ ही आजम खान की पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम खान को भी राहत मिली है। अदालत ने उनकी दोषसिद्धि पर भी रोक लगा दी है। फर्जी जन्म प्रमाण पत्र से जुड़े इस मामले में निचली अदालत ने आजम खान, उनकी पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम खान को दोषी ठहराया था। अदालत ने तीनों को सात-सात साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद आजम खान ने निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी थी और राहत के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख किया था। मई 2024 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आजम खान की सजा और दोषसिद्धि पर रोक लगा दी थी। हालांकि, उस समय हाईकोर्ट ने उनकी पत्नी और बेटे की दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इस कारण आजम खान को राहत मिल गई थी, लेकिन उनकी पत्नी और बेटे को राहत नहीं मिल सकी थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सरकार ने आजम खान को मिली राहत को रद्द करने की मांग की थी। वहीं, तंजीन फातिमा और अब्दुल्ला आजम खान ने हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार किया गया था।



अपनी ही सरकार की परियोजना पर भाजपा सांसद ने उठाए सवाल

पीएम एकता मॉल के निर्माण में गड़बड़ी का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में करीब 283 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे प्रधानमंत्री एकता मॉल के निर्माण की गुणवत्ता को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। खास बात यह है कि निर्माण कार्य पर सवाल विपक्ष की ओर से नहीं, बल्कि उज्जैन से भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनिल फिरोजिया ने उठाए हैं। सांसद ने निर्माण स्थल का निरीक्षण करने के बाद वहां इस्तेमाल की जा रही सामग्री और निर्धारित तकनीकी मानकों के पालन को लेकर संदेह जताया है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर को लिखित शिकायत सौंपकर पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। सांसद की शिकायत के बाद अब इस महत्वाकांक्षी परियोजना के निर्माण कार्य, गुणवत्ता नियंत्रण और संबंधित एजेंसियों की जिम्मेदारी को लेकर चर्चा तेज हो गई है।



उज्जैन का पीएम एकता मॉल इंदौर-उज्जैन सिक्स लेन हाईवे पर हरिफाटक ओवरब्रिज के नजदीक बनाया जा रहा है। इस परियोजना को हेरिटेज लुक में विकसित करने की योजना है, ताकि यहां आने वाले लोगों को आधुनिक सुविधाओं के साथ क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान का अनुभव भी मिल सके। करीब 283 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना शहर की प्रमुख विकास योजनाओं में शामिल है। इसका उद्देश्य देश के अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के उत्पादों को एक ही परिसर में प्रदर्शित करने और उनकी बिक्री के लिए मंच उपलब्ध कराना है। सांसद अनिल फिरोजिया का कहना है कि उन्होंने निर्माण स्थल का दो से तीन बार औचक निरीक्षण किया। इन निरीक्षणों के दौरान उन्हें निर्माण कार्य में इस्तेमाल की जा रही सामग्री की गुणवत्ता को लेकर संदेह हुआ। विशेष रूप से उन्होंने निर्माण में उपयोग किए जा रहे सरियों की गुणवत्ता और उन्हें लगाने के तरीके पर सवाल उठाए। सांसद ने निर्माण कार्य में निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन हो रहा है या नहीं, इसकी भी जांच कराने की आवश्यकता जताई है। उनका कहना है कि इतनी बड़ी लागत वाली परियोजना में निर्माण सामग्री और तकनीकी गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

निर्माण कार्य को लेकर अपनी आपत्तियों के बाद सांसद अनिल फिरोजिया ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर को लिखित शिकायत सौंपी है। शिकायत में उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, सरियों के इस्तेमाल और तकनीकी मानकों के पालन की जांच कराने की मांग की है। सांसद की ओर से उठाए गए सवालों के बाद परियोजना के निर्माण और गुणवत्ता नियंत्रण की प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित हो गया है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि शिकायत के आधार पर निर्माण कार्य की तकनीकी जांच किस स्तर पर कराई जाती है और उसमें क्या निष्कर्ष सामने आते हैं।

एनकाउंटर के डर से थाने पहुंचा पूजा हत्याकांड का मुख्य आरोपी प्रशांत पांचाल, तीन वकीलों के साथ किया सरेंडर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। लोनी बॉर्डर क्षेत्र में महिला पूजा की गोली मारकर हत्या करने के मामले में दो दिन से फरार चल रहे मुख्य आरोपी प्रशांत पांचाल ने आखिरकार सोमवार शाम पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस की लगातार दबिश और गिरफ्तारी के प्रयासों के बीच आरोपी अपने तीन अधिवक्ताओं के साथ लोनी बॉर्डर थाने पहुंचा और हाथ ऊपर उठाकर सरेंडर कर दिया। बताया जा रहा है कि पुलिस की संभावित कार्रवाई और मुठभेड़ के डर से उसने यह कदम उठाया। थाने पहुंचने के दौरान उसने अपने आत्मसमर्पण का वीडियो भी बनवाया। इससे पहले आरोपी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर घटना के पीछे की वजह बताते हुए अपना पक्ष रखा था। उसने कहा कि वह अपने किए की सजा भुगतने के लिए तैयार है, लेकिन उसके अपराध के लिए उसके परिवार को परेशान नहीं किया जाना चाहिए। यह पूरा मामला लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की इंदिरापुरी कॉलोनी का है। यहां शनिवार रात मैजिक सिनेमा के पास



नाली किनारे पेशाब करने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। बताया गया कि एक युवक घर के बाहर पेशाब कर रहा था। इसका विरोध करने पर दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई और फिर मामला मारपीट तक पहुंच गया। इसी दौरान गोली चलने से सी ब्लॉक निवासी 35 वर्षीय पूजा की मौत हो गई

। महिला की हत्या के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पूजा के भाई अमन की शिकायत पर पुलिस ने एक नाबालिग सहित सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। घटना के बाद से ही प्रशांत पांचाल फरार चल रहा था। पुलिस की टीमें उसकी तलाश में लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थीं। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। पुलिस ने उसकी तलाश तेज करते हुए सात अलग-अलग टीमें लगाई थीं। इसी बीच सोमवार शाम करीब छह बजे प्रशांत अपने तीन अधिवक्ताओं के साथ लोनी बॉर्डर थाने पहुंच गया और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान अब तक इस मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने इंदिरापुरी निवासी अनिल, विक्रांत और शुभम के अलावा बागपत जिले के गांव गुराना निवासी मोहित और अक्षय को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपियों में प्रशांत पांचाल का पिता भी शामिल है।

पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रशांत और एक नाबालिग की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की थीं। प्रशांत के आत्मसमर्पण के बाद मामले में पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपियों की संख्या सात हो गई है। पुलिस अब घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका और वारदात से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।सरेंडर करने से पहले प्रशांत पांचाल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर घटना का अपना पक्ष रखा। वीडियो में उसने विवाद की शुरुआत अपने घर के बाहर हुई घटना से बताई। प्रशांत के मुताबिक, 15 तारीख को एक युवक उसके घर के बाहर पेशाब कर रहा था। उसके पिता ने जब इसका विरोध किया तो युवक ने उनके साथ धक्का-मुक्की की। हाथापाई के दौरान उसके पिता नीचे गिर गए। प्रशांत ने बताया कि पिता से घटना की जानकारी मिलने के बाद वह गांव से कुछ लोगों के साथ मौके पर पहुंचा था। प्रशांत ने वीडियो में दावा किया कि मौके पर पहुंचे युवक ने पिस्टल निकालकर हमला करने की कोशिश की, जिससे उसकी उंगली में चोट लग गई। उसके अनुसार, उसने युवक से पिस्टल छीन ली और अपनी जान बचाने के लिए घर की तरफ दौड़ लगा दी।

ग्रेटर नोएडा में महिला सब इंस्पेक्टर रश्मि गौतम का शव बाथरूम में मिला, हार्ट अटैक की आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। जारचा थाने में तैनात महिला सब इंस्पेक्टर रश्मि गौतम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मंगलवार सुबह उनका शव कमरे के बाथरूम में मिला। शुरुआती तौर पर मौत का कारण हार्ट अटैक होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह रश्मि गौतम के पिता ने उन्हें कई बार फोन किया, लेकिन लगातार कॉल करने के बावजूद उन्होंने फोन नहीं उठाया। इससे चिंतित होकर पिता ने रश्मि के साथ रहने वाली एक अन्य महिला सब इंस्पेक्टर से संपर्क किया और बेटी से बात



कराने को कहा। इसके बाद उनकी साथी महिला दरोगा ने रश्मि के कमरे का दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला।काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर इसकी सूचना थाना प्रभारी को दी गई। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में कमरे का दरवाजा तोड़ा गया। अंदर पहुंचने पर रश्मि गौतम बाथरूम में मृत अवस्था में मिलीं। इस घटना से मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों में अफरा-तफरी मच गई।सूचना मिलने पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस मौत के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

बताया जा रहा है कि रश्मि गौतम वर्ष 2023 बैच की सब इंस्पेक्टर थीं और वर्ष 2024 से ग्रेटर नोएडा के जारचा थाने में तैनात थीं। वह मूल रूप से कानपुर नगर की रहने वाली थीं। उनके पिता भी उत्तर प्रदेश पुलिस में हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात हैं।फिलहाल शुरुआती तौर पर हार्ट अटैक की आशंका जताई जा रही है, लेकिन पुलिस का कहना है कि मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगी।

तीसरे मोर्चे और नए गठबंधन के ट्वीट पर भड़के ओम प्रकाश राजभर, बोले- तुरंत डिलीट करो, वरना पार्टी से निकाल दूंगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के एक नेता की ओर से नए गठबंधन और तीसरे मोर्चे की संभावना को लेकर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर की गई पोस्ट से सियासी हलचल तेज हो गई है। इस पोस्ट पर सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित नेता को चेतावनी दी है। राजभर ने साफ कहा कि पार्टी की अनुमति के बिना इस तरह के राजनीतिक बयान बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे और पोस्ट तत्काल हटाई जाए, अन्यथा संबंधित नेता को पार्टी से बाहर कर दिया जाएगा।

दरअसल, पीयूष मिश्रा नाम के सुभासपा नेता के सोशल मीडिया खाते से आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर एक राजनीतिक समीकरण का सुझाव दिया गया था। पोस्ट में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल, अपना दल (सोनेलाल), निषाद पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के एक साथ आकर चुनाव लड़ने की बात कही गई थी। इसमें इन पांचों दलों के गठबंधन को उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बड़ी तीसरी ताकत



बताया गया था। पोस्ट में जाट, राजभर, कुर्मी, निषाद और दलित मतदाताओं के सामाजिक एवं क्षेत्रीय आधार का उल्लेख करते हुए कहा गया था कि इन दलों की सबसे बड़ी ताकत सामाजिक न्याय हो सकती है। इस संभावित गठबंधन को लेकर राजनीतिक चर्चाएं शुरू हुईं तो सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने नाराजगी जाहिर की और इसे संबंधित नेता का व्यक्तिगत विचार बताया। राजभर ने कहा कि यह पोस्ट पार्टी की ओर से जारी नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पोस्ट देखी तो संबंधित नेता से इस बारे में पूछा। नेता ने इसे अपना व्यक्तिगत विचार बताया। इस पर राजभर ने उसे तत्काल पोस्ट हटाने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि पार्टी से अलग होकर किसी को जितना चाहें ट्वीट करने की स्वतंत्रता है, लेकिन पार्टी में रहते हुए बिना अनुमति इस तरह के बयान देना स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने दो टूक कहा कि यदि पोस्ट नहीं हटाई गई तो संबंधित नेता को पार्टी से निकाल दिया जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम के बीच ओम प्रकाश राजभर ने किसी तरह के राजनीतिक दबाव की बात से भी इनकार किया। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि गठबंधन में चार सहयोगी दल हैं और सभी को उनकी हिस्सेदारी के अनुसार सीटें मिलेंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने आप में एक बड़ी राजनीतिक पार्टी है।

एंबुलेंस सायरन बजाती रही, सड़क पर कारें खड़ी कर स्टंट और डांस करते रहे युवक, वीडियो वायरल होने पर पुलिस की कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ में सड़क पर हुड़दंग और स्टंटबाजी का मामला सामने आया है। यहां युवकों ने सड़क पर गाड़ियां खड़ी कर डांस और स्टंट किए। इस दौरान पीछे से दो एंबुलेंस सायरन बजाती हुई पहुंचीं, लेकिन युवकों ने उन्हें रास्ता देने की जहमत तक नहीं उठाई। हैरानी की बात यह रही कि इनमें से एक एंबुलेंस में मरीज भी सवार था। इसके बावजूद युवक सड़क पर अपनी मस्ती में मशगूल रहे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना सोमवार दोपहर बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के बछलौता मार्ग की है। यहां कुछ युवकों ने सड़क पर गाड़ियां खड़ी कर डांस और स्टंटबाजी शुरू कर दी। इसी दौरान पीछे से दो एंबुलेंस सायरन बजाती हुई वहां पहुंच गईं। सड़क पर गाड़ियां खड़ी होने और युवकों की गतिविधियों के कारण एंबुलेंस को रास्ता नहीं मिल सका।



काफी देर तक सायरन बजने के बावजूद युवकों ने रास्ता खाली नहीं किया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद बाबूगढ़ पुलिस हरकत में आई। वीडियो में युवक कारों पर खड़े होकर स्टंट करते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान करने के बाद कार्रवाई शुरू की। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और स्टंटबाजी में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो कार भी बरामद कर ली।

भोपाल मास्टर प्लान-2047 पर पहली सुनवाई में ही गरमाई सियासत, विधायक रामेश्वर शर्मा और पूर्व आईएएस कविंद्र कियावत आमने-सामने

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के प्रस्तावित मास्टर प्लान-2047 को लेकर आपत्तियों और सुझावों की सुनवाई के पहले ही दिन राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई। लालघाटी स्थित हुजूर तहसील कार्यालय में आयोजित सुनवाई के दौरान हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा और पूर्व वरिष्ठ नौकरशाह कविंद्र कियावत के बीच तीखी बहस देखने को मिली। पश्चिमी बायपास को एलिवेटेड कॉरिडोर के रूप में विकसित करने के सुझाव ने विवाद को जन्म दिया। इस दौरान मास्टर प्लान में शामिल करीब 10,600 आपत्तियों में से पहले दिन लगभग 200 पर सुनवाई हुई। पश्चिमी बायपास, आवासीय क्षेत्रों के व्यावसायीकरण, भवन निर्माण नियमों और फ्लोर एरिया रेशो जैसे मुद्दों पर नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और आपत्तिकर्ताओं ने अपनी बात रखी। विवाद की शुरुआत उस समय हुई जब पूर्व आईएएस अधिकारी कविंद्र कियावत ने प्रस्तावित पश्चिमी बायपास को एलिवेटेड कॉरिडोर के रूप में विकसित करने का सुझाव दिया। इस पर हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने कड़ा विरोध जताया।



कार चलाते समय बैंक के मुख्य प्रबंधक को आया हार्ट अटैक, बेकाबू कार ने एक कार और दो स्कूटरों को मारी टक्कर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के ग्वालियर में सोमवार शाम सिटी सेंटर इलाके में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक चलती कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर चल रहे अन्य वाहनों से टकरा गई। हादसे में एक कार और दो स्कूटर क्षतिग्रस्त हो गए। शुरुआत में मौके पर मौजूद लोगों को लगा कि कार चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए यह दुर्घटना की है, लेकिन जब राहगीर कार के पास पहुंचे तो अंदर का नजारा देखकर सभी हैरान रह गए। कार चला रहे यूनियन बैंक के मुख्य प्रबंधक गिरिराज बघेल ड्राइविंग सीट पर बेहोशी की हालत में मिले। बताया जा रहा है कि उन्हें कार चलाते समय अचानक हार्ट अटैक आया था। सीने में तेज दर्द उठने के बाद वे वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सके और कार सड़क पर दूसरे वाहनों से टकराती चली गई। यह घटना सिटी सेंटर क्षेत्र में एम्पायर अपार्टमेंट के सामने हुई। जानकारी के अनुसार, यूनियन बैंक के मुख्य प्रबंधक गिरिराज बघेल सोमवार शाम अपनी कार से कहीं जा रहे थे। सब कुछ सामान्य चल रहा था, लेकिन रास्ते में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। बताया जा रहा है कि उन्हें सीने में तेज दर्द महसूस हुआ। अचानक दर्द बढ़ने के कारण वे कार को



ठीक से नियंत्रित नहीं कर पाए। इसी दौरान कार सड़क पर अनियंत्रित हो गई और आगे चल रही एक कार तथा दो स्कूटरों से टकरा गई। कुछ ही पलों में सड़क पर दुर्घटना जैसी स्थिति बन गई और आसपास मौजूद लोगों का ध्यान तेज टक्कर की आवाज की ओर चला गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार की टक्कर इतनी अचानक हुई कि आसपास के लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। एक के बाद एक वाहनों से टकराने के बाद कार रुक गई। सड़क पर मौजूद लोगों ने जब क्षतिग्रस्त वाहनों को देखा तो वे तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। शुरुआत में लोगों को लगा कि कार चालक ने तेज रफ्तार या लापरवाही के कारण वाहन पर नियंत्रण खोया होगा। कुछ लोग कार चालक से बात करने के लिए उसके पास पहुंचे, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। जब लोगों ने ध्यान से देखा तो गिरिराज बघेल ड्राइविंग सीट पर बेहोश पड़े थे। इसके बाद वहां मौजूद लोगों को समझ आया कि मामला केवल सड़क दुर्घटना का नहीं, बल्कि चालक की अचानक बिगड़ी तबीयत से भी जुड़ा हो सकता है। आशंका जताई जा रही है कि सीने में तेज दर्द और अचानक घबराहट के कारण गिरिराज बघेल वाहन को नियंत्रित नहीं कर सके। यह भी बताया जा रहा है कि उस समय वे ब्रेक लगाने के बजाय गलती से एक्सीलेटर दबा बैठे, जिससे कार की गति बढ़ गई और वह आगे चल रहे वाहनों से टकरा गई। हालांकि, इस संबंध में वास्तविक स्थिति की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। फिलहाल सामने आई जानकारी के अनुसार, कार चलाते समय उनकी तबीयत अचानक बिगड़ी और इसी वजह से दुर्घटना हुई।

राहगीरों ने दिखाई मानवता, तत्काल दिया सीपीआर

हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने जिस तरह से स्थिति को संभाला, वह मानवीय संवेदनशीलता की मिसाल बन गया। कार के अंदर चालक को बेहोश देखकर राहगीरों ने वाहन को हुए नुकसान या दुर्घटना की जिम्मेदारी तय करने के बजाय सबसे पहले उनकी जान बचाने पर ध्यान दिया। लोगों ने तत्काल मदद के लिए प्रयास शुरू किए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मौके पर मौजूद लोगों ने गिरिराज बघेल को सीपीआर दिया, ताकि उन्हें तुरंत प्राथमिक सहायता मिल सके। इसके बाद उन्हें बिना देरी किए निजी अस्पताल पहुंचाया गया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों के लिए यह समझना जरूरी हो गया था कि कार के चालक की हालत सामान्य नहीं है। सड़क पर हुई टक्कर के कारण आसपास भीड़ जमा हो गई थी। इस दौरान कुछ लोग क्षतिग्रस्त वाहनों को देख रहे थे, जबकि अन्य लोग चालक की मदद में जुट गए। राहगीरों की तत्परता के कारण उन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। घटना ने यह भी दिखाया कि सड़क दुर्घटना के समय केवल नुकसान और जिम्मेदारी पर ध्यान देने के बजाय जरूरतमंद व्यक्ति को समय पर सहायता देना कितना महत्वपूर्ण है।

एक कार और दो स्कूटरों को पहुंचा नुकसान

इस हादसे में गिरिराज बघेल की कार के अलावा सड़क पर मौजूद एक अन्य कार और दो स्कूटर भी टक्कर की चपेट में आ गए। अचानक हुई टक्कर के कारण इन वाहनों को नुकसान पहुंचा। हादसे के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर लोगों की आवाजाही और आसपास की गतिविधियां प्रभावित हुईं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार के अनियंत्रित होने और लगातार वाहनों से टकराने के कारण मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। लोग यह जानने की कोशिश कर रहे थे कि आखिर कार अचानक बेकाबू कैसे हो गई। जब चालक की तबीयत बिगड़ने की जानकारी सामने आई तो लोगों का ध्यान दुर्घटना के कारणों की ओर गया।

धारावी में म्यूल बैंक खातों के बड़े रैकेट का भंडाफोड़, वसीम खान गिरफ्तार; घर से 56 डेबिट कार्ड और 32 सिम कार्ड बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट-8 ने धारावी इलाके में कार्रवाई करते हुए म्यूल बैंक खातों के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में 36 वर्षीय वसीम जावेद खान को गिरफ्तार किया है। आरोपी के घर की तलाशी के दौरान 56 डेबिट कार्ड, 32 सिम कार्ड, बैंक पासबुक, चेकबुक और कई संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए गए हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि इस नेटवर्क के जरिए ऑनलाइन ठगी, गेमिंग ऐप और साइबर अपराध से प्राप्त अवैध रकम को अलग-अलग बैंक खातों के माध्यम से इधर-उधर किया जाता था। पुलिस के मुताबिक, इस पूरे नेटवर्क का मुख्य सूत्रधार सागर नाम का व्यक्ति है, जो गोवा से इसे संचालित कर रहा था। क्राइम ब्रांच यूनिट-8 के अधिकारियों को गोपनीय सूचना मिली थी कि धारावी के नेहरू सोसायटी इलाके में रहने वाला वसीम खान मुंबई के विभिन्न बैंकों में लोगों के नाम पर नए खाते खुलवा रहा है। इसके बाद वह इन खातों से संबंधित डेबिट कार्ड, बैंकिंग दस्तावेज और लिंक किए गए सिम कार्ड अपने कब्जे में रखता था। संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और सूचना की पुष्टि होने पर देर रात आरोपी के घर पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान पुलिस को विभिन्न बैंकों के कुल 56 डेबिट कार्ड मिले। इनमें से 23 कार्ड के साथ अलग-अलग कंपनियों के सिम कार्ड भी जुड़े हुए थे। इसके अलावा 32 खुले सिम कार्ड, तीन चेकबुक, चार खाली चेक, बैंक पासबुक और एक डायरी बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, डायरी में संदिग्ध बैंक खातों और उनसे जुड़े लेनदेन का हिसाब-किताब दर्ज था। इसके साथ ही आरोपी के पास से नथिंग ब्रांड का एक मोबाइल फोन भी मिला, जिसे जांच के लिए कब्जे में लिया गया है।

आरएसएस और भाजपा देश में विभाजन पैदा कर रही हैं, मोहन भागवत के बयान पर भड़के कांग्रेस नेता हुसैन दलवई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के देश में विभाजन और सामाजिक टकराव को लेकर दिए गए बयान पर कांग्रेस नेता हुसैन दलवई ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर समाज में आपसी मतभेद और विभाजन पैदा करने का आरोप लगाया। दलवई ने कहा कि मोहन भागवत को दूसरों को नसीहत देने से पहले अपने संगठन और उससे जुड़े लोगों की गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नितेश राणे के बयानों पर भी सवाल उठाते हुए भाजपा की नीतियों और विपक्ष के प्रति उसके रवैये की आलोचना की। दरअसल, मोहन भागवत ने अपने बयान में कहा था कि दुनिया की कुछ ताकतें भारत को महान बनते हुए नहीं देखना चाहतीं। भारत लगातार आगे बढ़ रहा है, लेकिन छोटी-छोटी पहचानों के आधार पर समाज में टकराव पैदा करने और देश को बांटने की कोशिश की जा रही है। इसी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए हुसैन दलवई ने कहा कि आरएसएस, उसके विभिन्न संगठन और भाजपा खुद वही काम कर रहे हैं, जिसकी चिंता मोहन भागवत जता रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदुत्व के नाम पर समाज में विभाजन पैदा किया जा रहा है। दलवई के अनुसार, पहले अपने लोगों को देश में झगड़े और सामाजिक दरार पैदा करने से रोकना चाहिए, उसके बाद दूसरों को नसीहत देनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से राहुल गांधी को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को बदनाम नहीं करने की सलाह दिए जाने पर भी दलवई ने पलटवार किया। उन्होंने सवाल उठाया कि भारत को बदनाम करने के लिए राहुल गांधी की जरूरत क्यों पड़ेगी? उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मौजूदा भाजपा सरकार की नीतियों और कामकाज के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि प्रभावित हो रही है। दलवई ने कहा कि सरकार की आलोचना करना और उसकी नीतियों पर सवाल उठाना देश को बदनाम करना नहीं है।



अजित पवार विमान हादसे को लेकर रोहित पवार के गंभीर आरोप, फडणवीस पर वीएसआर कंपनी के मालिक को बचाने का लगाया आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के विधायक रोहित पवार ने पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में हुई मौत को लेकर एक बार फिर कई गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने हादसे के पीछे साजिश की आशंका जताते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर विमानन कंपनी वीएसआर एविएशन के मालिक और सह-संचालक रोहित सिंह को बचाने का आरोप लगाया। रोहित पवार ने हादसे की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उन्होंने यह भी दावा किया कि जिस व्यक्ति को मफलरमैन कहा जा रहा है, वह कोई और नहीं बल्कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि मफलरमैन का अजित पवार के विमान हादसे से सीधा संबंध नहीं है। सोमवार को मुंबई के यशवंतराव चव्हाण सेंटर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित पवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और वीएसआर एविएशन के मालिक रोहित सिंह की एक तस्वीर भी जारी की। उनके अनुसार, यह तस्वीर एक विवाह समारोह की है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री और रोहित सिंह के बीच नजदीकी संबंध हैं और इसी वजह से विमानन कंपनी के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हो रही है। रोहित पवार ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू पर भी सवाल उठाए। उनका दावा है कि केंद्रीय मंत्री के वीएसआर कंपनी के साथ अच्छे संबंध हैं, जिससे जांच की निष्पक्षता को लेकर संदेह पैदा होता है। दूसरी ओर, भाजपा ने रोहित पवार के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि केवल एक तस्वीर के आधार पर इस तरह के गंभीर आरोप लगाना उचित नहीं है। रोहित पवार ने कहा कि उनका पूरा विश्वास है कि देवेंद्र फडणवीस ही वह नेता हैं, जिन्होंने वीके सिंह और वीएसआर कंपनी को बचाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के पास सरकार और जांच एजेंसियों से जुड़े अधिकार हैं। प्रधानमंत्री और केंद्रीय जांच एजेंसियां भी उनकी बात सुन सकती हैं, इसके बावजूद अब तक मामले में ठोस जांच क्यों नहीं हुई, यह बड़ा सवाल है। रोहित पवार के मुताबिक, मुख्यमंत्री और वीके सिंह के बीच करीबी संबंध होने के कारण कंपनी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के पास जांच आगे बढ़ाने के पर्याप्त अधिकार होने के बावजूद मामले को आगे नहीं बढ़ाया जा रहा। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान रोहित पवार ने दावा किया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जयपुर में वीके सिंह के एक कार्यक्रम में मौजूद थे। उन्होंने सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि यदि उनके आरोप गलत हैं तो उनकी जांच कराई जाए। रोहित पवार ने चेतावनी दी कि वर्तमान सरकार ने भले ही वीके सिंह और उनकी कंपनी को बचाने की कोशिश की हो, लेकिन भविष्य में उनकी पार्टी की सरकार बनने पर इस मामले में जिम्मेदार लोगों को नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि अजित पवार को न्याय दिलाना उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि यदि वे अपने चाचा को न्याय नहीं दिला सके तो आम लोगों को न्याय दिलाने के अपने दावे पर कैसे खरे उतरेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में आवाज उठाने से उनकी राजनीतिक स्थिति पर असर पड़ सकता है, लेकिन वे इससे पीछे नहीं हटेंगे।



आम जनता के लिए खुलेगा दिल्ली का चर्चित 'शीश महल', टिकट लेकर कर सकेंगे दीदार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली का चर्चित 'शीश महल' अब आम लोगों के लिए खोला जाएगा। दिल्ली सरकार ने इस आलीशान बंगले को जनता के लिए खोलने का बड़ा फैसला लिया है। अब तक राजनीतिक आरोपों और विवादों का केंद्र रहे इस आवास को लोग खुद अपनी आंखों से देख सकेंगे। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि पहले इस बंगले को स्टेट गेस्ट हाउस में बदलने की योजना बनाई गई थी, लेकिन लोगों की दिलचस्पी और जनता की मांग को देखते हुए अब इसे आम नागरिकों के लिए खोलने का निर्णय लिया गया है। यहां प्रवेश के लिए टिकट की व्यवस्था होगी। टिकट कैसे मिलेगा, ऑनलाइन बुकिंग होगी या रिजर्वेशन की क्या प्रक्रिया रहेगी, इसकी विस्तृत जानकारी सरकार जल्द सार्वजनिक करेगी। मंत्री प्रवेश वर्मा के अनुसार, सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में ही 'शीश महल' को स्टेट गेस्ट हाउस में बदलने का फैसला लिया गया था। हालांकि, बाद में इस स्थान को देखने के लिए लोगों की बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए योजना में बदलाव किया गया। अब सरकार चाहती है कि आम नागरिक इस बंगले के अंदर जाकर इसकी बनावट, सजावट और यहां उपलब्ध सुविधाओं को देख सकें। इसके लिए प्रवेश और बुकिंग से जुड़ी व्यवस्था तैयार की जा रही है। प्रवेश वर्मा ने बताया कि आम जनता के लिए शीश महल खोलने से पहले देश की मीडिया को इसका दौरा कराया जाएगा। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि एक समय उन्होंने सरकारी गाड़ी और सरकारी बंगले का इस्तेमाल नहीं करने की बात कही थी, लेकिन बाद में कई मौजूदा बंगलों, सेवक आवासों और गैराजों को तुड़वाकर इस आलीशान आवास का निर्माण कराया गया। मंत्री ने आरोप लगाया कि बंगले के निर्माण में जिस तरह की सुविधाओं और महंगे सामान का इस्तेमाल किया गया, वह कई सवाल खड़े करता है। मंत्री प्रवेश वर्मा ने शीश महल में मौजूद सुविधाओं का जिक्र करते हुए स्मार्ट लाइटिंग, करोड़ों रुपये के पर्दे और वियतनाम से मंगवाए गए संगमरमर का उल्लेख किया। उनके मुताबिक, बंगले के प्रत्येक कमरे में स्मार्ट लाइटिंग की व्यवस्था की गई है और अंदर कई ऐसी सुविधाएं मौजूद हैं, जिन्हें देखकर लोग खुद इसकी भव्यता का अंदाजा लगा सकेंगे। सरकार का कहना है कि मीडिया को पहले पूरे परिसर का दौरा कराया जाएगा, ताकि निर्माण और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी सार्वजनिक रूप से सामने आ सके। प्रवेश वर्मा ने इस बंगले को दिल्ली में भ्रष्टाचार का बड़ा उदाहरण बताते हुए कहा कि सरकार इसे पूरी तरह जनता के सामने लाना चाहती है। उनका कहना है कि आम लोगों को यहां के कमरों, सजावट और सुविधाओं को प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर मिलेगा। हालांकि, बंगले के निर्माण और खर्च को लेकर लगाए गए आरोपों पर अंतिम निष्कर्ष तथ्यों और आधिकारिक दस्तावेजों के आधार पर ही निकाला जा सकेगा। गौरतलब है कि शीश महल लंबे समय से दिल्ली की राजनीति में विवाद और आरोप-प्रत्यारोप का प्रमुख मुद्दा रहा है। अब दिल्ली सरकार के इसे आम लोगों के लिए खोलने के फैसले के बाद यह एक बार फिर चर्चा में आ गया है। फिलहाल लोगों को इसके खुलने की तारीख, टिकट की कीमत और बुकिंग प्रक्रिया की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।



सरकार जल्द जारी करेगी बुकिंग की जानकारी...

दिल्ली के शाहदरा में मकान की छत गिरने से बड़ा हादसा, 3 साल के मासूम समेत 2 की मौत, 4 घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

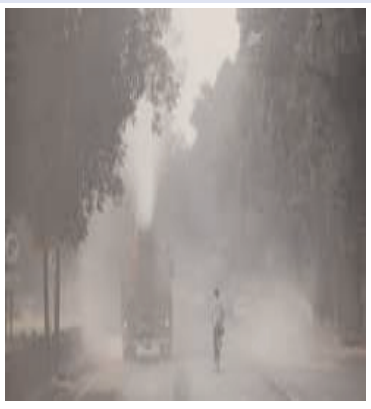
दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के शाहदरा जिले के कस्तूरबा नगर इलाके में मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक पुराने और जर्जर मकान की छत अचानक गिर गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के समय मकान में मौजूद करीब 6 लोग मलबे के नीचे दब गए। इस दुर्घटना में 3 साल के मासूम बच्चे समेत 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, हादसा मंगलवार सुबह करीब 10 बजकर 13 मिनट पर हुआ। दिल्ली अग्निशमन सेवा को मकान गिरने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग और अन्य बचाव दल की टीमें तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गईं। राहत एवं बचाव कार्य शुरू करते हुए टीमों ने स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद मलबे में दबे सभी 6 लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद सभी को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान दो लोगों ने दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान 35 वर्षीय पिंटू और 3 साल के बच्चे के रूप में हुई है।प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त मकान भूतल और पहली मंजिल का बना हुआ था। यह मकान करीब 50 से 60 साल पुराना था और लंबे समय से जर्जर हालत में था। स्थानीय लोगों के अनुसार, जिस स्थान पर यह हादसा हुआ है, वहां से लेकर आगे तक की जमीन रेलवे की संपत्ति है। बताया जा रहा है कि इस जमीन पर पिछले 50 से 60 वर्षों से लोगों ने अतिक्रमण कर मकान बना रखे हैं। इसी क्षेत्र में स्थित यह मकान भी काफी पुराना होने के कारण कमजोर हो चुका था।स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक पिंटू इसी मकान में रहते थे और गच्चे (गजक) बनाने का काम करते थे। घटनास्थल के पास से रेलवे लाइन गुजरती है। लोगों का कहना है कि रेलवे ट्रैक से गुजरने वाली ट्रेनों के कारण आसपास के मकानों में कंपन महसूस होता रहता है। ऐसे में पुराने और कमजोर मकानों की स्थिति को लेकर क्षेत्र के लोगों में पहले से ही चिंता बनी हुई थी।हादसे के बाद मृतक पिंटू के जीजा ने बताया कि वह पिछले करीब 10 वर्षों से परिवार को मकान की जर्जर हालत के बारे में चेतावनी देते हुए घर खाली करने की सलाह दे रहे थे, लेकिन परिवार ने मकान खाली नहीं किया। वहीं, स्थानीय निवासियों का कहना है कि आसपास बने अधिकांश मकान भी करीब 40 से 50 साल पुराने हैं। कई मकानों की छतों और निर्माण की स्थिति ठीक नहीं है तथा इमारतें काफी जर्जर हो चुकी हैं।इलाके के लोगों के अनुसार, यहां बड़ी संख्या में पुराने और कमजोर मकान मौजूद हैं, जिनके कारण हमेशा किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है।



दिल्ली की हवा में मामूली सुधार, फिर भी प्रदूषण का कहर बरकरार; कई इलाकों में AQI 300 के पार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में मंगलवार को वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार देखने को मिला, लेकिन इसके बावजूद प्रदूषण का स्तर अब भी चिंताजनक बना हुआ है। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 के पार दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, राजधानी के कई प्रमुख इलाकों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब बनी हुई है। वहीं, एनसीआर के कुछ शहरों में दिल्ली की तुलना में स्थिति थोड़ी बेहतर दर्ज की गई। दिल्ली के सिरीफोर्ट और जाफरपुर में सबसे अधिक 349 एक्यूआई दर्ज किया गया। इसके अलावा राष्ट्रमंडल खेल परिसर में 344, आईटीओ में 342, पूसा और तालकटोरा गार्डन में 334 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया। चांदनी चौक में 321, नॉर्थ कैंपस में 317 और आईआईटी दिल्ली में 307 एक्यूआई दर्ज हुआ। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) क्षेत्र में भी एक्यूआई 302 रहा। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि राजधानी के कई हिस्सों में प्रदूषण का स्तर अब भी बहुत खराब श्रेणी में बना हुआ है। हालांकि, दिल्ली के कुछ इलाकों में वायु गुणवत्ता की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर रही। लोधी रोड में एक्यूआई 192, मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में 198 और इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 227 दर्ज किया गया। इन क्षेत्रों में प्रदूषण का स्तर अन्य प्रमुख इलाकों की तुलना में कम रहा, लेकिन हवा पूरी तरह साफ नहीं कही जा सकती। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की बात करें तो गुरुग्राम में एक्यूआई 300 दर्ज किया गया, जबकि गुरुग्राम के सेक्टर-51 में यह बढ़कर 314 पहुंच गया। फरीदाबाद में 184, ग्रेटर नोएडा में 179 और नोएडा तथा गाजियाबाद में 195 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया। आंकड़ों के अनुसार, एनसीआर के कुछ शहरों में हवा की गुणवत्ता दिल्ली के मुकाबले बेहतर रही, लेकिन कई स्थानों पर प्रदूषण का स्तर अब भी चिंता का विषय बना हुआ है। एनसीआर के प्रमुख शहरों में दर्ज एक्यूआई के आंकड़े इस प्रकार रहे। गुरुग्राम में 300, सेक्टर-51 गुरुग्राम में 314, फरीदाबाद में 184, ग्रेटर नोएडा में 179 और नोएडा तथा गाजियाबाद में 195 एक्यूआई दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों के अनुसार, 0 से 50 तक एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 तक संतोषजनक, 101 से 200 तक मध्यम, 201 से 300 तक खराब, 301 से 400 तक बहुत खराब और 401 से 500 तक गंभीर श्रेणी में रखा जाता है। इस वर्गीकरण के अनुसार दिल्ली के कई इलाकों में हवा की स्थिति बहुत खराब बनी हुई है। प्रदूषण का बढ़ता स्तर लोगों के स्वास्थ्य के लिए चिंता बढ़ा रहा है। विशेष रूप से सांस और हृदय संबंधी बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए खराब वायु गुणवत्ता स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ा सकती है। दिल्ली-एनसीआर में हवा की गुणवत्ता में मामूली सुधार के बावजूद प्रदूषण से राहत नहीं मिल पाई है और लोगों को अभी भी साफ हवा का इंतजार है।



दिल्ली में फिर गैंगवार! खजूरी खास में 25 से अधिक राउंड फायरिंग, गैंग से जुड़े 25 वर्षीय युवक समीर उर्फ भूरा की हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर गैंगवार की घटना सामने आई है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में सोमवार देर शाम बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर 25 वर्षीय युवक समीर उर्फ भूरा की हत्या कर दी। वारदात के दौरान 25 से अधिक राउंड गोलियां चलने की जानकारी सामने आई है। गंभीर रूप से घायल समीर को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस को इस हत्याकांड के पीछे अनवर ठाकुर-हारून और नसीम दुर्दानी गैंग के बीच पुरानी रंजिश होने का शक है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सोमवार देर शाम जीरो पुश्ता स्थित कैंप कार्यालय के पास गोलीबारी की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और खून से लथपथ युवक को अस्पताल पहुंचाया। मृतक की पहचान समीर उर्फ भूरा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि समीर अनवर ठाकुर-हारून गैंग से जुड़ा हुआ था। बाइक सवार बदमाशों ने उसे निशाना बनाते हुए लगातार गोलियां चलाईं और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। समीर को 8 से 9 गोलियां लगने की जानकारी सामने आई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस हत्या के पीछे हारून के प्रतिद्वंद्वी नसीम दुर्दानी गैंग का हाथ होने का संदेह है। सूत्रों का दावा है कि नसीम दुर्दानी भी वारदात के समय घटनास्थल पर मौजूद था और उसने फायरिंग की थी। हालांकि, इस संबंध में पुलिस की जांच जारी है। घटना के समय समीर के साथ उसका एक दोस्त भी मौजूद था, जिसने किसी तरह मौके से भागकर अपनी जान बचाई। पुलिस अब घटनास्थल और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि हमलावरों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जा सके। बताया जा रहा है कि दोनों गैंग के बीच पिछले करीब एक साल में चार से अधिक हत्याएं हो चुकी हैं। कुछ समय पहले हारून के चाचा राजा मेवाती की हत्या हुई थी। इसके बाद बदले की कार्रवाई में राशिद की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में क्राइम ब्रांच ने मुठभेड़ के बाद दो नाबालिग शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया था।



नागपुर में चलती बस बनी आग का गोला, देखते ही देखते जलकर हुई खाक; बस में सवार थे 13 यात्री, सभी सुरक्षित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर-उमरेड मार्ग पर मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहां 13 यात्रियों को लेकर जा रही एक चलती बस में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरी बस लपटों से घिर गई और देखते ही देखते जलकर खाक हो गई। घटना के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, समय रहते सभी 13 यात्रियों को बस से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार, घटना मंगलवार सुबह करीब 6 बजे की है। बस नागपुर शहर से उमरेड की ओर जा रही थी। इसी दौरान अचानक बस से धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं। बस में आग फैलती देख यात्रियों में दहशत का माहौल बन गया। स्थिति को समझते हुए यात्रियों को तुरंत बस से नीचे उतारा गया। राहत की बात रही कि सभी 13 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी को कोई चोट नहीं आई। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम दमकल वाहनों के साथ मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने तत्काल आग बुझाने का अभियान शुरू किया और काफी प्रयासों के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, आग इतनी भीषण थी कि उसने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही समय में बस बुरी तरह जलकर खाक हो गई। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें बस से घना काला धुआं उठता दिखाई दे रहा है। वीडियो में आग की ऊंची लपटें पूरी बस को घेरे हुए नजर आ रही हैं। आग की भयावहता को देखते हुए मौके पर मौजूद लोगों में भी चिंता का माहौल बन गया था। दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई और समय रहते यात्रियों को बाहर निकालने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया।



तराली पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट पर वन विभाग का बड़ा एक्शन, काम रोकने का नोटिस जारी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

सतारा। महाराष्ट्र के सतारा जिले में तराली पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सतारा वन विभाग ने 13 नवंबर 2026 को परियोजना का काम तत्काल रोकने के लिए नोटिस जारी किया है। यह नोटिस परियोजना प्रबंधक और अडानी रिन्यूएबल एनर्जी वन लिमिटेड, मुंबई को भेजा गया है। वन विभाग ने निरीक्षण के दौरान आवश्यक वन्यजीव संबंधी मंजूरी के बिना परियोजना का काम शुरू किए जाने का मामला सामने आने के बाद यह कदम उठाया है। विभाग ने इसे वन और वन्यजीव संरक्षण से जुड़े नियमों का उल्लंघन मानते हुए गंभीर मामला बताया है। वन विभाग के निरीक्षण में पता चला कि राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) से आवश्यक मंजूरी प्राप्त किए बिना ही परियोजना का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया था। विभाग ने इस मामले में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 और महाराष्ट्र वृक्ष कटाई (विनियमन) अधिनियम, 1964 का उल्लेख किया है। अधिकारियों के अनुसार, किसी भी परियोजना को संबंधित कानूनी प्रावधानों और आवश्यक अनुमतियों के तहत ही आगे बढ़ाया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी मंजूरी के बिना काम शुरू किए जाने को लेकर कंपनी से जवाब मांगा गया है। नोटिस में कंपनी को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि जब तक संबंधित अधिकारियों और राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड से आवश्यक मंजूरी प्राप्त नहीं हो जाती, तब तक परियोजना स्थल पर सभी गतिविधियां तत्काल प्रभाव से बंद रखी जाएं। इसके साथ ही कंपनी को नोटिस मिलने के तीन दिनों के भीतर वन विभाग के कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित स्पष्टीकरण देना होगा। कंपनी को यह भी बताना होगा कि राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की अनुमति प्राप्त किए बिना परियोजना का काम किस आधार पर शुरू किया गया। वन विभाग ने कंपनी से परियोजना क्षेत्र में पेड़ों की कटाई के लिए प्राप्त अनुमति का मूल दस्तावेज भी जमा करने को कहा है। इसके साथ ही अब तक काटे गए पेड़ों की कुल संख्या का विवरण, परियोजना से संबंधित सभी कानूनी मंजूरी पत्र और आवश्यक नक्शे भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग इन दस्तावेजों के माध्यम से यह जांच करना चाहता है कि परियोजना के लिए निर्धारित नियमों और अनुमति संबंधी शर्तों का पालन किया गया है या नहीं। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि यदि कंपनी तीन दिनों के भीतर संतोषजनक जवाब और आवश्यक अनुमति से जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करती है तथा परियोजना का काम जारी रहता है, तो वन कानूनों के तहत उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जरूरी मंजूरियां प्राप्त होने तक परियोजना स्थल पर काम आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। गौरतलब है कि तराली पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट इससे पहले भी अपनी अनुमानित लागत को लेकर चर्चा में रहा है। परियोजना की लागत को कम करके दिखाने के आरोप भी सामने आए थे, हालांकि अडानी समूह ने इन आरोपों को गलत बताया था। अब वन विभाग की ओर से काम रोकने का नोटिस जारी किए जाने के बाद यह परियोजना एक बार फिर चर्चा में आ गई है। फिलहाल कंपनी के जवाब, आवश्यक दस्तावेजों और वन विभाग की आगे की कार्रवाई पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं।

भारत ने अमेरिकी बॉन्ड में भारत का 38.4 अरब डॉलर का निवेश

अमेरिका में 220 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली ।

भारत ने अमेरिकी सरकारी बॉन्ड (यूएस ट्रेजरी) में अपना निवेश तेजी से बढ़ाया है। अगस्त 2026 तक अमेरिकी बॉन्ड में भारत का निवेश बढ़कर 219.7 अरब डॉलर यानी 220 अरब डॉलर हो गया है। मई 2026 में यह निवेश 181.3 अरब डॉलर था। इस तरह महज तीन महीने में भारत ने अमेरिकी बॉन्ड में 38.4 अरब डॉलर का अतिरिक्त निवेश किया है। यह करीब 21 प्रतिशत की वृद्धि है। भारतीय बैंकों में विदेशी मुद्रा अनिवासी जमा के जरिए बड़ी मात्रा में डॉलर आने से विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत हुआ है। इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय वित्तीय स्थिति को मजबूती मिली है. दूसरे देशों की संपत्तियों में निवेश की क्षमता बढ़ी है।

सरकार ने डीजल, विमान ईंधन के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ाया

नई दिल्ली।

देश में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि का अनुचित लाभ रोकने के उद्देश्य से सरकार ने 16 नवंबर से डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ा दिया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, अब विमान ईंधन के निर्यात पर 12.5 रुपये प्रति लीटर (पहले 11.5 रुपये) का विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगेगा। वहीं, पेट्रोल के निर्यात पर यह शुल्क शून्य ही रखा गया है। यह नया शुल्क तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। यह कर पश्चिम एशिया संकट के कारण बढ़ी कच्चे तेल की कीमतों के बीच निर्यातकों को अनुचित लाभ उठाने से रोकने और घरेलू बाजार में ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखने के लिए लगाया गया है। सरकार हर पखवाड़े इसकी समीक्षा करती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल की खुदरा दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

सिप्ला पर डीआरआई का छापा

नई दिल्ली ।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने आयातित दवाओं के वर्गीकरण और छूट से संबंधित एक मामले में फार्मा कंपनी सिप्ला के मुंबई स्थित विक्रोली कार्यालय और ठाणे के भिवंडी स्थित गोदाम पर तलाशी अभियान चलाया।कंपनी ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को दी गई जानकारी में बताया कि यह तलाशी सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 105 के तहत ली गई थी। सिप्ला ने अधिकारियों को पूरा सहयोग देने की बात कही है। कंपनी के अनुसार, इस कार्रवाई का उसके वित्तीय प्रदर्शन या परिचालन पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ा है।

भारतीय आसमान में नए विमानों की बहार, 1000 और विमानों का ऑर्डर जल्द

नई दिल्ली ।

भारत में हवाई यात्रा के बढ़ते चलन के बीच देश की एयरलाइन कंपनियां जल्द ही 1,000 और सिविल एयरक्राफ्ट का ऑर्डर देने की तैयारी में हैं।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मिस्र दौरे पर यह जानकारी दी, साथ ही बताया कि देश को 2,000 से अधिक विमानों की आवश्यकता है। पीयूष गोयल ने बताया कि भारत ने अब तक 1,200 से अधिक विमानों के ऑर्डर दिए हैं, लेकिन बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 2,000 से ज्यादा विमानों की आवश्यकता होगी। इसी को देखते हुए अतिरिक्त 1,000 विमानों का ऑर्डर देने की तैयारी है। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है, जहां हवाई यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिससे विमानों की कमी महसूस हो रही है। मंत्रालय मौजूदा ऑर्डर की त्वरित डिलीवरी के लिए एयरबस और बोइंग जैसी कंपनियों से संपर्क में है, क्योंकि डिलीवरी में लंबा समय लगता है। इसके साथ ही, भारत विमानों के घरेलू निर्माण को भी बढ़ावा दे रहा है। एयरबस की भारत में दो असेंबली लाइनें हैं और बोइंग व एयरबस देश से सालाना 2 अरब डॉलर के कलपुर्जे भी खरीदते हैं। ब्राजील की एम्ब्रेयर और अदाणी ग्रुप भी क्षेत्रीय विमानों के निर्माण की संभावना तलाश रहे हैं। इन नए विमानों से एयरलाइंस को उड़ानें बढ़ाने और भारत-मिस्र जैसी अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी, जिससे यात्रियों को व्यापक विकल्प उपलब्ध होंगे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 427, निफ्टी 96 अंक ऊपर आया

मुंबई ।



भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतें घटने से भी बाजार में उत्साह का माहौल है।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 427.40 अंक उछलकर 82,532.19 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसस निफ्टी 50 96.30 अंक की बढ़त के साथ ही 25,387.40 पर पहुंच गया।

आज निफ्टी में अदाणी एंटरप्राइजेज, आयशर मोटर्स, मैक्स हेल्थ, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक और एम एंड एम के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे, जबकि एचसीएल टेक्नोलॉजीज, पावर ग्रिड कॉर्प, एचडीएफसी लाइफ, ओएनजीसी, कोल इंडिया, इंफोसिस और टीएमपीवी के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।

वहीं व्यापक बाजारों की बात करें तो निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी आई जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.22 फीसदी की गिरावट रही। सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी बैंक में सबसे ज्यादा 1.13 फीसदी की तेजी आई, और से अपने शीर्ष स्तर 62,442.20 पर पर पहुंचा।

वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक में 1.95 फीसदी, निफ्टी रियल्टी में 1.94 फीसदी, निफ्टी ऑटो में 0.72 फीसदी, निफ्टी मीडिया में 0.64 फीसदी और निफ्टी मेटल में 0.58 फीसदी का उछाल आया। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी के साथ शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 82349 और निफ्टी 25358 तक उछले।

रुपया बढ़त के साथ बंद



मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 45 पैसे की बढ़त के साथ ही 93.49 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 31 पैसे मजबूत होकर 93.63 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, विदेशी पूंजी के मजबूत प्रवाह और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख से घरेलू मुद्रा को बल मिला। इससे अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.72 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में बढ़त दर्ज करते हुए 93.63 प्रति डॉलर पर पहुंच गया ये पिछले बंद भाव के मुकाबले 31 पैसे की बढ़त है। वहीं इससे पहले रुपया सोमवार को 25 पैसे मजबूत होकर 93.94 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी बढ़कर 103.50 पर आ गया।

भारतीय बागवानी में बंपर उछाल, 2025-26 में रिकॉर्ड उत्पादन का अनुमान

रकबा घटने के बावजूद 38.69 करोड़ टन उत्पादन की संभावना

नई दिल्ली ।

भारत का बागवानी उत्पादन फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) में रिकॉर्ड 38.69 करोड़ टन तक पहुंचने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 37.07 करोड़ टन से 4.36 प्रतिशत अधिक होगा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को सरकार का तीसरा अग्रिम अनुमान जारी करते हुए यह जानकारी दी। यह वृद्धि ऐसे समय में अनुमानित है जब बागवानी फसलों का कुल रकबा एक साल पहले के 3.01 करोड़ हेक्टेयर से घटकर 2.97 करोड़ हेक्टेयर रहने की संभावना है। कृषि मंत्री चौहान ने इस अभूतपूर्व वृद्धि का श्रेय किसानों के पारंपरिक खेती से हटकर फल, सब्जियां, फूल, मसाले और औषधीय पौधों जैसी व्यावसायिक फसलों की ओर बढ़ते रुझान तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की किसान-हितैषी नीतियों को दिया। उन्होंने कहा कि यह रुझान न केवल किसानों के लिए आय के नए स्रोत खोल रहा है, बल्कि देश की पोषण सुरक्षा को मजबूत करते हुए कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और प्रगति के नए अवसर भी पैदा कर रहा है। अनुमानों के अनुसार, 2025-26 में फल उत्पादन 4.60 प्रतिशत बढ़कर 12.30 करोड़ टन और सब्जियों का उत्पादन 4.35 प्रतिशत बढ़कर 22.72 करोड़ टन रहने का अनुमान है।

सेविंग अकाउंट में भी मिलेगा फिक्स्ड डिपॉजिट का धांसू ब्याज!

स्वीप-इन एफडी सुविधा से पाएं अतिरिक्त पैसों पर ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली।

क्या आपके सेविंग अकाउंट में अक्सर कुछ अतिरिक्त पैसे निष्क्रिय पड़े रहते हैं और आप उन पर मिलने वाले कम ब्याज से नाखुश हैं? यदि हां, तो बैंक की स्वीप-इन फिक्स्ड डिपॉजिट सुविधा आपके लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है। यह एक ऐसी कमाल की स्कीम है जो आपके बचत खाते में पड़े अधिशेष राशि पर सावधि जमा (एफडी) के समान आकर्षक ब्याज दर प्रदान करती है, और साथ ही, आवश्यकता पड़ने पर तुरंत पैसे निकालने की लचीली सुविधा भी बनाए रखती है। यह सेविंग अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिट की बेहतरीन विशेषताओं को एक साथ जोड़ती है। स्वीप-इन एफडी मूलतः आपके सेविंग अकाउंट और एक लिंक की हुई फिक्स्ड डिपॉजिट का एक हाइब्रिड मॉडल है। इसमें बैंक आपके बचत खाते के साथ एक एफडी को जोड़ देता है। इस सुविधा की नींव थ्रेशहोल्ड लिमिट पर टिकी है। यह वह न्यूनतम राशि होती है जिसे बैंक आपके बचत खाते में बनाए रखने के लिए तय करता है। जैसे ही आपके सेविंग अकाउंट का बैलेंस इस तय सीमा से अधिक होता है, अतिरिक्त रकम अपने आप एक फिक्स्ड डिपॉजिट में ट्रांसफर हो जाती है। सबसे खास बात यह है कि यह प्रक्रिया स्वतः होती है, जिससे आपको मैन्युअल रूप से एफडी बनाने की जरुरत नहीं पड़ती।

उदाहरण के तौर पर यदि आपके खाते की थ्रेशहोल्ड लिमिट 25,000 रुपए है और आपके सेविंग अकाउंट में 50,000 रुपए जमा होते हैं, तो अतिरिक्त 25,000 रुपए स्वतः ही एफडी में बदल जाएंगे। अगर भविष्य में आपको 30,000 रुपए की जरुरत है और आपके सेविंग अकाउंट में केवल 20,000 रुपए हैं, तो बाकी 10,000 रुपए सीधे आपकी लिंक एफडी से वापस सेविंग अकाउंट में आ जाएंगे। इस तरह आपके पैसों पर ज्यादा ब्याज भी मिलता है और वे जरूरत पड़ने पर आसानी से उपलब्ध भी रहते हैं। इस सुविधा का सबसे बड़ा आकर्षण अतिरिक्त पैसों पर मिलने वाली ऊंची ब्याज दर है। जहां सामान्य सेविंग अकाउंट पर आमतौर पर 2.5 फीसदी से 3फीसदी तक का ब्याज मिलता है, वहीं स्वीप-इन एफडी के तहत एफडी में ट्रांसफर हुई रकम पर आपको 6.5फीसदी या उससे भी अधिक ब्याज मिल सकता है। आपके अतिरिक्त पैसे पर बिना किसी मैन्युअल हस्तक्षेप के एफडी की उच्च दर से कमाई हो रही है। यह उन लोगों के लिए बेहतरीन विकल्प है जो अपने बचत खाते में पड़े पैसों को निष्क्रिय नहीं रखना चाहते।

टीटागढ़ रेल सिस्टम्स-जेफरीज ने बढ़ाया लक्ष्य, 43 फीसदी उछाल की संभावना

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ने शेयर का टारगेट प्राइस 1,050 रुपए किया

नई दिल्ली ।

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने रेलवे सेक्टर की कंपनी टीटागढ़ रेल सिस्टम्स के शेयरों पर अपना भरोसा और मजबूत किया है। ब्रोकरेज ने कंपनी के शेयर का टारगेट प्राइस 990 रुपए से बढ़ाकर 1,050 रुपए कर दिया है और खरीदें रेटिंग बरकरार रखी है। मौजूदा भाव 733.40 रुपए से इसमें करीब 43 फीसदी की तेजी की गुंजाइश दिखती है। जेफरीज के अनुसार, टीटागढ़ के बेहतर वित्तीय नतीजे पैसेंजर कोच की बढ़ती डिलीवरी और नए वैगन ऑर्डर भविष्य में कंपनी की कमाई को सहारा देंगे। सितंबर तिमाही में कंपनी ने 51 पैसेंजर कोच डिलीवर किए, जो पिछली तिमाही से अधिक थे।

इस दौरान पैसेंजर रेल बिज़नेस का राजस्व सालाना आधार पर 2.5 गुना बढ़ा। कंपनी के पास लगभग 10,800 करोड़ रुपए का पैसेंजर रेल ऑर्डर बुक है, जिसमें



वंदे भारत और मेट्रो प्रोजेक्ट शामिल हैं। वैगन बिक्री में गिरावट के बावजूद, 4,955 वैगन का नया ऑर्डर मिलने से कंपनी की भविष्य की कमाई की संभावनाबेहतर हुई है। टीटागढ़ का रामकृष्णा फोर्जिंग्स के साथ फोर्ज्ड व्हील प्लांट भी दिसंबर 2026 से कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद है।

हरित उड़ान को बढ़ावा, सरकार जल्द जारी करेगी सतत विमानन ईंधन नीति का मसौदा

2040 तक 1 करोड़ टन उत्पादन क्षमता और 85 अरब डॉलर निवेश की संभावना

नई दिल्ली ।

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने मंगलवार को घोषणा की कि सरकार एक-दो सप्ताह के भीतर सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) नीति का मसौदा जनता की टिप्पणियों के लिए जारी करेगी। यह कदम देश में हरित विमानन को बढ़ावा देने और आर्थिक अवसरों को खोलने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

उद्योग संगठन फिक्की और नागर विमानन मंत्रालय द्वारा आयोजित 'इंडिया सस्टेनेबल एविएशन समिट' में बोलते हुए मंत्री नायडू ने बताया कि एसएएफ देश के लिए बड़े आर्थिक अवसर पैदा करता है। उन्होंने अनुमान लगाया कि भारत में 2040 तक सालाना करीब एक करोड़ टन एसएएफ का उत्पादन करने की क्षमता है, जिसके लिए 70-85 अरब डॉलर (लगभग 5.8 से 7.1 लाख करोड़ रुपये) के भारी निवेश की आवश्यकता होगी।

वैश्विक इस्पात संकट-टाटा स्टील को दोहरी चुनौती,ब्रिटेन और नीदरलैंड से मदद की गुहार

जमशेदपुर ।

वैश्विक इस्पात कारोबार में जारी उथल-पुथल के बीच, टाटा स्टील ब्रिटेन और नीदरलैंड की सरकारों से सक्रिय हस्तक्षेप और वित्तीय सहायता की मांग कर रही है। कंपनी ब्रिटेन में आयातित इस्पात के बड़े भंडार से जूझ रही है, वहीं नीदरलैंड में अपने संयंत्र को हरित इस्पात उत्पादन में बदलने के लिए सरकारी मदद पर निर्भर है। इस वैश्विक संकट का मुख्य कारण चीन की तरफ से जरूरत से अधिक इस्पात की आपूर्ति को बताया जा रहा है। टाटा स्टील के एक अ धिकारी ने बताया कि अमेरिकी और यूरोपीय संघ द्वारा व्यापार बाधाएं बढ़ाने के बाद ब्रिटेन में इस्पात का बड़ा भंडार जमा हो गया था, क्योंकि उस समय वहां आयात पर कोई प्रतिबंध नहीं था। हालांकि अब आयात बंद हो गया है, कंपनी ब्रिटेन सरकार के साथ इस मौजूदा भंडार से निपटने के लिए समर्थन पर विशेष बातचीत कर रही है। इसी के साथ, कंपनी नीदरलैंड में अपने संयंत्र को स्वच्छ इस्पात निर्माण में बदलने के लिए वहां की सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए भी बातचीत कर रही है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह हरित बदलाव सरकारी समर्थन और वित्तपोषण के बिना संभव नहीं है। उन्होंने वैश्विक इस्पात कारोबार में मौजूदा उथल-पुथल का मुख्य कारण चीन की जरूरत से ज्यादा आपूर्ति को बताया।

ग्लोबल मार्केट में शुरू हुई आईफोन डूओ 2 की सेल

नई दिल्ली ।

दिग्गज टेक कंपनी एप्पल के पहले फोल्डेबल स्मार्टफोन की सेल पिछले महीने भारत समेत ग्लोबल मार्केट में शुरू हुई है। इस फोल्डेबल फोन के अगले मॉडल आईफोन डूओ 2 से जुड़ी जानकारियां सामने आने लगी हैं।

ब्लूमबर्ग के मार्क गुरमन ने दावा किया है कि एप्पल अपने नेक्स्ट जेनरेशन आईफोन डूओ पर काम कर रहा है। इसे वी 78 इंटरनल कोडनेम के साथ टेस्ट किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, एप्पल के अपकमिंग फोल्डेबल फोन में कंपनी फेस फेस आई और एक्शन बटन भी जोड़ने वाली है। इस फोल्डेबल फोन को अगले साल सितंबर में लॉन्च किया जा सकता है। इस एक्शन बटन को मौजूदा कैमरा कंट्रोल बटन के साथ रिप्लेस किया जा सकता है। मार्क गुरमन ने ये भी दावा किया है कि अपकमिंग फोल्डेबल फोन आईफोन डूओ 2 में कंपनी एक डेडिकेटेड टेलीफोटो कैमरा इस्तेमाल करेगी। इस डिवाइस को मौजूदा आईफोन डूओ के मुकाबले पतला और हल्का बनाया जा सकता है। एप्पल के इंजीनियर्स पहले फोल्डेबल फोन के यूजर्स से मिले फीडबैक के आधार पर ये बदलाव करने वाला है। एप्पल के पहले फोल्डेबल फोन आईफोन डूओ को इस साल सितंबर में लॉन्च किया गया है। इसकी कीमत 2,99,900 रुपये से शुरू होती है। इसके फीचर्स की बात करें तो इसमें 7.6 इंच का सुपर रेटिना एक्सडीआर डिस्प्ले दिया गया है। इसके अलावा फोन में 5.4 इंच का कवर डिस्प्ले मिलता है। फोन का डिस्प्ले 120एचझेड रिफ्रेश रेट और 3000 निट्स तक की पीक ब्राइटनेस को सपोर्ट करता है। एप्पल के पहले फोल्डेबल आईफोन के डिस्प्ले की प्रोटेक्शन के लिए सिरैमिक शील्ड दिया गया है। यह फोल्डेबल फोन भी आईफोन 18 प्रो सीरीज की तरह ही नए ए20 प्रो चिप के साथ आता है, जो 2एनएम टेक्नोलॉजी पर काम करता है। इसे 256जीबी से लेकर 2टीबी स्टोरेज वेरिएंट्स में पेश किया गया है। आईफोन डूओ के बैक में डुअल कैमरा सेटअप मिलता है। इसमें 48एमपी का फ्यूजन कैमरा दिया गया है। इसके अलावा एक 48एमपी का टेलीफोटो कैमरा मिलेगा, जो 2गुणा ऑप्टिकल जूम को सपोर्ट करता है।

ईंधन और बिजली की कीमतों में तेजी से बढ़ी महंगाई

मुंबई ।

ईंधन और बिजली की कीमतों में तेजी के कारण देश में एक महीने के भीतर थोक कीमतों में महंगाई का स्तर और ऊपर चला गया है। अक्टूबर में थोक महंगाई दर (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 12.29 फीसदी पर पहुंच गई, जबकि सितंबर में यह 11.39 फीसदी थी। इसकी सबसे बड़ी वजह ईंधन और बिजली की कीमतों में आई तेजी को माना जा रहा है। वहीं चीजों की महंगाई में मामूली राहत भी मिली है, लेकिन कुल महंगाई के आंकड़े आम लोगों को चिंतित कर रहे हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 113.3 हो गया। सितंबर में यह 112.5 था। इस सूचकांक का आधार वर्ष 2022-23 है। आंकड़े बताते हैं कि ईंधन और ऊर्जा की बढ़ती कीमतों ने थोक महंगाई को ऊपर खींचने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई। अक्टूबर में ईंधन और बिजली श्रेणी की महंगाई दर बढ़कर 32.84 फीसदी हो गई, जो सितंबर में 25.85 फीसदी थी। इस श्रेणी का सूचकांक भी सितंबर के 110.5 से बढ़कर अक्टूबर में 115.7 पर पहुंच गया। खनिज तेल, कच्चा पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी इसका प्रमुख कारण रही।इसके अलावा प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई दर भी बढ़ी है। सितंबर में यह 8.67 फीसदी थी, जो अक्टूबर में बढ़कर 9.24 फीसदी हो गई। वहीं, विनिर्मित उत्पादों की महंगाई दर में थोड़ी राहत देखने को मिली। यह सितंबर के 9.76 फीसदी से घटकर अक्टूबर में 9.54 फीसदी पर आ गई। खाद्य महंगाई के मोर्चे पर अक्टूबर में हल्की राहत मिली है। डब्ल्यूपीआई फूड इंडेक्स के मुताबिक, खाद्य महंगाई दर सितंबर के 8.66 फीसदी से घटकर अक्टूबर में 8.58 फीसदी रह गई। इस सूचकांक में प्राथमिक श्रेणी की खाद्य वस्तुओं के साथ विनिर्मित खाद्य उत्पाद भी शामिल होते हैं। हालांकि, खाद्य महंगाई अभी भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। खाद्य वस्तुओं, गैर-खाद्य वस्तुओं, धातुओं, रसायनों, कपड़ों और रबर-प्लास्टिक उत्पादों की कीमतों ने भी थोक महंगाई को बढ़ाने में योगदान दिया। सरकार ने अगस्त 2026 के लिए थोक महंगाई के अंतिम आंकड़े को 9.92 फीसदी पर बरकरार रखा है।

रिमोट वर्कर के 60,000 रुपये के खर्चों ने चौंकाया,युवती खुद हैरान!

रिमोट कॉर्पोरेट वर्कर के साथ कंटेंट क्रिएटर और फीलांसर भी है युवती

नई दिल्ली ।

घर से काम करने की सुविधा और लचीलापन कई युवाओं को अपनी ओर खींचता है, लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि आपके खर्चे भी कम हो जाएंगे? सोशल मीडिया पर एक 25 वर्षीय रिमोट वर्कर युवती ने अक्टूबर महीने के अपने खर्चों का ब्यौरा साझा किया है, जिसने उसे खुद भी हैरान कर दिया। उसके खर्चों का आंकड़ा 60,282 रुपये तक पहुंच गया, जबकि उसे 40-45 हजार रुपये खर्च होने का अनुमान था। युवती, जो एक रिमोट कॉर्पोरेट वर्कर होने के साथ-साथ कंटेंट क्रिएटर और फीलांसर भी है, ने अपने वीडियो में अक्टूबर के खर्चों का पूरा हिसाब दिया। खर्चों में सबसे बड़ा हिस्सा इंस्टामार्ट पर 14,307 रुपये का था, जिसमें ओट्स, चिकन ब्रेस्ट और ग्रीक योगर्ट जैसी चीजें शामिल थीं। घर के खर्चों में योगदान के तौर पर उसने 15,000 रुपये दिए, जिसमें राशन, घरेलू सहायिका आदि शामिल थे।

बाहर से खाना मंगाने और रेस्टोरेंट में खाने पर 5,600 रुपये, जबकि वाई-फाई, बिजली और मोबाइल बिल पर 1,841 रुपये खर्च हुए। परिवहन (रैपिडो, बाइक, पेट्रोल) पर 3,978 रुपये और खुद व मां के लिए शॉपिंग पर 7,255 रुपये खर्च किए गए। सब्सक्रिप्शन, किचन का सामान और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स पर कुल 12,301 रुपये का खर्च आया।





खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।



कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।



रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीटयूड



विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीटयूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीटयूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीटयूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीटयूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीटयूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीटयूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीटयूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीटयूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीटयूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीटयूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीटयूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीटयूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीटयूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीटयूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीटयूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग - इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीटयूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग - यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन - आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीटयूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीटयूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन - इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीटयूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।



प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।

रजाउल्लाह और जमाल ने लिए 3-3 विकेट

श्रीलंका की पहली पारी 98 पर सिमटी

नई दिल्ली । पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच रावलपिंडी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में मंगलवार से सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट शुरू हुआ। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला करते हुए श्रीलंका को पहली पारी में 98 रन पर समेटकर मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बहुत खराब रही। टीम ने 6 के स्कोर पर अपना पहला विकेट गंवाया और देखते ही देखते ही 36 के स्कोर पर 5 विकेट गंवा बैठी। इसके बाद कप्तान कुसाल मेंडिस और सोनल दिनुशा ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने छठे विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 85 तक पहुंचाया। इस जोड़ी के टूटते ही श्रीलंकाई पारी 35.3 ओवरों में 98 रन पर सिमट गई। मेंडिस 32 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे, जबकि सोनल ने 21 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने कप्तान बाबर आजम के पहले गेंदबाजी करने के फैसले को सही साबित किया। मोहम्मद अब्बास ने 14 ओवर में 14 रन देकर 3 विकेट लिए।



पीसीबी ने शेन डिट्ज को पाकिस्तान महिला टीम का हेड कोच बनाया

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर शेन डिट्ज को पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम के हेड कोच के रूप में नियुक्त किया है। शेन डिट्ज वेस्टइंडीज के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज से कार्यभार संभालेंगे। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किए जाने के बाद शेन डिट्ज ने कहा, 'पाकिस्तान महिला टीम का हेड कोच बनकर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। पाकिस्तान क्रिकेट का इतिहास बहुत शानदार रहा है और मुझे याद है कि जब मैं एक युवा खिलाड़ी था, तो 1992 में ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप फाइनल में उन्हें चीयर करता था, जो पाकिस्तान क्रिकेट के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी।'

'सैंडपेपरगेट विवाद पर ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले की तरह अब भी विभाजीत': अश्विन

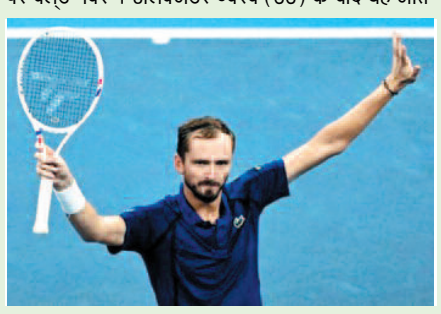


नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की लिखी किताब 'सब्र' की रिलीज के बाद से 2018 में केपटाउन टेस्ट के दौरान हुआ सैंडपेपरगेट कांड फिर से चर्चा में है। इस विषय पर ऑस्ट्रेलियाई पूर्व और मौजूदा खिलाड़ियों के बीच एकमत नहीं है। पूर्व भारतीय स्पिनर आर अश्विन ने इस मुद्दे पर अपनी राय रखी है। अश्विन ने 2018 में दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर गई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के सदस्यों के अलग-अलग बयानों पर भी अपनी राय दी। पूर्व भारतीय स्पिनर ने स्टार स्पोर्ट्स के 'सैंडपेपरगेट : द अनसेटल्ड डिबेट' पर कहा, 'इस किताब में उस्मान ख्वाजा ने अपनी कहानी स्पष्ट तरीके से बताई है। वह सामूहिक जवाबदेही मांग रहे हैं। वह कह रहे हैं कि केवल तीन लोग ही इसके बारे में जानते थे, और भी लोग थे।'

उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस की मैं एक क्रिकेटर के तौर पर सच में तारीफ करता हूं। उन्होंने उस्मान ख्वाजा के दावों को बेबुनियाद, बकवास और बिना सबूत वाला कहा है। वहीं, डेविड वॉर्नर का बयान ख्वाजा का समर्थन करता है। यह चिंता की बात है, चाहे हम इसे कैसे भी देखें।'

मेदवेदेव ने एटीपी फाइनल्स के पहले मैच में कोबोली को हराया

ट्यूरिन । डेनियल मेदवेदेव ने इनालपी एरिना में स्थानीय खिलाड़ी और डेब्यू कर रहे फ्लेवियो कोबोली को 7-6(4), 6-3 से हराकर अपने एटीपी फाइनल्स कैंपेन की शुरुआत की। मेदवेदेव अपने दूसरे एटीपी फाइनल्स टाइटल की तलाश में हैं। मेदवेदेव ने 2019 से 2024 तक लगातार छह बार एटीपी फाइनल्स में जगह बनाई, जिसमें 2020 का उनका यादगार टाइटल शामिल है। उस मौके पर, उन्होंने ट्रॉफी जीतने के रास्ते में वर्ल्ड नंबर 1 नोवाक जोकोविच, वर्ल्ड नंबर 2 राफेल नडाल और वर्ल्ड नंबर 3 डोमिनिक थिएम को हराया था। 2025 में क्वालिफिकेशन से चूकने के बाद मेदवेदेव ने 2026 सीजन में शानदार वापसी की, चार टूर-लेवल टाइटल जीते और 53 जीत दर्ज कीं। एटीपी टूर पर वर्ल्ड नंबर 1 अलेक्जेंडर ज्वेरेव (66) के बाद यह जीत



की दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। चौथी वरीयता प्राप्त मेदवेदेव का अगला मुकाबला बुधवार को कार्लोस अल्काराज से होगा। इवान लेंडल ग्रुप में 0-1 से पिछड़ने के बाद, कोबोली अब बेरेटिनी, जानिक सिनर और लोरेंजो मुसेट्टी के साथ इस इवेंट में सिंगल्स में जीत दर्ज करने वाले चौथे इटैलियन पुरुष बनने की अपनी कोशिश जारी रखना चाहेंगे। उनका अगला मुकाबला फ्रांसेस टियाफो से होगा।

इससे पहले, दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 6-2 से हराकर इवान लेंडल ग्रुप में 1-0 की बढ़त बना ली थी। अल्काराज साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट में चौथी बार हिस्सा ले रहे हैं। उनका सबसे अच्छा नतीजा पिछले साल आया था, जब वह टाइटल मैच में जानिक सिनर से हार गए थे। स्पेन के 23 वर्षीय खिलाड़ी जबरदस्त फॉर्म में उत्तरी इटली पहुंचे हैं और उन्होंने पिछले महीने पेरिस और वियना में लगातार टाइटल जीते हैं। अल्काराज इस सप्ताह अपने 30वें टूर-लेवल टाइटल और सीजन के छठे टाइटल की तलाश में हैं। कलाई की चोट के कारण वह साल के चार महीने बाहर रहे। अगस्त में यूएस ओपन में वापसी के बाद से उन्होंने अपने 22 में से 20 मैच जीते हैं।

धोनी ने आईपीएल से लिया संन्यास

चेन्नई सुपर किंग्स में अब निभाएंगे नई भूमिका, किस तरह गंभीर की राह पर चले माही

चेन्नई। आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास ले लिया है और अब वह मैदान पर खिलाड़ी के बजाय नई भूमिका में नजर आएंगे। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें आईपीएल 2027 से टीम का मेंटर बनाने का फैसला किया है। हालांकि, उनका फ्रेंचाइजी से जुड़ाव पहले की तरह बना रहेगा।

धोनी के बिना CSK नहीं



चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन ने धोनी के साथ अपने करीब दो दशक पुराने रिश्ते को याद किया। उन्होंने साफ कहा कि धोनी के बिना चेन्नई सुपर किंग्स की कल्पना नहीं की जा सकती। श्रीनिवासन ने कहा, 'एमएस धोनी के बिना सीएसके नहीं है। करीब दो दशकों से हम एक-दूसरे के साथ आगे बढ़े हैं। इस दौरान हमने सफलता, मुश्किलें और हर तरह के उतार-चढ़ाव साथ देखे हैं।' उन्होंने धोनी के साथ अपने रिश्ते की मजबूती का राज भी बताया। श्रीनिवासन के मुताबिक, दोनों के बीच भरोसा हमेशा सबसे अहम रहा है। उन्होंने कहा, 'हमारा रिश्ता इतना मजबूत होने की एक ही वजह है- हम एक-दूसरे की नीयत पर सवाल नहीं उठाते। इसी भरोसे ने इस सफर को मुमकिन बनाया है।' श्रीनिवासन ने 2008 में हुए पहले आईपीएल ऑक्शन का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस समय उन्होंने धोनी को चेन्नई की टीम में शामिल करने पर जोर दिया था। उन्होंने कहा, '2008 में मैंने जोर दिया था कि धोनी सीएसके का हिस्सा होने चाहिए। यह मेरा लिया हुआ सबसे अच्छा फैसला साबित हुआ। सिर्फ फ्रेंचाइजी के लिए उनकी उपलब्धियों की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए भी कि वह एक बेहतरीन इंसान हैं।'

अब खिलाड़ी नहीं, मेंटर की भूमिका में दिखेंगे धोनी

धोनी ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार चैंपियन बनाया है। उनकी कप्तानी में टीम ने कई यादगार सफलताएं हासिल कीं। अब आईपीएल में उनका सफर बतौर खिलाड़ी खत्म हो गया है। वह टीम के डगआउट में मेंटर की भूमिका निभाएंगे और अपने अनुभव से खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। धोनी का चेन्नई के साथ रिश्ता बेहद खास रहा है। वह फ्रेंचाइजी की पहचान बन चुके हैं और उनके फैसलों तथा नेतृत्व क्षमता ने टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। हालांकि, बतौर मेंटर वह गौतम गंभीर की राह पर चल पड़े हैं। गंभीर ने भी आईपीएल से संन्यास लेने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर की भूमिका निभाई थी। उनकी देखरेख में केकेआर अपने पहले ही सीजन में चैंपियन बनी थी। अब धोनी भी सीएसके की खोई हुई साख वापस लाने की कोशिश करेंगे।



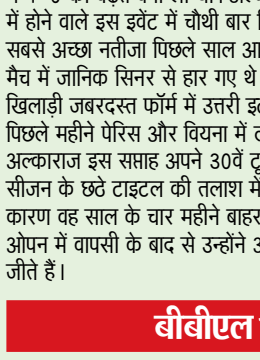
ष्टस्च्य मालिक एन श्रीनिवासन ने कही बड़ी बात

चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन ने भी धोनी के महत्व पर बात की है। उन्होंने साफ किया कि पूर्व भारतीय कप्तान हमेशा फ्रेंचाइजी की पहचान का अहम हिस्सा रहेंगे। खिलाड़ी के तौर पर उनकी भूमिका भले ही बदल रही है, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनका जुड़ाव पहले की तरह मजबूत बना रहेगा। धोनी के मेंटर बनने से टीम को उनके लंबे अनुभव का लाभ मिलेगा। खासकर युवा खिलाड़ियों को उनके मार्गदर्शन में खेलने और सीखने का मौका मिलेगा।

बीबीएल 16

लाबुशेन ब्रिस्बेन हीट के साथ लगातार 11वां सीजन खेलेंगे

ब्रिस्बेन । बिग बैश लीग के 16वें सीजन के लिए ब्रिस्बेन हीट ने मार्नस लाबुशेन को रिटेन किया है। लाबुशेन लगातार 11वां सीजन ब्रिस्बेन हीट के लिए खेलेंगे। री-साइन किए गए खिलाड़ियों में लाबुशेन को क्रिस लिन के साथ रखा गया है। क्वींसलैंड क्रिकेट के जनरल मैनेजर—हाई परफॉर्मेंस बेनेट किंग ने कहा कि लाबुशेन का अनुभव और कॉम्पिटिटिव अप्रोच हीट के लिए टूर्नामेंट की तैयारी में बहुत काम आएगा। किंग ने कहा, 'मार्नस जब भी हीट के लिए खेलते हैं तो अपना शत-प्रतिशत देते हैं। ऐसा बहुत कम है, जो उन्होंने अपने करियर में अब तक क्रिकेट के मैदान पर अनुभव न किया हो। उनकी विविध स्किल्स हमें विरोधी लाइन-अप के खिलाफ मैच-अप और हमारे ओवरऑल स्क्वॉड में संतुलन देंगी।'



हीट ने युवा तेज गेंदबाज टॉम बाल्किन और ओली पैटरसन को शामिल करके अपनी 18-सदस्यीय टीम में बची हुई जगहें भी भर ली हैं। दोनों खिलाड़ियों ने पिछले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था। 22 साल के बाल्किन ने पिछले सीजन के पांच मैचों में छह विकेट लिए थे। पैटरसन, जो 20 साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं, ने पिछले सीजन में तीन मैचों में चार विकेट लिए थे। पैटरसन ने घरेलू सर्किट में भी शानदार प्रदर्शन किया है और लगातार दूसरे सीजन में टी20 मैक्स टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। दोनों युवा खिलाड़ियों ने क्वींसलैंड के लिए डोमेस्टिक वनडे कप में अपना लिस्ट ए डेब्यू किया है, जबकि बाल्किन ने शेफील्ड शील्ड मैच में भी हिस्सा लिया है। किंग ने कहा, 'मार्नस जैसे बहुत अनुभवी खिलाड़ी और टॉम और ओली जैसे दो युवा तेज गेंदबाज, जिन्होंने बीबीएल में पहले ही दिखा दिया है कि वे क्या कर सकते हैं, के साथ अपनी स्क्वॉड को पूरा कर पाना हमें अगले महीने होने वाले कॉम्पिटिशन में एक मजबूत स्थिति में रखता है।'



न्यूजीलैंड को लगा तगड़ा झटका

मिशेल सेंटनर भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए

नई दिल्ली । भारत के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू हो रही 2 टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को तगड़ा झटका लगा है। अनुभवी ऑलराउंडर मिशेल सेंटनर दाहिने हाथ में फ्रैक्चर की वजह से टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। सेंटनर को यह चोट रविवार रात माउंट माउंगानुई में भारत के खिलाफ पांचवें वनडे में अर्शदीप सिंह के फेंके बाउंसर से लगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट की एक रिलीज के मुताबिक, 'स्कैन से पता चला है कि सेंटनर के दाहिने हाथ में फ्रैक्चर है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उनके शामिल होने की जानकारी सही समय पर दी जाएगी।' टेस्ट सीरीज के लिए मिशेल सेंटनर की जगह न्यूजीलैंड टीम में स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को शामिल किया गया है। 28 साल के फॉक्सक्रॉफ्ट ने मई में बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ एक टेस्ट खेला था। उन्होंने उस मैच में 98 रन बनाए थे। सेंटनर की गैरमौजूदगी में एक स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में ग्लेन फिलिप्स की भूमिका अहम होगी।



चोट सेंटनर की टेस्ट उम्मीदों के लिए एक झटका है, क्योंकि उन्होंने बिग बैश लीग में एडिलेड स्ट्राइकर्स के एक आकर्षक ऑफर को ठुकरा दिया था ताकि वे सभी फॉर्मेट में अपने न्यूजीलैंड करियर पर ध्यान दे सकें। सेंटनर ने उस समय न्यूजीलैंड हेराल्ड से कहा था, 'जब आप आगे की गर्मियों को देखते हैं, भारत यहां सफेद गेंद और टेस्ट के लिए है और क्योंकि अगर हवा तेज हो तो हवा के खिलाफ गेंदबाजी करना आसान नहीं होगा। तेज गेंदबाज की भूमिका लगभग आधी हो जाती है, अगर वो हवा के खिलाफ गेंदबाजी कर रहा हो, इसलिए बहुत सारे फैक्टर हैं जिन पर हम ध्यान देंगे।'

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की अपडेटेड टीम

टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, हेनरी निकोलस, विल यंग, ??डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, ब्लेयर टिकनर।

वेलिंगटन टेस्ट में भारत की प्लेइंग इलेवन पर कप्तान गिल का संकेत

'चार तेज गेंदबाज और एक स्पिनर'

वेलिंगटन । भारत और न्यूजीलैंड के बीच गुरुवार से 2 टेस्ट मैचों की सीरीज वेलिंगटन में शुरू हो रही है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने संकेत दिया है कि टीम इंडिया 4 तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकती है। वेलिंगटन टेस्ट से पहले शुभमन गिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने के संकेत दिए। हालांकि, उन्होंने ये स्पष्ट नहीं किया कि चार पूर्ण तेज गेंदबाज होंगे या तीन तेज गेंदबाजों के साथ एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर को प्लेइंग इलेवन में जगह दी जाएगी। गिल ने कहा, 'हमने यहां जो टेस्ट मैच देखे हैं, उनमें पहले दो दिन अलग मैच होते हैं और अगले तीन दिन थोड़े अलग मैच होते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, हम एक ऐसा पेस अटैक चाहते हैं जो स्विंग और सीम मूवमेंट के साथ ही पिच के फ्लैट होने की स्थिति में भी प्रभावी हो।' उन्होंने कहा, 'हम निश्चित रूप से चार तेज गेंदबाजी विकल्प चाहते हैं, लेकिन हम अभी भी तय कर रहे हैं कि वे तेज गेंदबाज कौन से हैं। हमने कई बार तीसरे, चौथे और पांचवें दिन देखा है कि विकेट, खासकर पुरानी गेंद से, थोड़ा फ्लैट हो जाता है, इसलिए हमारी फास्ट-बॉलिंग यूनिट से, हम ऐसा चाहते हैं जिसके पास पेस हो, कोई ऐसा जो लगातार सही एरिया में हिट कर सके, और फिर जाहिर है कि एक छोर से कंट्रोल करने के लिए एक स्पिनर के साथ जाना चाहिए, रवींद्र जडेजा अकेले स्पिनर हो सकते हैं, जो नंबर 7 पर बल्लेबाजी करेंगे। टीम में बल्लेबाजी ऑर्डर पर गिल ने कहा, 'हम सात बल्लेबाज देख रहे हैं और फिर आठ और नौ इस पर निर्भर करेंगे। आकाश और अंशुल थोड़ी बल्लेबाजी कर सकते हैं। अगर हम रेड्डी के साथ भी जाते हैं, तो वह एक पूर्ण बल्लेबाज है, इसलिए हम देखेंगे कि हम किस तरह के कॉम्बिनेशन के साथ जाना चाहते हैं और हम असल में क्या करना चाहते हैं।



भारत की प्लेइंग इलेवन में

IPL 2027 में नहीं खेल पाएंगे ट्रेविस हेड, एसआरएच को फैसले की जानकारी दी

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2027 (आईपीएल 2027) से पहले सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के लिए खेलने वाले ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आईपीएल का अगला सीजन नहीं खेलने का फैसला किया है। हेड ने अपने फैसले की जानकारी एसआरएच मैनेजमेंट को दी है। क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक, हेड ने एसआरएच को आईपीएल के अगले सीजन में नहीं खेलने के अपने फैसले के बारे में बताया है। अगले कुछ महीनों में ऑस्ट्रेलिया का इंटरनेशनल शेड्यूल बहुत व्यस्त रहेगा। ट्रेविस हेड इसी वजह से आईपीएल का अगला सीजन नहीं खेल पाएंगे। अगस्त की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने क्रिकइन्फो को बताया था कि ऑस्ट्रेलिया को कुछ फैसले लेने होंगे, क्योंकि उनके लिए बहुत सारी जरूरी प्राथमिकताएं सामने हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेलने का मौका चाहेगी, जो आईपीएल खत्म होने के ठीक बाद है।





लैटिन ग्रैमी में छाया दिलजीत और डैडी यांकी का जादू

पंजाबी म्यूजिक का जलवा अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनियाभर में इसकी धूम देखने को मिल रही है। ग्लोबल म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ ने एक बार फिर इंटरनेशनल मंच पर पंजाबी संगीत का परचम लहराया है। इस बार उन्होंने प्यूर्टो रिको के मशहूर रेगेटन स्टार डैडी यांकी के साथ मिलकर ऐसा धमाल मचाया कि हर तरफ उनकी चर्चा होने लगी। दोनों का ग्लोबल क्रॉसओवर ट्रैक 'पोकिटो' लैटिन ग्रैमी 2026 के मंच पर भी छा गया। अब दिलजीत ने इस खास परफॉर्मेंस का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

दिलजीत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लैटिन ग्रैमी 2026 में हुई परफॉर्मेंस की एक झलक शेयर की। वीडियो में दिलजीत अपने पंजाबी अंदाज में 'पोकिटो' का हिस्सा गाते नजर आ रहे हैं, वहीं डैडी यांकी अपने स्पेनिश वर्स से समां बांधते दिखाई देते हैं। बाद में दोनों कलाकार एक साथ मंच पर परफॉर्म करते हैं। इस दौरान वहां मौजूद दर्शक भी दोनों की परफॉर्मेंस पर जमकर तालियां बजाते और उत्साह बढ़ाते नजर आए।



वीडियो शेयर करते हुए दिलजीत ने लिखा, 'पंजाबी लैटिन ग्रैमी में पहुंच गए हैं! ओए, अब दुनिया के हर मंच पर पंजाबी बोली जाएगी। भगवान हम पर मेहर बनाए रखे। बड़े भाई डैडी यांकी को सलाम। दो संस्कृतियों को एक मंच पर लाने के लिए शुक्रिया। लैटिन ग्रैमी का भी शुक्रिया, जिन्होंने हमें यहां मौका दिया।' फैंस को खूब पसंद आया दोनों का अंदाज दिलजीत और डैडी यांकी की इस परफॉर्मेंस का वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कोई इसे शानदार म्यूजिक फ्यूजन बता रहा है, तो किसी को दोनों का साथ आना साल का सबसे बेहतरीन क्रॉसओवर लग रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'यह तो कमाल है।' वहीं दूसरे ने गाने की तारीफ करते हुए कहा, 'क्या गाना है, बहुत पसंद आया।' एक फैन ने लिखा, 'कितने शानदार रिदम का मेल है। मुझे पंजाबी म्यूजिक और प्यूर्टो रिकन्स दोनों पसंद हैं।' वहीं एक यूजर ने दोनों की जोड़ी को 'यांकी जट्ट' नाम दिया। एक अन्य फैन ने इसे साल का बेस्ट क्रॉसओवर बताया।

डैडी यांकी ने दिलजीत के साथ काम करने पर कही ये बात

लैटिन ग्रैमी के रेड कार्पेट पर मीडिया से बातचीत के दौरान डैडी यांकी ने दिलजीत के साथ अपने इस कोलैबोरेशन को खास बताया। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं दिलजीत का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। उन्होंने शानदार काम किया है। मुझे लगता है कि पंजाबी और रेगेटन संगीत एक-दूसरे के कजिन की तरह हैं। मुझे हमेशा से ऐसा महसूस होता रहा है। यह कोलैबोरेशन शानदार रहा। इस गाने को सपोर्ट करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया। जब अलग-अलग संस्कृतियां मिलती हैं, तो संगीत का असली मतलब समझ आता है।'

क्या है 'पोकिटो' की खासियत

'पोकिटो' एक पंजाबी-स्पेनिश गाना है, जसमें दो अलग-अलग संगीत शैलियों का खूबसूरत मेल देखने को मिलता है। इसमें दिलजीत की पंजाबी आवाज और भांगड़ा का तड़का है, तो वहीं डैडी यांकी का सिग्नेचर रेगेटन अंदाज भी सुनने को मिलता है। गाने में बार-बार आने वाला स्पेनिश वाक्यांश 'पोकिटो आ पोकिटो' का मतलब 'थोड़ा-थोड़ा करके' होता है। इस गाने के म्यूजिक वीडियो को स्टिल्ज ने डायरेक्ट किया है। वीडियो में पंजाबी परंपराओं और लैटिन अर्बन कल्चर की झलक को रंगीन अंदाज में दिखाया गया है। यह गाना डैडी यांकी के 15 ट्रैक वाले एल्बम 'ला पोस्टल' का हिस्सा है। 30 अक्टूबर को रिलीज हुए इस गाने के जरिए दोनों कलाकारों ने संगीत के माध्यम से दो अलग-अलग संस्कृतियों को एक साथ लाने की कोशिश की है।



डिजिटल एंटरटेनमेंट में कदम रखने जा रहे हैं आमिर खान और फरहान अख्तर

फिल्मों की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखने वाले आमिर खान और फरहान अख्तर अब डिजिटल एंटरटेनमेंट में भी नया कदम उठाने जा रहे हैं. आमिर खान प्रोडक्शंस और एक्सेल एंटरटेनमेंट ने मिलकर एक माइक्रोड्रामा प्लेटफॉर्म शुरू करने की तैयारी की है. इस पर दर्शकों को कम समय में पूरी होने वाली कहानियां देखने को मिलेंगी.



इस प्लेटफॉर्म पर सिर्फ नई कहानियां ही नहीं दिखाई जाएंगी, बल्कि दोनों प्रोडक्शन हाउस के पास पहले से मौजूद कहानियों और फिल्मों से जुड़े कंटेंट का भी इस्तेमाल किया जाएगा. इसके साथ ही कुछ कहानियां खास तौर पर इस प्लेटफॉर्म के लिए तैयार की जाएंगी. यानी दर्शकों को पुराने कंटेंट के साथ कुछ नया देखने का मौका भी मिलेगा. इस वेंचर में कई जाने-माने डिजिटल और यूट्यूब क्रिएटर्स को जोड़ने की तैयारी है. इनके साथ खास समझौते किए जाएंगे, ताकि वे अपने कंटेंट और दर्शकों के साथ इस नए प्लेटफॉर्म का हिस्सा बन सकें. इससे डिजिटल दुनिया में पहले से लोकप्रिय चेहरों को भी नई कहानियों के जरिए दर्शकों तक पहुंचने का मौका मिलेगा. इस प्लेटफॉर्म को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए एक बड़ी टेलीकॉम कंपनी को भी साथ जोड़ा गया है. इसका मकसद है कि मोबाइल पर वीडियो देखने वाले ज्यादा से ज्यादा दर्शक इस कंटेंट तक आसानी से पहुंच सकें. हालांकि, अभी इस कंपनी का नाम सामने नहीं आया है.

क्या होता है माइक्रोड्रामा

माइक्रोड्रामा ऐसे छोटे वीडियो एपिसोड होते हैं, जिनमें कहानी बहुत कम समय में आगे बढ़ती है. आमतौर पर हर एपिसोड में कोई नया मोड़ या दिलचस्प बात देखने को मिलती है, जिससे दर्शक अगला हिस्सा देखने के लिए उत्सुक रहते हैं. इसे खास तौर पर मोबाइल पर देखने के हिसाब से बनाया जाता है.



रजनीकांत सर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा

अभिनेत्री अपेक्षा पोरवाल इन दिनों रजनीकांत स्टारर फिल्म 'जेलर 2' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में फिल्म में सुपरस्टार के साथ काम करने के अनुभव, एक्शन से भरपूर रोल की तैयारी के बारे में बात की। अभिनेता ने सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने के अनुभव को स्पेशल पल बताया। उन्होंने कहा, 'रजनीकांत भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करना और काम करने का मौका मिलना मेरे लिए सच में किसी सपने के सच होने जैसा है।' उन्होंने आगे कहा, 'जेलर 2' में काम करना कमाल का अनुभव था। आप किसी भी कलाकार का नाम लें, वे सभी जमीनी स्तर से जुड़े हैं। फिर, चाहे वो मिथुन सर हों, रजनीकांत सर, विद्या मैम या राम्या कृष्णन मैम, सभी बहुत ही उम्दा कलाकार हैं और वे हमेशा इस बात का ध्यान रखते हैं कि उनका सह-कलाकार कंफर्टेबल फील करे। मुझे लगता है कि जो लोग बड़े और स्थापित होते हैं, वो असल जिंदगी में उतने ही सरल और दयालु होते हैं। उनके साथ काम करना सच में बहुत अच्छा लगता है।' फिल्म में अभिनेत्री का छोटा, लेकिन एक्शन से भरपूर किरदार है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अपेक्षा पोरवाल ने कहा, 'फिल्म में मेरा किरदार एक तरह से घातक महिला का है, जो मिथुन सर के किरदार वाले विलेन के परिवार को फंसाती है और रजनीकांत सर के परिवार को बचाती है, तो वह एक असैसिन है। मुझे मार्शल आर्ट्स की थोड़ी बेसिक ट्रेनिंग भी है, जिसमें कटाना (जापान

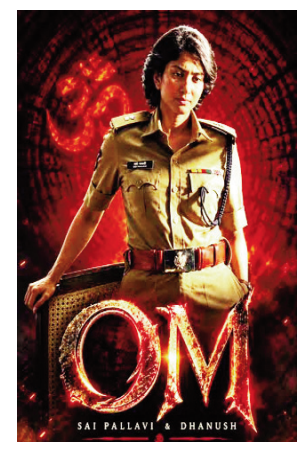


की एक पारंपरिक, हल्की घुमावदार और एक धार वाली लंबी तलवार) और नंचक्स शामिल हैं। इस फिल्म में मैं कटाना और गन का इस्तेमाल करती हूं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म में परफॉर्मेंस से पहले उन्होंने तीन दिन तक इंटेंस एक्शन ट्रेनिंग की थी। उन्होंने कहा, 'हमने पूरी एक्शन कोरियोग्राफी सीखी। इसके अलावा, मैंने अपनी जनरल फिटनेस पर भी ध्यान दिया। मैं आमतौर पर हफ्ते में कम से कम पांच दिन जिम जाती हूं। चेन्नई शेड्यूल के दौरान मेरा रूटीन काफी बिजी था। मैं शूट के बाद जिम जाती थी, फिर कार्डियो के लिए स्विमिंग और फिर स्टीम सेशन।



'ओमः चैप्टर 1...' में साई पल्लवी ने मम्मूट्टी के साथ काम करने का अनुभव साझा किए

'ओमः चैप्टर 1 – उधिरमः द ब्लड वुड' के ग्रैंड ऑडियो लॉन्च, जहां हजारों की तादाद में पहुंचे फैंस ने इस शाम को किसी बड़े फिल्मी जश्न में बदल दिया। धनुष, मम्मूट्टी, साई पल्लवी, श्रीलीला, निर्देशक राजकुमार पेरियासामी, निर्माता श्रद्धा अग्रवाल और म्यूजिक कंपोजर साई अभ्यंकर की मौजूदगी ने इस महफिल में चार चांद लगा दिए। फिल्म के इस खास जश्न में निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने कहा, 'आरटेक बैनर के तहत हमने जितनी भी फिल्में बनाई हैं, उन सभी का चेन्नई से एक खास रिश्ता रहा है। लेकिन 'ओम' के साथ हम इस रिश्ते को और भी बड़े स्तर पर लेकर जा रहे हैं। यह निस्संदेह हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है। धनुष सर जैसे इंसान के साथ यह सफर बेहद खूबसूरत रहा है। वहीं राजकुमार सर की फिल्म के प्रति मेहनत, लगन और समर्पण शानदार रहा है। 'ओम' को लेकर दर्शकों ने अब तक जो प्यार और उत्साह दिखाया है, वह हमारे लिए बहुत मायने रखता है। उम्मीद है कि 20 नवंबर को फिल्म सिनेमाघरों में पहुंचने के बाद यह प्यार और भी बढ़ेगा।' वहीं साई पल्लवी ने अपने खास अंदाज में मम्मूट्टी के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए कहा, 'पिछली फिल्म में मैं मम्मूट्टी-मम्मूट्टी कहती रहती थी और अब मम्मूट्टी सर के साथ



काम कर रही हूं। पता नहीं, मैंने ही इसे मैनिफेस्ट कर लिया था!' मम्मूट्टी के साथ काम करने के अनुभव पर साई बोलीं, 'वह 70 साल से ज्यादा उम्र के हैं, लेकिन मैंने सेट पर उनसे ज्यादा एनर्जेटिक एक्टर नहीं देखा। वह बिल्कुल बच्चे जैसे हैं। कैमरा रोल होने से पहले ही वह ऐसे प्यारे-प्यारे एक्सप्रेशंस देते रहते थे। उनके साथ काम करना मेरे लिए बेहद खुशी की बात रही।' निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने फिल्म और चेन्नई के साथ अपने खास जुड़ाव पर कहा, 'आरटेक बैनर के तहत हमने जितनी भी फिल्में बनाई हैं, उन सभी का चेन्नई से एक खास रिश्ता रहा है। लेकिन 'ओम' के साथ हम इस रिश्ते को और भी बड़े स्तर पर लेकर जा रहे हैं। यह निस्संदेह हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है।



जयदीप अहलावत, अभिषेक बनर्जी और बरुण सोबती की तिकड़ी मचाएगी धमाल

अभिनेता अभिषेक बनर्जी, जयदीप अहलावत और बरुण सोबती जल्द ही अपनी नई सीरीज 'पुष्पक विमान' में एक साथ नजर आएंगे। सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी द्वारा बनाई और लिखी गई यह सीरीज क्राइम और कॉमेडी का मजेदार मेल लेकर आ रही है। तीनों कलाकारों को एक साथ देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होने वाला है। सुदीप शर्मा अब तक अपनी गंभीर और इंटेंस कहानियों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस बार वह 'पुष्पक विमान' के जरिए कॉमेडी के जॉनर में कुछ नया करने जा रहे हैं। यह सीरीज कुछ अनोखे किरदारों की कहानी है, जिनकी जिंदगी में होने वाली घटनाएं धीरे-धीरे एक अलग ही मोड़ ले लेती हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए सुदीप शर्मा ने बताया कि वह इस बार कुछ अलग करना चाहते थे। उनके मुताबिक, इस तरह की कहानी और नए जॉनर के साथ प्रयोग करने के लिए नेटफ्लिक्स एक अच्छा प्लेटफॉर्म है। नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी ने भी इस सीरीज को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि 'पुष्पक विमान' सुदीप शर्मा के साथ नेटफ्लिक्स की अगली फ्रेंचाइजी होगी।

चित्रांगदा सिंह ने की सलमान खान की जमकर तारीफ

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह आगामी वॉर-ड्रामा फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' में अभिनेता सलमान के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को याद करते हुए बताया कि अभिनेता की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और आत्मविश्वास ने शुरुआत में उन्हें थोड़ा नर्वस कर दिया था। अभिनेत्री ने बातचीत में सलमान खान की जमकर तारीफ की। चित्रांगदा का कहना है कि सलमान खान में दूसरों से बेस्ट निकलवाने की काबिलियत है और इसी वजह से उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मजेदार हो गया। उन्होंने कहा, 'सलमान खान के साथ काम करना वाकई शानदार और यादगार अनुभव रहा। उनकी प्रेजेंस बेहद दमदार है। कैमरे के सामने उनमें ऐसी सहजता और आत्मविश्वास रहता है कि शुरुआत में, तो मैं भी थोड़ा नर्वस हो गई थी, लेकिन उनके काम करने के तरीके में एक शानदार सहजता भी है, जो उनके साथ फ्रेम शेयर करना इतना मजेदार बना देती है और हर सीन में एक नेचुरल एनर्जी ले आती है।' चित्रांगदा सिंह ने 'मातृभूमि' के गानों में सलमान के साथ अपनी केमिस्ट्री को मिल रहे रिस्पॉन्स को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, 'जब से 'मातृभूमि' के गाने आए हैं, तब से हमारी केमिस्ट्री को बहुत प्यार मिल रहा है और मैं इस रिस्पॉन्स को देखकर वाकई बेहद खुश हूं। जब दो एक्टर स्क्रीन पर एक खास कम्फर्ट और समझ शेयर करते हैं, तो दर्शक उसे महसूस कर पाते हैं और मुझे खुशी है कि हमारी जोड़ी दर्शकों को पसंद आ रही है।



गांधीनगर से पत्रकारों के लिए भेजी गई सरकारी भेंट आखिर कहां हुई गायब?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/अहमदाबाद। राज्य सरकार के सूचना विभाग और अन्य सरकारी आयोजनों के माध्यम से पत्रकारों के लिए भेजी जाने वाली उपहार सामग्री तथा मीडिया किट के वितरण को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि पत्रकारों के सम्मान और प्रोत्साहन के लिए भेजी गई सामग्री निर्धारित लोगों तक पहुंचने के बजाय रास्ते में ही गायब हो जाती है। कुछ लोगों द्वारा इन वस्तुओं को अपने पास रख लेने की चर्चाओं ने पूरे मामले को चर्चा का विषय बना दिया है। गुजरात सरकार की ओर से विभिन्न त्योहारों और विशेष अवसरों पर पत्रकारों के लिए उपहार तथा मीडिया किट भेजी जाती हैं। इसका उद्देश्य पत्रकारों के योगदान का सम्मान करना और उन्हें प्रोत्साहित करना है। सामान्य तौर पर जिला और तहसील स्तर पर पत्रकारों की सूची तैयार कर सामग्री भेजी जाती है, ताकि वह संबंधित पत्रकारों तक पहुंच सके। लेकिन आरोप है कि कई स्थानों पर वास्तविक रूप से पत्रकारिता कर रहे लोगों को यह सामग्री मिल ही नहीं पाती। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि सरकारी स्तर पर भेजी गई वस्तुओं का वितरण किस व्यवस्था के तहत किया जाता है और इसकी निगरानी कौन करता है। पत्रकारों के बीच यह चर्चा भी है कि कहीं कागजों में वितरण पूरा दिखाकर सामग्री को इधर-उधर तो नहीं किया जा रहा। यदि सरकारी अभिलेखों में सभी वस्तुओं के आवंटन और वितरण का विवरण दर्ज है, तो फिर संबंधित पत्रकारों तक वे क्यों नहीं पहुंच रहीं? क्या प्रत्येक जिले और तहसील में प्राप्त सामग्री तथा उसके वितरण का स्पष्ट हिसाब रखा जाता है? इन सवालों के जवाब सामने आना जरूरी है।

किसानों पर अपमानजनक टिप्पणी से देशभर में आक्रोश, भाजपा सांसद को मांगनी पड़ी माफी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/गांधीनगर। देश का पेट भरने के लिए दिन-रात मेहनत करने वाले किसानों को लेकर भाजपा के एक सांसद की विवादित टिप्पणी से देशभर में नाराजगी फैल गई है। सांसद ने सार्वजनिक मंच से कथित तौर पर कहा कि आज के किसान वर्ष में केवल तीन महीने काम करते हैं, जबकि बाकी नौ महीने जुआ खेलने, गुटखा खाने और शराब पीने में बिताते हैं। इस बयान का वीडियो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित होने के बाद किसान संगठनों और आम लोगों ने कड़ी नाराजगी जताई। बताया जा रहा है कि एक सार्वजनिक कार्यक्रम में संबोधन के दौरान सांसद ने किसानों की मेहनत और जीवनशैली पर सवाल उठाते हुए यह टिप्पणी की थी। बयान सामने आते ही किसान संगठनों, मजदूर संगठनों और विपक्षी दलों ने इसका विरोध शुरू कर दिया। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ सहित विभिन्न संगठनों ने इसे अन्नदाताओं का अपमान बताते हुए कड़ी आलोचना की। किसान नेताओं का कहना है कि किसान भीषण गर्मी, कड़ाके की ठंड और मूसलाधार बारिश के बीच खेतों में मेहनत करता है। दिन-रात परिश्रम करके वह अनाज पैदा करता है, जिससे देश की करोड़ों आबादी का पेट भरता है। ऐसे में किसानों को लेकर इस तरह की सामान्यीकृत और अपमानजनक टिप्पणी करना न केवल उनकी मेहनत का अपमान है, बल्कि देश की खाद्य व्यवस्था में उनके योगदान की अनदेखी भी है। विरोध बढ़ने के साथ ही किसान संगठनों ने संबंधित सांसद के खिलाफ नाराजगी जताई। पुलिस थानों में शिकायतें देने और आंदोलन तेज करने की चेतावनी के बीच सांसद को आखिरकार अपने बयान पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी।

भाजपा के स्नेह मिलन समारोह में रौनक कम, रोहन गुप्ता की चर्चा ज्यादा; राजनीतिक हलकों में हलचल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/गांधीनगर। गुजरात की राजनीति में इन दिनों भाजपा के एक स्नेह मिलन समारोह को लेकर चर्चाएं तेज हैं। दीपावली और त्योहारों के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच मेल-मिलाप तथा शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करना था, लेकिन समारोह में रोहन गुप्ता की मौजूदगी ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। अब राजनीतिक गलियारों में कार्यक्रम से ज्यादा रोहन गुप्ता की उपस्थिति को लेकर चर्चा हो रही है। रोहन गुप्ता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। समारोह में उनकी मौजूदगी और मंच पर वरिष्ठ नेताओं के साथ उनकी उपस्थिति को लेकर कार्यकर्ताओं और राजनीतिक जानकारों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। मंच पर नेताओं के आपसी व्यवहार, बातचीत और हावभाव को लेकर भी लोगों ने अपने-अपने कयास लगाए। कार्यक्रम से जुड़े कुछ दृश्य सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित होने के बाद यह चर्चा और तेज हो गई। राजनीतिक हलकों में सवाल उठ रहा है कि रोहन गुप्ता की यह मौजूदगी महज एक औपचारिक मुलाकात थी या इसके पीछे कोई राजनीतिक संदेश भी छिपा है। क्या आने वाले दिनों में गुजरात भाजपा के भीतर उन्हें कोई नई भूमिका मिल सकती है या यह केवल एक सामान्य संगठनात्मक कार्यक्रम में उनकी भागीदारी थी? फिलहाल इन सवालों पर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। एक ओर भाजपा संगठन को मजबूत करने और नेताओं-कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बढ़ाने की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर रोहन गुप्ता जैसे चर्चित राजनीतिक चेहरे की मौजूदगी को लेकर अलग-अलग राजनीतिक अर्थ निकाले जा रहे हैं। विपक्षी खेमे की निगाहें भी इस घटनाक्रम पर टिकी हुई हैं। सामाजिक माध्यमों पर भी इस कार्यक्रम को लेकर चर्चाएं हो रही हैं। मंच पर रोहन गुप्ता की मौजूदगी और अन्य नेताओं के साथ उनके संबंधों को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, केवल किसी कार्यक्रम में उपस्थिति या नेताओं के हावभाव के आधार पर किसी नए राजनीतिक समीकरण का निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि भाजपा का यह स्नेह मिलन समारोह केवल शुभकामनाओं और मेल-मिलाप तक सीमित था या आने वाले समय में गुजरात की राजनीति में कोई नई भूमिका और जिम्मेदारी तय होने के संकेत भी इसमें छिपे हैं।

भावनगर जहरीली शराब कांड में बड़ी कार्रवाई, एक लाख से अधिक पृष्ठों का आरोपपत्र दाखिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर/गांधीनगर। गुजरात को झकझोर देने वाले भावनगर जहरीली शराब कांड में राज्य निगरानी प्रकोष्ठ ने बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ पुलिस ने एक लाख से अधिक पृष्ठों का विस्तृत आरोपपत्र न्यायालय में पेश किया है। इस कार्रवाई को जहरीली शराब के अवैध कारोबार और उससे जुड़े नेटवर्क के खिलाफ जांच की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भावनगर क्षेत्र में कथित रूप से जहरीली और नशीली शराब के अवैध कारोबार तथा इसके पीछे सक्रिय पूरे तंत्र की जांच राज्य निगरानी प्रकोष्ठ की ओर से की जा रही थी। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों के बीच संपर्क, दूरभाष पर हुई बातचीत, आर्थिक लेन-देन और रासायनिक पदार्थों की आपूर्ति से जुड़े विभिन्न पहलुओं की पड़ताल की। अधिकारियों ने इन तथ्यों और जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर एक लाख से अधिक पृष्ठों का आरोपपत्र तैयार किया है। आरोपपत्र में कथित अवैध कारोबार से जुड़े लोगों की भूमिका, उनके बीच हुए संपर्कों, आर्थिक लेन-देन और रासायनिक पदार्थों की आपूर्ति से संबंधित जानकारियों को शामिल किया गया है। पुलिस का प्रयास है कि पूरे मामले की प्रत्येक कड़ी को न्यायालय के सामने साक्ष्यों के साथ रखा जाए, ताकि आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ सके। राज्य निगरानी प्रकोष्ठ की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ और जांच के आधार पर अवैध शराब के कारोबार से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

महीसागर जिले के ग्रामीण इलाकों में सक्रिय होने का आरोप, वन विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

खानपुर क्षेत्र में हरे-भरे पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, लकड़ियों की अवैध ढुलाई के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो



महीसागर। एक ओर सरकार पर्यावरण संरक्षण और वैश्विक तापमान में वृद्धि के खतरे को कम करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर पौधारोपण अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर महीसागर जिले के खानपुर तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में हरे-भरे पेड़ों की कथित रूप से अंधाधुंध कटाई किए जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र में लंबे समय से पेड़ों की अवैध कटाई और लकड़ियों की गैरकानूनी ढुलाई का काम चल रहा है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खानपुर तहसील के विभिन्न दूरदराज और ग्रामीण इलाकों में पिछले कुछ समय से लकड़ी के अवैध कारोबार में लिप्त लोगों की सक्रियता बढ़ने की शिकायतें मिल रही हैं। आरोप है कि बिना वैधानिक अनुमति या निर्धारित नियमों की अनदेखी कर वर्षों पुराने और घने हरे पेड़ों को काटा जा रहा है। दिन-रात जारी इस गतिविधि से ग्रामीण क्षेत्रों की हरियाली पर खतरा मंडरा रहा है और पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार पेड़ों की कटाई के बाद लकड़ियों को निजी वाहनों और ट्रैक्टरों के माध्यम से एक स्थान से दूसरे स्थान तक खुलेआम ले जाया जा रहा है। ग्रामीणों का सवाल है कि जब बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई हो रही है और लकड़ियों से भरे वाहन सड़कों से गुजर रहे हैं, तो वन विभाग और स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी क्यों नहीं मिल रही? लोगों ने यह भी सवाल उठाया है कि क्या इस अवैध गतिविधि में शामिल लोगों को किसी का संरक्षण प्राप्त है या फिर जिम्मेदार अधिकारी मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। पेड़ों की कटाई और लकड़ियों की कथित अवैध ढुलाई को लेकर स्थानीय पर्यावरण प्रेमियों और जागरूक नागरिकों में नाराजगी है। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस गतिविधि पर रोक नहीं लगाई गई तो आने वाले समय में खानपुर तहसील के कई ग्रामीण क्षेत्रों की हरियाली पूरी तरह प्रभावित हो सकती है।

उंड नदी में अवैध रेत खनन पर खनिज विभाग का बड़ा छापा, उत्खनन मशीन और ट्रक जब्त

जामनगर जिले के जोड़िया तालुका के आणंदा और भादरा गांव के पास चल रहा था अवैध खनन, कार्रवाई के दौरान मौके से फरार हुए कुछ लोग

महानगर मेट्रो ब्यूरो



जामनगर। गुजरात में अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। जामनगर जिले के जोड़िया तालुका के आणंदा और भादरा गांव के समीप उंड नदी के तल में चल रहे कथित अवैध रेत खनन पर भू-विज्ञान एवं खनिज विभाग की टीम ने छापा मारकर एक उत्खनन मशीन और एक ट्रक जब्त किया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध खनन करने वालों में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जामनगर के जिला भू-विज्ञान अधिकारी के निर्देश पर खान एवं खनिज विभाग की निगरानी टीम ने जोड़िया क्षेत्र में अचानक जांच अभियान चलाया। विभाग को सूचना मिली थी कि उंड नदी के तल से बिना अनुमति बड़े पैमाने पर रेत निकाली जा रही है और उसका परिवहन किया जा रहा है। इसी सूचना के आधार पर टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। बताया जाता है कि जब विभागीय टीम घटनास्थल पर पहुंची, उस समय नदी के तल से मशीनों के जरिए रेत निकालकर ट्रकों में भरी जा रही थी। अधिकारियों की टीम को अचानक देखकर वहां मौजूद कुछ लोग अपने उपकरण छोड़कर मौके से फरार हो गए। इसके बाद टीम ने मौके पर उपलब्ध मशीनों और वाहनों की जांच की। कार्रवाई के दौरान रेत निकालने में इस्तेमाल की जा रही एक भारी उत्खनन मशीन (हिटाची) और रेत के परिवहन में लगे एक ट्रक को जब्त कर लिया गया। जब्त किए गए वाहनों और उपकरणों को पुलिस सुरक्षा में भिजवाया गया है। विभाग ने गुजरात खनिज (अधिकार एवं सर्वेक्षण) नियमों तथा प्रचलित कानूनी प्रावधानों के तहत दंडात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उंड नदी के तल में अवैध खनन की शिकायतों को लेकर स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों ने भी चिंता जताई है। उनका कहना है कि नदी क्षेत्र में अनियंत्रित खनन से प्राकृतिक संरचना और पर्यावरण को नुकसान पहुंच सकता है। विभाग की इस कार्रवाई का स्थानीय स्तर पर स्वागत किया जा रहा है। नागरिकों ने मांग की है कि केवल मशीन और ट्रक जब्त करने तक कार्रवाई सीमित न रहे, बल्कि अवैध खनन के पीछे सक्रिय लोगों और मुख्य संचालकों की भी पहचान की जाए। यदि जांच में बड़े स्तर पर खनन और परिवहन का मामला सामने आता है, तो संबंधित लोगों से नियमानुसार जुर्माना वसूला जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

17 वर्षों में 20 बार बदले घर, अब कहां जाएं? दोषियों की रिहाई के बाद फिर सताने लगा बिलकिस बानो को पुराना डर

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद/गांधीनगर। वर्ष 2002 के गुजरात दंगों के दौरान सामूहिक अत्याचार और परिवार के सदस्यों की हत्या की पीड़ा झेलने वाली बिलकिस बानो के जीवन में दो दशक से अधिक समय बीतने के बाद भी भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। न्याय के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़ने वाली बिलकिस बानो का कहना है कि पिछले 17 वर्षों में उन्हें करीब 20 बार अपना घर बदलना पड़ा है। अब इस मामले के दो दोषियों के जेल से बाहर आने के बाद उनका पुराना डर एक बार फिर उभर आया है। बिलकिस बानो ने एक साक्षात्कार में अपना दर्द साझा करते हुए कहा कि उन्होंने लगातार असुरक्षा के माहौल में जीवन बिताया है। बार-बार घर बदलने की मजबूरी ने उनके जीवन को बेहद कठिन बना दिया है। उनका सवाल है कि आखिर वे अब कहां जाएं? जिस घटना ने उनके जीवन को पूरी तरह बदल दिया, उसका भय आज भी उनका पीछा नहीं छोड़ रहा है। वर्ष 2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ सामूहिक अत्याचार किया गया था और उनके परिवार के कई सदस्यों की हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद उन्होंने न्याय पाने के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी। मामले में दोषियों को सजा सुनाई गई थी, लेकिन बाद में कुछ दोषियों की समयपूर्व रिहाई को लेकर देशभर में बहस छिड़ गई थी। अब दो दोषियों के जेल से बाहर आने के बाद बिलकिस बानो की सुरक्षा और भविष्य को लेकर फिर चिंता जताई जा रही है। बिलकिस बानो के अनुसार, पिछले 17 वर्षों में उन्हें करीब 20 बार अपना ठिकाना बदलना पड़ा। लगातार असुरक्षा और भय के कारण उन्हें बार-बार नए स्थानों पर रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। किसी भी व्यक्ति के लिए बार-बार घर बदलना कठिन होता है, लेकिन हिंसा की भयावह घटना झेल चुकी महिला के लिए यह स्थिति और भी पीड़ादायक हो सकती है। दोषियों की रिहाई के बाद उनके मन में फिर वही पुरानी आशंकाएं उभर आई हैं। उनका दर्द इस सवाल में झलकता है कि न्याय की लंबी लड़ाई लड़ने के बाद भी यदि उन्हें सुरक्षित जीवन का भरोसा नहीं मिल पा रहा है, तो आखिर वे किससे सुरक्षा की उम्मीद करें? इस घटनाक्रम ने पीड़ितों की सुरक्षा और पुनर्वास से जुड़े प्रबंधों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। न्याय केवल दोषियों को सजा दिलाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि पीड़ितों को भयमुक्त और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना भी व्यवस्था की जिम्मेदारी है। बिलकिस बानो के मामले में बार-बार घर बदलने की मजबूरी और सुरक्षा को लेकर जताई गई चिंता इस विषय को फिर चर्चा में ले आई है। अब मांग उठ रही है कि संबंधित प्रशासन उनकी सुरक्षा की स्थिति की समीक्षा करे और आवश्यक कदम उठाए, ताकि उन्हें किसी तरह के भय के बिना जीवन जीने का अवसर मिल सके। दो दशक से अधिक समय बाद भी यदि एक पीड़िता को अपने सुरक्षित ठिकाने को लेकर चिंता जतानी पड़ रही है, तो यह उसके पुनर्वास और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर विचार की जरूरत दर्शाता है। बिलकिस बानो का दर्द केवल एक महिला की व्यक्तिगत पीड़ा नहीं, बल्कि उन सभी सवालों को सामने लाता है जो न्याय, सुरक्षा और पीड़ितों के सम्मानजनक जीवन से जुड़े हैं। अब देखना होगा कि संबंधित अधिकारी उनकी चिंताओं को कितनी गंभीरता से लेते हैं और उन्हें वास्तविक सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए क्या कदम उठाते हैं।

वटवा जीआईडीसी में विकास कार्य की धीमी रफ्तार से जनता बेहाल, 50 मीटर का पुल 11 महीने में भी अधूरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। गुजरात की आर्थिक राजधानी अहमदाबाद के वटवा जीआईडीसी क्षेत्र में विकास कार्यों की धीमी गति के कारण स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मच्छुनगर पुल का निर्माण कार्य शुरू हुए करीब 11 महीने बीत चुके हैं, लेकिन महज 50 मीटर लंबे इस पुल का 20 प्रतिशत काम भी पूरा नहीं हो पाया है। निर्माण में हो रही देरी के कारण स्थानीय निवासियों, श्रमिकों, राहगीरों और वाहन चालकों की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वटवा जीआईडीसी की ओर से इस पुल का निर्माण कार्य इसी वर्ष जनवरी में शुरू कराया गया था। उस समय संबंधित अधिकारियों की ओर से छह महीने के भीतर काम पूरा कर पुल को आम जनता के लिए खोलने का भरोसा दिया गया था। लेकिन निर्धारित समय सीमा बीतने के बाद भी निर्माण कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है। अब 11 महीने गुजरने के बावजूद काम 20 प्रतिशत तक भी नहीं पहुंचा है। निर्माण कब पूरा होगा, इसे लेकर भी कोई स्पष्ट समय सीमा सामने नहीं आई है। पुल का निर्माण अधूरा होने और आवागमन का उचित वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध नहीं होने के कारण स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गई है। क्षेत्र के निवासियों, कामगारों और पैदल आने-जाने वालों को अपनी जान जोखिम में डालकर गंदे और प्रदूषित पानी से होकर नहर पार करनी पड़ रही है। इससे संक्रमण और बीमारियां फैलने की आशंका भी बनी हुई है। लोगों का कहना है कि रोजमर्रा के आवागमन के लिए उन्हें बेहद असुरक्षित परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम दिखाई नहीं दे रहे हैं। इस समस्या का असर केवल पैदल राहगीरों तक सीमित नहीं है। वटवा जीआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में मालवाहक वाहन, ट्रक और रिक्शा आते-जाते हैं। पुल बंद होने से वाहन चालकों को रोजाना करीब 3 से 4 किलोमीटर का अतिरिक्त रास्ता तय करना पड़ रहा है। इससे समय और ईंधन दोनों की बर्बादी हो रही है। निर्माण में देरी के कारण उद्योगों और व्यापारिक गतिविधियों से जुड़े लोगों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया है कि जब पुल की लंबाई महज 50 मीटर है और निर्माण पूरा करने के लिए छह महीने का समय निर्धारित किया गया था, तो 11 महीने बाद भी काम इतनी धीमी गति से क्यों चल रहा है? निर्माण में देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय क्यों नहीं की जा रही है? लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरने की मजबूरी से राहत दिलाने के लिए अब तक सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई? महानगर मेट्रो के माध्यम से स्थानीय नागरिकों की मांग है कि संबंधित विभाग तत्काल निर्माण कार्य की समीक्षा करे और काम में तेजी लाकर पुल को जल्द से जल्द पूरा कराया जाए। साथ ही, निर्माण पूरा होने तक पैदल राहगीरों और वाहन चालकों के लिए सुरक्षित वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था की जाए, ताकि लोगों को रोजाना होने वाली परेशानी से राहत मिल सके।

खाकी का खौफ या शराब तस्करों की दबंगई? खेड़ब्रह्मा में क्षत्रिय युवक को जान से मारने की धमकी देने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ब्रह्मा/गांधीनगर। गुजरात में शराबबंदी के बावजूद अवैध शराब के कारोबार और उससे जुड़े असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। साबरकांठा जिले के खेड़ब्रह्मा क्षेत्र में एक कथित शराब तस्कर द्वारा क्षत्रिय समाज के एक युवक को जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद स्थानीय युवाओं और क्षत्रिय समाज के लोगों में नाराजगी व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, खेड़ब्रह्मा क्षेत्र में लंबे समय से अवैध शराब के कारोबार और असामाजिक गतिविधियों को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं। आरोप है कि जब कोई युवक ऐसी गतिविधियों का विरोध करता है या उनके बारे में आवाज उठाता है, तो उसे डराने-धमकाने का प्रयास किया जाता है। हाल ही में एक क्षत्रिय युवक को कथित तौर पर एक शराब तस्कर ने गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी दी। हालांकि, घटना के पूरे कारणों और धमकी से जुड़े तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। इस घटना ने स्थानीय पुलिस व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर पुलिस अधिकारियों की ओर से अवैध शराब के कारोबार और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के दावे किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर आम नागरिकों को धमकियां मिलने की शिकायतें सामने आ रही हैं। लोगों का सवाल है कि यदि कोई व्यक्ति अवैध गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाता है, तो उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन निभाएगा? गांधीनगर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक वीरेंद्र यादव और स्थानीय पुलिस से भी इस मामले में कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर युवक को धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान की जाए और आरोप सही पाए जाने पर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। घटना की जानकारी सामने आने के बाद क्षत्रिय समाज के लोगों और युवाओं में नाराजगी देखी जा रही है। समाज के कुछ लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उनकी मांग है कि युवक को सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए और क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। अब देखना यह है कि पुलिस प्रशासन इस मामले में कितनी तत्परता दिखाता है। सवाल केवल एक युवक को मिली कथित धमकी का नहीं, बल्कि क्षेत्र में आम नागरिकों की सुरक्षा और कानून के प्रति अपराधियों में भय बनाए रखने का भी है।

पेपर लीक कांड ने पूरी व्यवस्था की पोल खोल दी! पूर्व मंत्री जवाहर चावड़ा के बयान से गुजरात की राजनीति में हलचल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/अहमदाबाद। गुजरात में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने का मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक चर्चा के केंद्र में आ गया है। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता जवाहर चावड़ा के बयान ने इस विवाद को नई हवा दे दी है। उन्होंने पेपर लीक कांड को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा कि इस घटना ने पूरी व्यवस्था को उलट-पुलट कर दिया। उनके इस बयान के बाद राज्य में भर्ती परीक्षाओं की पारदर्शिता, युवाओं के भविष्य और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सवाल उठने लगे हैं। सरकारी नौकरी पाने के लिए वर्षों तक मेहनत करने वाले लाखों युवाओं के लिए प्रश्नपत्र लीक होना किसी बड़े झटके से कम नहीं है। विद्यार्थी दिन-रात पढ़ाई करते हैं, पुस्तकालयों में समय बिताते हैं और परिवार की आर्थिक तथा मानसिक परेशानियों के बीच प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। ऐसे में परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र बाहर आने की घटना उनकी मेहनत और उम्मीदों पर पानी फेर देती है। इसका असर केवल अभ्यर्थियों पर ही नहीं, बल्कि उनके पूरे परिवार पर पड़ता है। जवाहर चावड़ा की टिप्पणी को इसी पीड़ा और व्यवस्था पर उठते सवालों के संदर्भ में देखा जा रहा है। पेपर लीक की घटनाओं ने भर्ती परीक्षाओं की निष्पक्षता और सरकारी व्यवस्था पर लोगों के भरोसे को प्रभावित किया है। राजनीतिक बैठकों और नेताओं के बीच इस विषय पर होने वाली चर्चाओं के बीच अब यह मुद्दा फिर सुर्खियों में है। हेड क्लर्क, तलाटी और कनिष्ठ लिपिक सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं ने पहले भी राज्य में विवाद खड़ा किया है। इन घटनाओं के कारण परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को परेशानी उठानी पड़ी और कई बार परीक्षाएं रद्द या स्थगित करनी पड़ीं। इससे युवाओं का समय, मेहनत और धन प्रभावित हुआ। प्रश्नपत्र लीक के मामलों में कथित तौर पर सक्रिय गिरोहों और बिचौलियों की भूमिका को लेकर भी लगातार सवाल उठते रहे हैं। सरकार की ओर से ऐसे मामलों पर रोक लगाने के लिए कड़े कानूनी प्रावधान किए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद युवाओं के मन में कई सवाल बने हुए हैं। अभ्यर्थियों की मांग है कि प्रश्नपत्र लीक के मामलों की जांच केवल छोटे आरोपियों तक सीमित न रहे, बल्कि पूरे नेटवर्क और इसके पीछे शामिल लोगों की भूमिका भी सामने लाई जाए। दोषियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई हो, जिससे भविष्य में कोई भी भर्ती परीक्षा की निष्पक्षता से खिलवाड़ करने का साहस न कर सके। जवाहर चावड़ा के बयान के बाद अब सवाल यह है कि क्या इस मुद्दे पर जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय होगी? क्या प्रश्नपत्र लीक कराने वाले पूरे तंत्र का पर्दाफाश किया जाएगा? और क्या मेहनत के दम पर नौकरी पाने का सपना देखने वाले युवाओं को निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था का भरोसा मिल सकेगा? गुजरात के युवाओं की निगाहें अब इन सवालों के जवाब पर टिकी हैं।

अरवल्ली में एएसआई की हत्या का खुलासा, महिला प्रधान आरक्षक समेत चार गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अरवल्ली/गांधीनगर। गुजरात के अरवल्ली जिले में एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) के लापता होने और बाद में उनके कंकाल मिलने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक महिला प्रधान आरक्षक भी शामिल है। प्रारंभिक पुलिस जांच में मामला प्रेम संबंधों में विवाद और कथित रूप से धन वसूली के दबाव से जुड़ा होने की बात सामने आई है। पुलिस की कार्रवाई के बाद इस मामले ने पुलिस विभाग में भी हलचल मचा दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अरवल्ली जिले में तैनात एक एएसआई अचानक रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गए थे। काफी समय तक उनका कोई सुराग नहीं मिलने पर परिजनों और पुलिस ने तलाश शुरू की। जांच आगे बढ़ने के साथ पुलिस को कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले, जिनके आधार पर मामले की गुत्थी सुलझाने का प्रयास किया गया। इसी दौरान जमीन में दबाए गए मानव अवशेष बरामद हुए, जिनके एएसआई के होने की आशंका जताई गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक एएसआई और मामले की मुख्य आरोपी बताई जा रही महिला प्रधान आरक्षक के बीच करीबी संबंध थे। समय के साथ दोनों के बीच विवाद बढ़ने की बात सामने आई है। पुलिस को आशंका है कि इसी विवाद और कथित रूप से धन वसूली के दबाव के चलते हत्या की साजिश रची गई। हालांकि, घटना के पीछे की पूरी वजह और प्रत्येक आरोपी की भूमिका का खुलासा विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगा। पुलिस जांच के अनुसार, एएसआई की हत्या के बाद उनके शव को पहचान छिपाने और घटना को दबाने के उद्देश्य से किसी गुप्त स्थान पर जमीन में दफना दिया गया था। लंबे समय तक जमीन में दबे रहने के कारण शव कंकाल में बदल गया। पुलिस ने तकनीकी जांच, दूरभाष संपर्कों के अभिलेख और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ने का दावा किया है। बरामद अवशेषों को आगे की वैज्ञानिक जांच के लिए भेजा गया है। इस मामले में पुलिस ने महिला प्रधान आरक्षक सहित कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर रही है, ताकि हत्या की पूरी साजिश, घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका और शव को दफनाने से जुड़े तथ्यों का पता लगाया जा सके। पुलिस विभाग से जुड़े एक अधिकारी की हत्या के मामले में महिला पुलिसकर्मी सहित चार लोगों की गिरफ्तारी ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.